शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 09 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-306

प्रधानमंत्री ने काशी से चार नई वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

वंदे भारत ट्रेन भारत की आत्मनिर्भरता की पहचान : पीएम मोदी

वाराणसी, 08 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बनारस रेलवे स्टेशन से चार नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस को प्रधानमंत्री ने बनारस रेलवे स्टेशन से रवाना किया, जबकि दिल्ली-फिरोजपुर, लखनऊ-सहारनपुर और एर्नाकुलम-बेंगलुरू वंदे भारत एक्सप्रेस को उन्होंने वर्चुअली झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, एर्नाकुलम से केरल के राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और जॉर्ज कुरियन, फिरोजपुर से केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू तथा लखनऊ से उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत भोजपुरी में

देश में चल रही हैं 160 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें

विकसित भारत की नींव मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर से

करते हुए कहा, बाबा विश्वनाथ के ई पावन नगरी में आप सब लोगन के काशी के परिवारजन के हमार प्रणाम। देव दीपावली के बाद आज के दिन भी काशी के विकास पर्व पर आप सबके शुभकामना देत हईं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित देशों की प्रगति का सबसे बड़ा आधार मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर रहा है। भारत भी अब तेजी से उसी राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे सड़कों और नई व्यवस्थाओं के विस्तार से देश के हर हिस्से में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है।

पीएम मोदी ने बताया कि देश में अब 160 से अधिक वंदे भारत ट्रेन संचालित हो रही हैं। यह ट्रेन भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और आत्मनिर्भरता की प्रतीक हैं। वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत ट्रेनें भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव तैयार कर रही हैं। वंदे भारत भारतीयों द्वारा भारतीयों के लिए बनाई गई ट्रेन है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की तीर्थ यात्राएं केवल धार्मिक नहीं, बल्कि देश की आत्मा को जोड़ने वाली परंपरा है।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, चित्रकूट, कुरुक्षेत्र जैसे पावन धाम अब वंदे भारत नेटवर्क से जुड़ रहे हैं, जिससे आस्था और विकास दोनों का संगम हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्ष में उत्तर प्रदेश में तीर्थाटन और पर्यटन से आर्थिक गतिविधियों को नया बल मिला है। पिछले वर्ष 11 करोड़ श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने आए, जबकि अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद 6 करोड़ से अधिक लोग रामलला के दर्शन कर चुके हैं। इससे यूपी की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ का लाभ हुआ और लाखों लोगों को रोजगार मिला।

प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी पूर्वांचल की हेल्थ कैपिटल बन गया है। ▶10 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काशी में हुआ भव्य स्वागत

वाराणसी, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार की शाम अपने संसदीय क्षेत्र काशी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। शाम करीब पांच बजे प्रधानमंत्री का विशेष विमान बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरा, जहां प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, विधायक सुनील पटेल, विधायक टी राम, कमिश्नर एस राजलिंगम, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार सहित अन्य लोगों ने किया। बरेका पहुंचने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत किया।

प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से बीएलडब्ल्यू स्थित गेस्ट हाउस के लिए रवाना हुए। उनका काफिला बाबतपुर से हरहुआ होते हुए गलिट बाजार, जेपी मेहता, फुलवरिया फ्लाईओवर होते हुए बरेका पहुंचा। रास्ते में कई जगह पर स्थानीय लोगों सहित पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी वाहन से हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में काशीवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने अपने सांसद का स्वागत मोदी-मोदी और हर हर महादेव के नारों से किया। जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पुष्पवर्षा और भारत माता के जयघोष से पूरा मार्ग देशभक्ति के रंग में रंग गया। एयरपोर्ट से बरेका जाते समय प्रधानमंत्री के काफिले पर जगह-जगह फूलों की वर्षा की गई। पूरा मार्ग केसरिया और तिरंगे रंगों की रौशनी से जगमगा उठा। बरेका पहुंचने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत किया।

बिहार में उत्साहजनक मतदान पर सीतामढ़ी में बोले पीएम

जंगलराज वालों को 65 वोल्ट का झटका लगा है

पटना, 08 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीतामढ़ी में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए महागठबंधन पर जमकर हमला बोला और राजद-कांग्रेस को खूब खरी-खोटी सुनाई। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं माता जानकी की प्रकट स्थली से सम्पूर्ण बिहार को प्रणाम करता हूं। पहले चरण के मतदान ने कमाल कर दिया है। पीएम मोदी ने महागठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले चरण के मतदान से जंगलराज वालों को 65 वोल्ट का झटका लगा है। आपका यह प्यार और उमंग देखकर स्पष्ट लगता है कि इस बार फिर से एनडीए सरकार बनेगी। आपका आशीर्वाद सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने नहीं चाहिए कट्टा सरकार, फिर एक बार एनडीए सरकार का नारा दिया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव विकसित बिहार बनाने का चुनाव है। यह चुनाव आपके आने वाली पीढ़ी का भविष्य तय करेगा। इसलिए यह चुनाव काफी अहम है। इसलिए आपलोग पिछले हर मतदान का रिकॉर्ड तोड़ दें। बड़ी तादाद में मतदान करें और हमारे उम्मीदवारों को अपना आशीर्वाद दें।

पीएम मोदी ने कहा, राजद वाले बिहार के बच्चों के लिए क्या करना चाहते हैं? यह इनके नेताओं के चुनाव प्रचार में साफ दिखता है। आप जंगलराज वालों के गाने और नारे सुन लीजिए, आप कांप जाएंगे। राजद के मंचों पर मासूम बच्चों से कहलवाया जा रहा है कि उन्हें रंगदार बनना है। आप मुझे बताइए बिहार के बच्चे को रंगदार बनना चाहिए या डॉक्टर बनना चाहिए? क्या हम रंगदार बनाने वालों को जीतने देंगे? बिहार का बच्चा अब रंगदार नहीं, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, जज बनेगा। मैं बिहार में जंगलराज वालों की जगह नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि राजद के लोग बिहार के बच्चों को कट्टा और दोनाली दे रहे हैं। खुद के बच्चों को मंत्री बनाना चाहते हैं। सारे सपने केवल अपने बच्चों के लिए देखते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जंगलराज का मतलब है कट्टा, क्रूरता कटुता, कुशासन, कुसंस्कार, करप्शन। क्या यह सब बिहार को मंजूर होगा?

पीएम मोदी ने कहा, जैसे ही बिहार में जंगलराज आया, वैसे ही राज्य में बर्बादी का दौर शुरू हो गया। राजद ने बिहार में विकास का माहौल ही खत्म कर दिया। राजद और कांग्रेस वाले उद्योगों की एबीसी भी नहीं जानते हैं। वह केवल उद्योगों पर ताले लगाना चाहते हैं। यहीं मिथिला में मिले और फैक्ट्रियां बंद हो गईं। 15 साल में कोई भी बड़ा अस्पताल और फैक्ट्री बिहार में नहीं बना। इसलिए जंगलराज वालों के मुंह से विकास की बात सफेद झूठ है। बिहार के लोगों का सरकार से भरोसा उठ गया था। नीतीश कुमार ने इस भरोसे को वापस लाया। भाजपा और एनडीए की सरकार जो कहती और वह कहकर दिखाती है।

पीएम मोदी ने कहा कि मिथिला की बहन और बेटियों में अद्भुत सामर्थ्य है। मोदी आपकी कला को दुनिया में पहुंचा रहा है। मैं दुनिया भर के लोगों को मधुबनी पेंटिंग देने का काम कर रहा हूं। यह सब मैं इसलिए कर रहा हूं क्योंकि मुझे बिहार पर गर्व है। ▶10 पर

सीमांचल पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा

घुसपैठियों का अड्डा बनाना चाहते राहुल-तेजस्वी

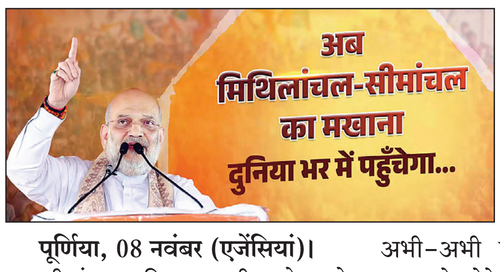

पूर्णिया, 08 नवंबर (एजेंसियां)। सीमांचल की राजधानी कहे जाने वाले पूर्णिया में गृह मंत्री अमित शाह ने चुनावी सभा की। उन्होंने घुसपैठियों का मुद्दा फिर से उठाया। कहा कि यह लोग आपका हक छीन रहे हैं। राहुल-तेजस्वी सीमांचल को घुसपैठियों का अड्डा बनाना चाहते हैं। अपने संबोधन के दौरान गृह मंत्री ने महागठबंधन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य के आधे हिस्से ने पहले ही कांग्रेस-राजद गठबंधन को नकार दिया है। एनडीए बिहार में 160 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाएगी। मैं सीमांचल में आया है। मैं सीमांचल वालों की बात जानने आया हूं। आप बताओं सीमांचल से घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहिए या नहीं निकालना चाहिए। यह अभी-अभी राहुल गांधी और लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव घुसपैठिया बचाव यात्रा लेकर निकले थे। वह चाहते हैं सीमांचल घुसपैठियों का अड्डा बने। घुसपैठिए हमारे गरीबों का हक छीनते हैं। उन्होंने कहा कि हमलोग न केवल घुसपैठियों को निकालेंगे, बल्कि जमीन अधिग्रहण को भी जमींदोज कर देंगे।

गृह मंत्री ने कहा कि भक्त प्रह्लाद और महर्षि मेंही की भूमि को मैं प्रणाम करता हूं। बिहार के पहले दलित मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री को मैं प्रणाम करता हूं। ▶10 पर

प. अफ्रीकी देश माली में पांच भारतीयों का अपहरण

अल-कायदा और आईएसआईएस का बढ़ता प्रभाव

बमाको, 08 नवंबर (एजेंसियां)। माली में बढ़ती हिंसा और आतंकी गतिविधियों के बीच गुरुवार को पांच भारतीय नागरिकों का अपहरण कर लिया गया। बंदूकधारियों ने इन भारतीयों को माली के पश्चिमी इलाके कोबरी के पास से अगवा किया। ये सभी एक ऐसी कंपनी में नियुक्त थे जो वहां बिजलीकरण से जुड़ी परियोजनाओं पर काम कर रही है। भारत सरकार और माली सरकार इस घटना को लेकर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

भारतीय कारीगरों की नियोक्ता कंपनी के एक अधिकारी ने पांच भारतीय कर्मचारियों का अपहरण किए जाने की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने यह भी बताया कि अन्य भारतीय कर्मचारियों को राजधानी बमाको में सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। अब तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है। माली फिलहाल एक सैन्य शासन के अधीन है और देश में अस्थिरता लगातार बढ़ रही है। वहां अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े संगठन सक्रिय हैं, ▶10 पर

रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा, बिहार चुनाव के बाद

भाजपा को मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, 08 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद भारतीय जनता पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। उन्होंने यह भी सफाई दी कि पार्टी में किसी तरह की कोई कलह नहीं है। उन्होंने कहा कि यह भी पूरी तरह से स्पष्ट है कि बिहार में चुनाव होने के बाद नीतीश कुमार ही एनडीए विधायक दल के नेता चुने जाएंगे और मुख्यमंत्री बनेंगे। इसमें कहीं कोई दुविधा नहीं है।

राजनाथ सिंह ने कहा, बिहार विधानसभा चुनाव के बाद आप भारतीय जनता पार्टी के अगले नए अध्यक्ष के बारे में सुनेंगे। हमारी पार्टी में कोई विवाद नहीं है। राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका पर भी स्पष्टीकरण दिया और पार्टी के राजनीतिक निर्णयों पर संघ के प्रभाव की बातों को खारिज किया। उन्होंने कहा, आरएसएस कभी

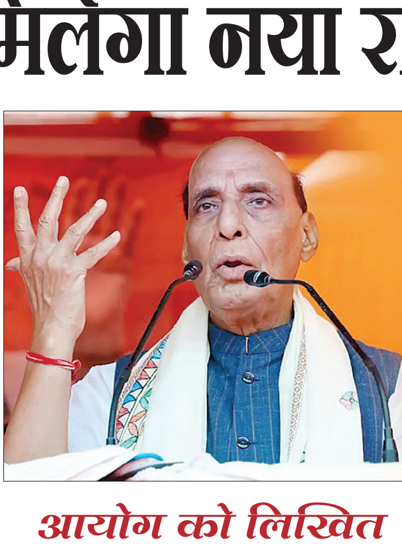

आयोग को लिखित क्यों नहीं देते, आंखें क्यों चुराते हैं राहुल?

भी भाजपा के राजनीतिक कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करता। मैं बचपन से ही आरएसएस से जुड़ा रहा हूं। संघ ही देशभक्ति का संस्कार देता है। उल्लेखनीय है कि अगला अध्यक्ष पार्टी का 12वां राष्ट्रीय अध्यक्ष होगा। जेपी नड्डा पहली बार 2019 में कार्यवाहक अध्यक्ष बने और 2020 में आधिकारिक रूप से चुने गए। हाल ही में नड्डा को केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्वास्थ्य और रसायन एवं उर्वरक मंत्री के रूप में शामिल किया गया। इसके बाद से लगातार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की तलाश शुरू हो गई है।

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने चल रहे बिहार चुनावों के बारे में भी बात की और सत्तारूढ़ एनडीए के एक और कार्यकाल जीतने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा, जनता की प्रतिक्रिया से हमें विश्वास है कि हम सरकार बनाएंगे और हमें दो-तिहाई बहुमत मिल सकता है। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री होंगे और चुनाव उनके नेतृत्व में लड़ा जा रहा है। ▶10 पर

महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा में वोटर फ्रॉड हुआ है

चुनाव आयोग बिना जांच किए गैरजिम्मेदाराना जवाब दे रहा: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा में वोटर फ्रॉड हुआ है। अब ये बिहार में भी हो रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आरोप लगाया कि इन सबके बावजूद चुनाव आयोग बिना जांच किए गैरजिम्मेदाराना जवाब दे रहा है। पार्टी कार्यालय में मतदान में धांधली के खिलाफ चल रहे हस्ताक्षर संग्रह अभियान को लेकर संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार के अधीन काम कर रहा है।

प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी स्वतंत्र संस्थाओं को नष्ट कर रहे हैं। सीबीआई, इनकम टैक्स, ईडी समेत जांच एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए। लेकिन इन्हें केंद्र सरकार अपने पिछलग्गू के तौर पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। यह साबित हो गया है कि भाजपा सिर्फ झूठ ही नहीं बल्कि वोट चुराने में भी माहिर है। हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों की रक्षा के लिए हम संघर्ष का रास्ता अपनाएंगे। यह स्पष्ट रूप से ज्ञात है कि भाजपा कई विधानसभा और लोकसभा चुनावों में वोटों की हेराफेरी के माध्यम से सत्ता में आई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बताया कि लगातार अध्ययन और निरीक्षण के बाद उन्होंने रिकॉर्ड के साथ देश की जनता को मतदाता धोखाधड़ी के बारे में आश्वस्त किया है। संविधान के बाहर सत्ता हथियाना संविधान के साथ विश्वासघात है। लोकतंत्र के साथ धोखा। राहुल गांधी ने बेंगलूरु सेंट्रल लोकसभा चुनाव में वोटों की धांधली को स्पष्ट रिकॉर्ड के साथ सामने ला दिया है और दस्तावेज देश की जनता के सामने रख दिए हैं। इसके बावजूद चुनाव आयोग न तो हमारे उठाए सवालों का जवाब दे रहा है और न ही देश की जनता के सामने रखे गए दस्तावेजों का जवाब दे रहा है। अम्बेडकर ने संविधान में चुनाव आयोग को एक स्वतंत्र संस्था का दर्जा दिया।

अम्बेडकर का स्पष्ट मत था कि किसी को भी सरकारी चुनाव प्रक्रिया में अपनी नाक नहीं घुसानी चाहिए। हमारे संविधान ने उसके लिए एक स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव प्रणाली बनाई है। उन्होंने कहा कि अगर संविधान के मूल्य को संरक्षित करना है तो यह सुनिश्चित करना सभी दलों की जिम्मेदारी है कि स्वतंत्र चुनाव प्रक्रिया हो। संविधान, लोकतंत्र और स्वतंत्र जांच एजेंसियों को बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चल रहा है। 1.20 करोड़ हस्ताक्षर पहले ही एकत्र किये जा चुके हैं। हस्ताक्षरों का संग्रह 10 नवंबर तक होगा, उसके बाद हस्ताक्षरों का संग्रह देश के राष्ट्रपति और केंद्रीय चुनाव आयोग को नहीं भेजा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष जारी रहेगा।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में हस्ताक्षर संग्रह एक अच्छा विकास है। मुख्यमंत्री ने विधायकों, मंत्रियों और सांसदों को शेष तीन दिनों में और अधिक हस्ताक्षर लेने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पांच साल से कम का शासनादेश स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए। केपीसीसी अध्यक्ष उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मंत्री सतीश जारकीहोली, पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर, सलीम अहमद, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मंजूनाथ उपस्थित थे।

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाया गया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने का स्मरण हुब्बल्ली स्थित दक्षिण पश्चिम रेलवे मुख्यालय, रेल सौधा में बड़े उत्साह के साथ किया गया। महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने प्रमुख विभागाध्यक्षों, अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ वंदे मातरम के सामूहिक गायन में भाग लिया, जिससे समारोहों के एक ऐतिहासिक वर्ष की शुरुआत हुई। यह अवसर दक्षिण पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों और कार्यालयों में भी मनाया गया, जहां अधिकारी और कर्मचारी देशभक्ति की भावना के साथ सामूहिक गायन में शामिल हुए। स्मरणोत्सव के एक भाग के रूप में, दक्षिण पश्चिम रेलवे क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों पर वंदे मातरम भी बजाया गया, जिससे यात्रियों और कर्मचारियों दोनों में देशभक्ति और एकता की भावना जागृत हुई। यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में घोषित राष्ट्रव्यापी उत्सव की प्रतिध्वनि था – एक कालातीत रचना जो लंबे समय से भारत की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक रही है। यह गीत, जो भारत को दिव्य माता के रूप में दर्शाता है, ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय जागृति का सार पकड़ लिया और स्वतंत्रता के लिए एक एकीकृत आह्वान बन गया। इसे पहली बार 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में सार्वजनिक रूप से गाया गया था, और 24 जनवरी 1950 को, संविधान सभा ने इसके पहले दो छंदों को राष्ट्रीय दर्जा दिया, इसे भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया, जो राष्ट्रगान, जन गण मन का पूरक था। स्मरणोत्सव ने राष्ट्रीय पालन के अनुरूप शुक्रवार से 14 नवंबर 2026 तक एक साल के उत्सव की शुरुआत को भी चिह्नित किया। इस अवधि के दौरान, दक्षिण पश्चिम रेलवे राष्ट्रीय गौरव के इस स्थायी प्रतीक को श्रद्धांजलि देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, जागरूकता अभियानों और सार्वजनिक गायन कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम भारत की एकता, पहचान और मातृभूमि के प्रति समर्पण के शाश्वत प्रतीक के रूप में वंदे मातरम की चिरस्थायी भावना के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित किया गया, जबकि अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी ने उनकी देशभक्ति की भावना और एकजुटता का प्रदर्शन किया।

श्रमण संघीय उप प्रवर्तिनी तप कौमुदी साध्वी निर्मला ने किया प्रथम मंगलमय विहार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित श्रमण संघीय उप प्रवर्तिनी साध्वी निर्मला ने अपने आध्यात्मिकता से ओतप्रोत, यशस्वी चातुर्मास को सानंद पूर्ण कर प्रथम मंगलमय विहार का शुभारंभ किया। प्रथम मंगलमय विहार नेमीचंद दलाल परिवार के सौभाग्यशाली निवास स्थान की ओर हुआ, जहां पूज्य साध्वीवृंद का मंगल आगमन हुआ। राजाजीनगर श्रीसंघ के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्यगण, त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहु मंडल, राजाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल, जिनेश्वर युवा मंडल के अनेक सदस्य इस मंगलमय विहार यात्रा में श्रद्धा भाव से सम्मिलित हुए। स्थानक में साध्वीवृंद द्वारा जाप एवं मंगलपाठ के पश्चात सौहार्दमय वातावरण में विहार प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात सौभाग्य विला में साध्वी श्री उपासना ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि आप सभी की सेवा भावना, विनम्रता एवं धर्म के प्रति निष्ठा इस चातुर्मास में अत्यंत अनुकरणीय रही है। राजाजीनगर श्रीसंघ की एकता और समर्पण भाव वास्तव में प्रशंसनीय है। उन्होंने चातुर्मास की सफल परिपूर्णता पर संघ की अनुमोदना करते हुए सभी को मंगल आशीर्वाद प्रदान किए। नेमीचंद दलाल ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि संतों का आगमन अत्यंत दुर्लभ होता है। पूज्य गुरुवर्या श्री के पावन चरण पड़ने से हमारा आँगन पावन पवित्र हो गया है। यह हमारे परिवार का परम सौभाग्य है। इस चातुर्मास की मधुर स्मृतियां सदा हृदय में अंकित रहेंगी। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत के पदाधिकारी, जैन कॉन्फ्रेंस, एसएमएस और राजाजीनगर विहार सेवा सदस्य उपस्थित रहे। अंत में अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने दलाल परिवार की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे परिवार संघ की शान हैं जो श्रद्धा, सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करते हैं। संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने सभी उपस्थित अतिथियों एवं संघ के सभी सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

गुजरात प्रवास के दौरान महेंद्र सिंघी का सम्मान

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रधानमंत्री द्वारा अल्पसंख्यक कल्याण हेतु संचालित 15 सूत्रीय कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार गठित कर्नाटक राज्य स्तरीय समिति में समाजसेवी महेंद्र सिंघी को सदस्य मनोनीत किए जाने पर उनके गुजरात प्रवास के दौरान भव्य स्वागत एवं सम्मान आयोजित किया गया।

अपने इस दौरे में सिंघी ने कांठा प्रांतीय अंकलेश्वर, नेत्रंग, मांगरोल कमेटी तथा युवा क्रिकेट कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं विकासात्मक मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। सिंघी ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा अल्पसंख्यक वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना समिति का प्रमुख उद्देश्य है। कांठा प्रांत के बंधुओं ने उनके इस मनोनयन को समाज के लिए गौरवपूर्ण बताया और उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनका सम्मान किया। इस अवसर पर वनराज बोहरा, प्रफुल्ल बोहरा, पदम बोहरा, मांगीलाल चाणोदिया, प्रकाश मुणोत, सुनील वोरा, जयंतीलाल गांधी, ललित धोका, शक्ति कर्णावट, राजेश गांधी सहित अनेक गणमान्य बंधु उपस्थित रहे। सिंघी ने इस सम्मान और स्नेहपूर्ण अपनेपन के लिए कांठा प्रांत सहित उपस्थित सभी समाज बंधुओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

रेल पहिया कारखाना में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रेल पहिया कारखाना में शुक्रवार को यू सुब्बा राव, महाप्रबंधक रेपका की अध्यक्षता में सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी विभागाध्यक्षों ने भाग लिया और हिंदी की प्रगति की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने रेल पहिया कारखाना में हिंदी के प्रयोग-प्रसार की सराहना की और अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों को हिंदी में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप काम करने का सुझाव दिया। आनन्द स्वरूप, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी ने महाप्रबंधक एवं सभी विभागाध्यक्षों का स्वागत किया। मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार संभव है एवं सभी का सहयोग आवश्यक है।

आश्रम एवं ह्यूमैनिटी होम्स में कपड़े व भोजन की सहायता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेपीपी महिला फाउंडेशन अलसूर ने समाज सेवा के अंतर्गत शनिवार को ऑटो राजा आश्रम एवं ह्यूमैनिटी होम्स में कपड़े व भोजन की सहायता की। ये कपड़े फाउंडेशन के सदस्यों ने दीपावली पर एकत्रित किए थे। फाउंडेशन के सदस्यों ने आश्रम के व्यवस्थापकों से बातचीत कर आश्रम की आवश्यकता और व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने वहां निवास कर रहे जनों के साथ कुछ समय बिताया और पारिवारिक माहौल दिया। दोनों आश्रमों में करीब 900 व्यक्ति निवास कर रहे हैं। सभी ने फाउंडेशन के सदस्यों के साथ नवकार मंत्र का जाप कर मांगलिक श्रवण किया। फाउंडेशन के सदस्यों ने उनके लिए एक वक्त के भोजन का भी सहयोग दिया। दोनों आश्रमों के व्यवस्थापकों ने जेपीपी फाउंडेशन के सेवा कार्य की सराहना की। इससे पूर्व फाउंडेशन के सदस्यों ने साध्वी श्री शशिप्रभा जी के अलसूर से हनुमंतप्पा लेआउट के लिए विहार में भाग लिया और आशीर्वाद लिया तथा साध्वी जी

जीवन मुक्ति का प्रवेशद्वार है, फिर भी आज वह बंधन बन गया: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जीवन मुक्ति का प्रवेशद्वार है, फिर भी आज वह बंधन बन गया है। हमारा मन चाह के द्वारा हर एक चीज को बंधन बना देता है। जिस वस्तु की चाह करते हो वह आपके लिए बंधन बन जाता है। जितनी चाहना अधिक, बंधन उतने ही अधिक। जितनी चाहना गहरी बंधन उतने ही गहरे होते हैं। इस सत्य को हमें समझ लेना चाहिए कि संसार में किसी और ने हमें नहीं बांधा है। कोई और आकर आपको बांध ही नहीं सकता। आपकी चाह ने आपको बांधा है। जिस चीज की चाह छूटी उस चीज का बंधन भी छूट गया। बंधन का त्याग केवल

वस्तु के त्याग से नहीं होता, चाह के त्याग से होता है। चाहता का त्याग सही समझ से होता है। चाहना एक ही चीज पर टिकती है- अज्ञान। अज्ञान अर्थात् गलत धारणा। धारणा में परिवर्तन से समझ बदलेगी। यही रास्ता है मुक्ति का। सत्य को जान लो, चाहना से मुक्त होकर सत्य की पहचान कर लो। लेकिन कभी यह सोचा है कि, क्या सुख खरीदा जा सकता है? साधन खरीदा जा सकता है, सुख नहीं। पैसों से फूल खरीदा जा सकता है, लेकिन सुगंध का अनुभव नहीं। वह स्वयं ही होता है। सुख मन की अवस्था है। पैसा सामाजिक व्यवस्था है। आपके पास ढेर सारा पैसा हो, सुख-सुविधा के साधन हो तो बाधा नहीं है। आपका आनन्द साधनों के आधीन हो तो समस्या है। यदि ऐसा है तो आपने यह मान लिया है कि आप का अस्तित्व पैसों के कारण है। पराधीनता डर पैदा करती है। सम्पत्ति जिसे हम सुख का साधन मान रहे थे, दुःख का साधन बनकर रह जाती है। साधन हमारा बंधन बन जाता है। इस डर से आपके बाहर आना है। सोचो कि, क्या पैसा, जवाहरात, जमीन यही आपकी असली पहचान है? ये सब न हो तो आप जी ही नहीं सकते? इनके बिना आप आनंद का अनुभव नहीं कर सकते? श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में अजितनाथ भगवान के 108 अभिषेक का लाभ अंकुश कुमार, अशोक कुमार जैन ने लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *भुवनेश्वरी शाला वाहन चालक संघ द्वारा विजयनगर में 70वें कन्नड़ राज्योत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, कांग्रेस नेता श्रीनाथ, भाजपा नेता वेंकटेश ने मां भुवनेश्वरी की पूजा आरती कर ध्वजारोहण किया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

मतदान में धांधली के खिलाफ राज्य में 1,12,40,000 हस्ताक्षर एकत्र: डीके शिवकुमार

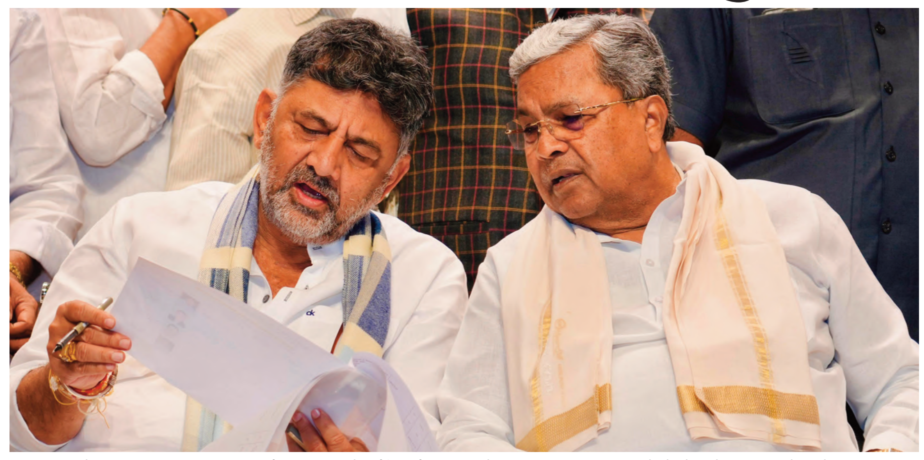

निगम चुनाव मतपत्र से कराने पर विचार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य और देश में वोटों में धांधली के खिलाफ एआईसीसी नेताओं के अभियान में कर्नाटक से 1,12,40,000 हस्ताक्षर एकत्र किए गए हैं। शिवकुमार, जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, ने शनिवार को कांग्रेस कार्यालय के भारत जोड़ो भवन में आयोजित संयुक्त मीडिया सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों और 40 जिलों से हस्ताक्षर एकत्र किए गए हैं, जहां हमारी पार्टी राजनीतिक रूप से विभाजित है। हमारे कार्यकर्ताओं ने इस अभियान में बहुत ईमानदारी से काम किया है। 8-10 स्थानों को छोड़कर, अन्य सभी स्थानों पर अच्छे से हस्ताक्षर एकत्र किए गए हैं। हस्ताक्षर बूथवार एकत्र किए गए हैं और हम मतदाता धोखाधड़ी के बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा इस महीने की 10 तारीख को हस्ताक्षर संग्रह याचिकाएं दिल्ली भेजने का निर्णय लिया गया है। हस्ताक्षर संग्रह याचिकाएं जिला अध्यक्ष के साथ विमान से दिल्ली पहुंचाई जाएंगी, जिन्होंने इस अभियान में बड़ी जिम्मेदारी के साथ काम किया है। नवंबर के तीसरे सप्ताह (25 नवंबर) में दिल्ली के रामलीला मैदान में एक विशाल सम्मेलन की योजना बनाई जा रही है। यह अभियान यहीं नहीं रुकेगा। जहां अभियान नहीं हुआ है, उन क्षेत्रों में इसे तीन से चार दिनों तक जारी रखने का निर्देश दिया जाएगा। अगर हम चुनावी अनियमितताओं की जांच के लिए अतिरिक्त दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए जानकारी मांगते हैं, तो आयोग खुद हमसे सबूत मांग रहा है। इसलिए, हमने मतपत्र के माध्यम से निगम चुनाव कराने के बारे में सोचा है। एआईसीसी ने कहा कि कर्नाटक उन राज्यों में पहला है, जिन्होंने इस अभियान को सफलतापूर्वक चलाया है और इसकी सफलता बीएलए, ब्लॉक और जिला कांग्रेस अध्यक्षों, विधायकों और पराजित उम्मीदवारों के कारण है। मैं अपने नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को बधाई देता हूं, जिन्होंने यह लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा राहुल गांधी के नेतृत्व में देश भर में लोकतंत्र, संविधान और हस्ताक्षर एकत्र कर वोट देने के अधिकार को बचाने के लिए एक बड़ा आंदोलन चलाया जा रहा है। महादेवपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदान का अध्ययन करने के बाद यह बात सामने आई है कि 1 लाख से अधिक वोट अवैध रूप से डाले गए थे। इस अवैधता में एक घर में 80 से अधिक वोट जोड़े गए थे। राहुल गांधी ने यह खुलासा करके देश का ध्यान आकर्षित किया है कि एक बार में 70-80 मतदाता थे। इस अवैधता के खिलाफ बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में आयोजित विरोध प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मुख्यमंत्री ने इस अवैधता पर प्रकाश डालकर देश को एक बड़ा संदेश दिया। खुलासा हो गया है। आलंद विधानसभा क्षेत्र में, स्थानीय विधायक प्रियांक खड़गे चुनाव से पहले अवैधता के बारे में शिकायत करते हैं और आयोग का ध्यान आकर्षित करते हैं। फिर इस अवैधता की जांच शुरू होती है। चुनाव आयोग एक आधिकारिक शिकायत दर्ज करता है। आलंद में सुबह चार बजे वोटर लिस्ट से नाम हटाने के लिए फर्जी आवेदन दाखिल किया गया। सुबह सिर्फ 17 मिनट में 14 वोट हट जाते हैं। वे इस तरह से 6,000 वोट हटाने की कोशिश करते हैं। इस मामले में एसआईटी जांच चल रही है। उन्होंने कहा इस जांच के जरिए राज्य के बाहर के लोगों के वोट और उनके फोन नंबर हटाने की साजिश की गई थी। चुनाव प्रक्रिया की पूरी जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। इसी को ध्यान में रखते हुए आयोग को काम करना है। फॉर्म 7 के दुरुपयोग से 256 बूथों पर 7250 वोट डिलीट हो गए। ये आवेदन उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, झारखंड के लोगों के मोबाइल फोन से जमा किए गए हैं। जिन 151 मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, वे 23 को शिकायत दर्ज कराएंगे। केंद्रीय चुनाव आयोग भी इस मामले की शिकायत दर्ज करेगा। हालांकि जांचकर्ताओं ने 12 बार पत्र लिखकर उनसे ऐसा करने को कहा है। राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा क्षेत्र में हुई अनियमितताओं पर प्रकाश डाला है। उन्होंने कहा है कि उस राज्य के चुनाव में कुल 25 लाख वोट अवैध तरीके से डाले गए हैं। राहुल गांधी के संघर्ष की सोच भारत के संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बचाने की है। ये संघर्ष कर्नाटक राज्य से ही शुरू हुआ है। उन्होंने इस मुद्दे पर देश भर के लोगों से हस्ताक्षर एकत्र कर राष्ट्रपति और चुनाव आयोग को लोगों की राय से अवगत कराया है।

कर्नाटक 14 नवंबर को 47,000 स्कूलों में मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठकें आयोजित करेगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नामांकन को बढ़ावा देने और सरकारी स्कूलों में अधिक रुचि जगाने के लिए, कर्नाटक स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग अपने 47,000 स्कूलों में बाल दिवस (14 नवंबर) पर मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठकें आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। विभाग द्वारा हाल ही में जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि 14 नवंबर को कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अन्य अधिकारी सक्रिय रूप से शामिल होंगे। परिपत्र में कहा गया है बच्चों के सर्वांगीण विकास में माता-पिता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है और इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करना है। योजना के अनुसार, 50 से कम कुल नामांकन वाले स्कूल सभी अभिभावकों को आम बैठक में आमंत्रित करेंगे। 50 से अधिक छात्रों वाले स्कूलों के लिए, उच्चतम कक्षा के छात्रों के माता-पिता को उपलब्ध स्थान के आधार पर प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि न्यूनतम 50 माता-पिता की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। आयोजन के दौरान, माता-पिता को उपस्थिति और शैक्षणिक प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी जाएगी, स्कूल की सुविधाओं से परिचित कराया जाएगा, और छात्रों के सीखने में सहायता के लिए शिक्षाविदों और प्रोत्साहन योजनाओं में सुधार के लिए विभाग द्वारा की गई पहल के बारे में जानकारी दी जाएगी। अभिभावकों को द्विभाषी माध्यम कक्षाओं, पूर्व-प्राथमिक वर्गों (ईसीसीई), और कर्नाटक पब्लिक स्कूलों और पीएम श्री स्कूलों की अवधारणाओं से भी अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम स्वास्थ्य और पोषण, बच्चों के अधिकारों, शिक्षा का अधिकार अधिनियम और पॉक्सो अधिनियम के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। स्कूलों से अपेक्षा की जाती है कि वे माता-पिता की प्रतिभा और व्यवसायों की पहचान करें और चर्चा करें कि वे स्कूल के विकास में कैसे योगदान दे सकते हैं। टॉपर्स और सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों को विशेष सम्मान दिया जाएगा। जिला, तालुक और क्षेत्र स्तर के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यक्रम की समीक्षा करने और अभिभावकों के साथ चर्चा में भाग लेने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सरकारी स्कूलों का दौरा करने का निर्देश दिया गया है। स्कूलों को सजाया जाएगा, मिठाइयां बांटी जाएंगी और हमेशा की तरह दोपहर का भोजन दिया जाएगा।

बेंगलूरु बिजनेस कॉरिडोर शुरू होने को तैयार, मार्च तक 7,000 करोड़ के टेंडर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लंबे समय से रुका हुआ 73 किलोमीटर लंबा बेंगलूरु बिजनेस कॉरिडोर (बीबीसी), जिसे पहले पेरिफेरल रिंग रोड (पीआरआर) कहा जाता था, आखिरकार पटरी पर लौट आया है, सरकार मार्च 2026 तक 7,000 करोड़ के सिविल कार्य निविदाएं आमंत्रित करने की तैयारी कर रही है। परियोजना को तीन निर्माण पैकेजों में विभाजित किया जाएगा, प्रत्येक का मूल्य लगभग 2,500 करोड़ होगा। कॉरिडोर, बेंगलूरु बिजनेस कॉरिडोर लिमिटेड (बीबीसीएल) द्वारा विकसित किया जा रहा है, जो एक विशेष प्रयोजन वाहन है, जिसे शहर के चारों ओर एक एक्सेस-नियंत्रित आठ-लेन सड़क बनाकर भीड़ को कम करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो चार-लेन सेवा सड़कों से घिरा हुआ है। यह तुमकुरु रोड, बल्लारी रोड, ओल्ड मद्रास रोड और होसूर रोड सहित प्रमुख राजमार्गों को जोड़ेगा। अधिकारियों ने पुष्टि की कि चरण 1 के लिए भूमि अधिग्रहण अपने अंतिम चरण के करीब है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) फ्रांसीसी इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी, एसिस्टम द्वारा तैयार की जा रही है। लगभग 80 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण हो जाने के बाद निविदाएं आमंत्रित की जाएंगी और एक बार बोलियां लगने के बाद, ठेकेदारों को अंतिम रूप देने में लगभग तीन महीने लगेंगे। अधिकारियों ने कहा कि जमीन पर कब्जा मिलने की तारीख से चयनित एजेंसियों को निर्माण पूरा करने के लिए 30 महीने का समय मिलेगा। सरकार को अभी निष्पादन मॉडल- इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) या बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) तय करना बाकी है और वह भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा अपनाए जाने वाले हाइब्रिड वार्षिकी मॉडल (एचएएम) की भी जांच कर रही है, जो टोल संग्रह को अलग से संभालने की अनुमति देता है। परियोजना को इंटरचेंज और क्लोवरलीफ जंक्शनों के लिए अतिरिक्त 500 एकड़ जमीन की भी आवश्यकता है। पहले, तीन क्लोवरलीफ की योजना बनाई गई थी, लेकिन भविष्य में यातायात की मात्रा को संभालने के लिए अब यह संख्या बढ़कर पांच हो गई है। परियोजना को किसानों और भूमि मालिकों के विरोध का सामना करना पड़ा है, जिन्होंने मुआवजे पैकेज, गलियारे के वाणिज्यिक विकास घटक पर आपत्तियां उठाई हैं, और उन्होंने भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्वास में उचित मुआवजा और पारदर्शिता के अधिकार अधिनियम 2013 के बजाय पुराने 1894 भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अनुचित उपयोग के रूप में वर्णित किया है।

हम चित्तपुर में रूट मार्च के लिए आरएसएस के अनुरोध पर विचार करेंगे: सरकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को हाईकोर्ट को बताया कि वह चित्तपुर नगर में पथ संचलन (रूट मार्च) आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर दिए गए प्रस्ताव पर सकारात्मक तरीके से विचार करेगी। हाईकोर्ट ने 30 अक्तूबर को आरएसएस संयोजक अशोक पाटिल को निर्देश दिया था कि वह पांच नवंबर को जिले के अधिकारियों से महाधिवक्ता कार्यालय में बैठक करें, ताकि कार्यक्रम के संचालन के लिए रूपरेखा तैयार की जा सके। कोर्ट ने वरिष्ठ वकील अरुणा श्याम और महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी को भी बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया, ताकि समन्वय सुचारू रूप से हो सके। याचिकाकर्ता की ओर से अरुणा श्याम ने जस्टिस एमजीएस कमल की अदालत को बताया कि पांच नवंबर को बहुत अच्छी बैठक हुई और महाधिवक्ता के नेतृत्व में सभी पक्षों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने कहा, हमने प्रतिनिधित्व किया और चर्चा रचनात्मक रही। महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि राज्य में इसी तरह के 11 अन्य रूट मार्च के आवेदन लंबित हैं। उन्होंने कहा कि सभी पर विचार किया जाएगा और कुछ शर्तों के साथ एक बार के लिए अनुमति दी जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया, हम सभी को एक बार के लिए अनुमति देंगे, इसे किसी मिसाल के रूप में नहीं देखा जाएगा। उन्होंने अनुमतियों को अंतिम रूप देने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। हाईकोर्ट ने इन प्रस्तुतियों को दर्ज करते हुए कहा कि पांच नवंबर की बैठक 'सकारात्मक और उत्पादक' रही। याचिकाकर्ता की ओर से प्रस्तावित तारीखों 13 और 16 नवंबर पर विचार किया जा रहा है और राज्य जल्द ही अपना निर्णय बताएगा। अगली सुनवाई 13 नवंबर को होगी। कोर्ट के निर्देश पर पांच नवंबर को दूसरी बैठक थी, जिसमें जिला प्रशासन ने आयोजकों के साथ शांति समिति की बैठक आयोजित करने को कहा था। यह कदम चित्तपुर में प्रस्तावित मार्च को लेकर तनाव की खबरों के कारण उठाया गया था। 28 अक्टूबर को कलबुर्गी में जिला प्रशासन की ओर से आयोजित 'शांति बैठक' में आरएसएस और अन्य नौ संगठनों की रूट मार्च की अनुमति पर कोई सहमति नहीं बन पाई थी। यह विवाद तब शुरू हुआ जब 19 अक्टूबर को चित्तपुर के अधिकारियों ने यह कहते हुए आरएसएस की ओर से रूट मार्च करने की अनुमति को अस्वीकार कर दिया कि इससे शांति और कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। चित्तपुर के तहसीलदार ने बताया कि भीम आर्मी और अन्य संगठनों ने भी उसी दिन और उसी मार्ग पर रूट मार्च आयोजित करने की इच्छा जताई थी। हालांकि, 19 अक्तूबर को आरएसएस की ओर से अशोक पाटिल की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि वह एक नया आवेदन दाखिल करें। कोर्ट ने राज्यों को भी इस पर विचार कर रिपोर्ट सौंपने को कहा।

भाजपा ने गड्ढा बंद कराने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्षी दल के नेता गड्ढे वाली सड़कों की पहचान कर सरकार का ध्यान आकर्षित करेंगे। विपक्ष के नेता आर अशोक के नेतृत्व में भाजपा की ओर से नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को गोविंदराजनगर विधानसभा क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री व विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण, विधायक एस. सुरेश कुमार, एन. मुनिरत्न, भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथनारायण, प्रदेश प्रवक्ता प्रकाश शेषराघवचर, नेता उमेश शेट्टी, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, स्थानीय पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार को तुरंत सक्रिय होकर गड्ढों को बंद करना चाहिए, नेताओं ने सड़क के गड्ढों को लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार के लापरवाह रवैये की आलोचना की, जो दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं और लोगों के जीवन को नुकसान पहुंचाते हैं।

लोकायुक्त ने बेंगलूरु के छह आरटीओ पर छापे मारे, बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुईं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जनता की कई शिकायतों के बाद कर्नाटक लोकायुक्त ने शुक्रवार को बेंगलूरु के छह क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) में औचक छापेमारी की। छापे वाले स्थानों में यशवंतपुर, राजाजीनगर, जयनगर, येलहंका, कस्तूरीनगर और के.आर.पुरम शामिल हैं। विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए लोकायुक्त बी.एस. पाटिल ने न्यायिक और पुलिस अधिकारियों की छह टीमों को शुक्रवार को दोपहर करीब एक बजे आरटीओ का एक साथ निरीक्षण करने का निर्देश दिया। यशवंतपुर आरटीओ में, अधिकारियों ने निरीक्षण शुरू होते ही परिसर के अंदर 32 स्टेशनरी और फोटोकॉपी की दुकानें अचानक बंद पाईं। कई कर्मचारी बिना अनुमति के अनुपस्थित थे और उपस्थिति और नकदी घोषणा रजिस्टर में विसंगतियां पाई गईं। 32 कर्मचारियों में से, केवल सात ने उपस्थिति दर्ज की थी, और किसी ने भी अपनी नकदी की उचित घोषणा नहीं की थी। अधिकारियों को परिसर में दो 'एजेंट' भी मिले, जिनमें से एक को 14,000 की बेहिसाब नकदी के साथ पकड़ा गया।

कार्यालय ने 2,095 मुद्रित ड्राइविंग लाइसेंस भी प्रेषण के लिए लंबित रखे थे। राजाजीनगर आरटीओ में भी इसी तरह की अनियमितताएं पाई गईं, जहां 3,800 ड्राइविंग लाइसेंस और 6,300 स्मार्ट कार्ड की छपाई लंबित थी। आरटीओ ने इस देरी के लिए एक निजी फर्म को कार्य आउटसोर्स करने को जिम्मेदार ठहराया, जो कथित तौर पर डिलीवरी करने में विफल रही। जयनगर और येलहंका आरटीओ के दौरे के दौरान, उप लोकायुक्त के.एन. फणींद्र और बी. वीरप्पा को उपस्थिति, नकदी और आवाजाही रजिस्टरों का खराब रखरखाव मिला। सैकड़ों पंजीकरण कार्ड महीनों से अप्राप्त पाए गए, जबकि येलहंका क्षेत्राधिकार में 1,200 से अधिक वाहन करों का भुगतान या वैध फिटनेस प्रमाण पत्र के बिना चल रहे थे।

कस्तूरीनगर आरटीओ में कई अनियमितताएं सामने आईं। रजनीकांत द्वारा संचालित एक निजी दुकान, मारुति मोटर्स, के पास आधिकारिक मुहरों के साथ 49 वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र और 83 ड्राइविंग लाइसेंस पाए गए, जिनमें से सभी को जब्त कर लिया गया। लोकायुक्त ने सार्वजनिक दस्तावेजों को अवैध रूप से रखने के लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, सहायक परिवहन अधिकारी, अधीक्षक और एक निजी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही का निर्देश दिया। के.आर. पुरम आरटीओ ने लापता कर्मचारियों, अधूरे रजिस्टर और हटाए गए फोन रिकॉर्ड की भी सूचना दी। क्षेत्राधिकार में 1.5 लाख से अधिक वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र समाप्त हो गए थे, और कार्यालय रिकॉर्ड पेश करने या उचित नोटिस जारी करने में विफल रहा। न्यायमूर्ति पाटिल ने सभी छह आरटीओ में वित्तीय लेनदेन, कर्मचारियों के आचरण और लंबित सार्वजनिक सेवाओं पर विस्तृत अनुवर्ती जांच और तुलनात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

एआई वीडियो में शिवकुमार को सिद्धरामैया को धक्का देते दिखाया गया

इंस्टाग्राम यूजर के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु पुलिस ने कथित तौर पर उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को धक्का देकर गिराते दिखाते हुए एआई-संपादित वीडियो बनाने के लिए 'कन्नड़ चित्ररंग' नाम के एक इंस्टाग्राम अकाउंट के उपयोगकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत कानून व्यवसायी दीपू सी.आर. द्वारा दर्ज की गई थी, जिन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट का लिंक साझा किया था और कहा था कि वीडियो एआई-संपादित था। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी ने एक समाचार चैनल के प्रसारण की नकल करते हुए एक फर्जी वीडियो बनाया, जिसमें ब्रेकिंग न्यूज के दृश्य दिखाए गए, जिसमें शिवकुमार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को धक्का देते हुए दिखाया गया। वीडियो में कथित तौर पर इस तरह के बयान थे, कि शिवकुमार ने सीएम सिद्धरामैया को धक्का दिया और वह गिर गए। शिकायतकर्ता ने कहा कि वीडियो दोनों राजनेताओं की छवि को खराब करता है और इस प्रकृति का है जो सार्वजनिक शांति और सद्भाव को बिगाड़ सकता है। शिकायत के बाद, सदाशिवनगर पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की। पुलिस अभी तक संदिग्ध की पहचान नहीं कर पाई है।

सुगम न्याय ही सामाजिक न्याय का आधार : मोदी

नई दिल्ली, 08 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत में सामाजिक न्याय की आधारशिला के रूप में सुगम और समय पर न्याय के महत्व पर ज़ोर दिया।

सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रीय विधिक सहायता वितरण तंत्र को सशक्त बनाने विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा, जब न्याय सभी के लिए सुलभ होता है, समय पर होता है, जब यह सामाजिक या वित्तीय पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना हर व्यक्ति तक पहुंचता है, तभी यह सामाजिक न्याय की नींव बनता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग की अवधारणाओं को सीधे ईज ऑफ जस्टिस (न्याय की सुगमता) के आश्वासन से जोड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग तभी संभव हैं... जब ईज ऑफ जस्टिस भी सुनिश्चित हो।

उन्होंने हाल के वर्षों में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए समावेशी न्याय के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

इसमें नया मध्यस्थता अधिनियम और ई-कोर्ट्स परियोजना शामिल हैं, जो प्रौद्योगिकी के माध्यम से कानूनी पहुंच और दक्षता में बदलाव ला रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने स्थानीय भाषाओं में संचार के महत्व पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, जब लोग कानून को अपनी भाषा में समझते हैं, तो इससे बेहतर अनुपालन होता है और मुकदमेबाजी कम होती है।

इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में देश भर के कानूनी विशेषज्ञ, न्यायपालिका के सदस्य और नीति-निर्माता एक साथ आए, ताकि कानूनी सहायता का विस्तार करने और देश भर में न्याय वितरण प्रणालियों को मजबूत करने के लिए अभिनव उपायों पर चर्चा की जा सके।

कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

सेना ने मारे दो आतंकवादी, अन्य घेरे में

जम्मू, 08 नवंबर (ब्यूरो)। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया। अन्य आतंकी भी सुरक्षाबलों के घेरे में हैं और मुठभेड़ जारी है। सेना ने बताया कि सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने दो आतंकी मारे गिराए और अन्य आतंकियों की तलाश जारी है।

सेना के चिनार कोर के अनुसार शुक्रवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से घुसपैठ के प्रयास के बारे में विशिष्ट खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। इस दौरान सतर्क जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी।

सेना ने आतंकियों को आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन उधर से फायरिंग शुरू हो गई। सेना ने माकूल जवाब दिया और दो आतंकियों को ढेर करदिया। मारे गए आतंकियों की पहचान नहीं हो पाई है। फिलहाल इलाके में सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन जारी है।

बांकेबिहारी को ध्वजा चढ़ाएंगे आचार्य धीरेंद्र शास्त्री

साथ में रहेंगे संजय दत्त और राजपाल यादव

मथुरा, 08 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के लोगों में जातिवाद की जगह राष्ट्रवाद की अलख जगाने के लिए गांव-गांव और गली-गली संपर्क करते हुए बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री दिल्ली से वृंदावन पहुंचेंगे। यहां अभिनेता संजय दत्त और राजपाल यादव सहित कई अन्य कलाकारों व संतों के साथ श्रीबांकेबिहारी लाल के मंदिर में उन्हें ध्वजा भेंट करेंगे।

बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री की सनातन जोड़ो पदयात्रा का दिल्ली से शुभारंभ हो गया है। ब्रज में यात्रा के प्रवेश करते ही कई संतों का जमावड़ा हुआ। यात्रा के आखिरी दिन 16 नवंबर को धीरेंद्र शास्त्री अभिनेता संजय दत्त और राजपाल यादव के साथ बांकेबिहारी लाल के दर्शन करेंगे। उनके साथ अयोध्या, दिल्ली, चित्रकूट समेत ब्रज के कई संत रहेंगे। वृंदावन के प्रमुख संत आचार्य मृदुलकांत शास्त्री ने बताया है कि सनातन की इस पदयात्रा से ऐसी अलख जगेगी, जिसे बुझाना मुश्किल होगा। कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के प्रयास सार्थक होंगे। ब्रज के संत उनका साथ देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस बार उनका ब्रज में ऐसा स्वागत होगा, जो युगों-युगों तक याद रखा जाएगा। ब्रज में यात्रा के दौरान संतों के अलावा अभिनेता संजय दत्त और राजपाल यादव भी शामिल होंगे। इसके अलावा बाबा रामदेव के आने की भी संभावना है, लेकिन अभी तक पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

सनातन जोड़ो यात्रा में वृंदावन में केवल पांच सौ लोग ही अंदर आ पाएंगे। प्रशासन ने रविवार होने के कारण यात्रा में शामिल लोगों में से प्रमुख लोगों को ही छटीकरा से बांकेबिहारी मंदिर आने की अनुमति दी है। चूंकि रविवार होने के कारण वैसे ही बिहारीजी के मंदिर में भीड़ रहती है। ऐसे में यात्रा में शामिल लाखों लोगों की भीड़ से यातायात व्यवस्था के चरमराने की स्थिति पैदा हो जाएगी। यात्रा के ब्रज में आते ही हाईवे से लेकर वृंदावन में ट्रैफिक डायवर्जन कर दिया जाएगा। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तैयारियों में जुटा है। सुरक्षा के लिहाज से कई थानों के फोर्स को तैनात किया जाएगा। साथ ही यातायात का विशेष प्लान तैयार किया गया है।

सनातन हिंदू एकता पद यात्रा में बोले आचार्य धीरेंद्र शास्त्री

भारत के हिंदू राष्ट्र बनने तक रुकेंगे नहीं

नई दिल्ली, 08 नवंबर (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा दिल्ली से वृंदावन तक आयोजित की जा रही सनातन हिंदू एकता पदयात्रा के दूसरे दिन शनिवार 8 नवंबर को उन्होंने कहा कि यह यात्रा हिंदू समाज में एकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जागरण का संदेश लेकर निकली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी राजनीतिक दल से जुड़ा अभियान नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य हिंदू समाज को एकजुट करना और सनातन संस्कृति के उत्थान के लिए लोगों को प्रेरित करना है। शास्त्री ने अपने संबोधन में कहा, हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक भारत हिंदू राष्ट्र नहीं बनता।

उन्होंने इस पदयात्रा को सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बताते हुए कहा कि इसमें जातिगत भेदभाव को समाप्त कर भाईचारे को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। इस यात्रा में

हजारों श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने एक साथ जय श्रीराम और हर हर महादेव के नारों से माहौल को धार्मिक उत्साह से भर दिया। आचार्य शास्त्री ने कहा कि यह यात्रा हिंदू समाज में आत्मगौरव और एकता की भावना जगाने का प्रयास है। बाबा बागेश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा दूसरे दिन फरीदाबाद पहुंची। बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने दिल्ली से वृंदावन के लिए 10 दिनों की पदयात्रा शुरू की है। 7 नवंबर से प्रारंभ यह पदयात्रा 16 नवंबर तक चलेगी। यात्रा दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के छह जिलों के लगभग 422 ग्राम पंचायतों से गुजरेगी। यात्रा की कुल दूरी 150 किलोमीटर होगी।

बाबा बागेश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा शनिवार सुबह फरीदाबाद में प्रवेश कर गई। सनातन हिंदू एकता पदयात्रा में केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर भी पहुंचे। पदयात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने स्वामी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एवं अन्य संतों से बातचीत की। वहीं, क्रिकेटर उमेश यादव और शिखर धवन, रेसलर खली समेत कई प्रसिद्ध लोग इस यात्रा में शामिल हुए। इस यात्रा को लेकर शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। आचार्य शास्त्री ने कहा, यह अच्छी बात है कि विभिन्न क्षेत्रों के लोग इसमें भाग ले रहे हैं। राष्ट्र एकजुट हो रहा है। हिंदू जाग रहा है और सड़कों पर आ रहा है। राष्ट्र जागेगा। भारत एक हिंदू राष्ट्र बनेगा। भारत जातिवाद से मुक्त होगा। राष्ट्रवाद की विचारधारा प्रबल होगी।

पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने कहा, मुझे यहां आकर बहुत खुशी हो रही है। इस पदयात्रा के पीछे आचार्य धीरेंद्र शास्त्री का विचार हिंदुओं को जाति-पाति से ऊपर उठाकर हिंदुत्व को बढ़ावा देना है। एकता में बहुत ताकत है। हिंदुओं को एकजुट होकर एक मजबूत राष्ट्र के लिए मजबूत बनना चाहिए।

क्रिकेटर उमेश यादव ने कहा, यह सब ईश्वर की कृपा से है। हम तो बस ईश्वर का काम कर रहे हैं। सभी को अपने धर्म और ईश्वर के प्रति जागरूक होना चाहिए। यह पदयात्रा हिंदुओं को एकजुट करने के लिए है। महाराज द्वारा की गई यह एक बहुत अच्छी पहल है और सभी सनातनी भाइयों को इसका समर्थन करना चाहिए। इसीलिए मैं यहां आया हूं।

ईश्वर की इच्छा से ही मैं यहां आ पाया हूं। रेसलर खली भी पदयात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सभी को इस पदयात्रा में शामिल होना चाहिए और इसे सफल बनाना चाहिए।

असम में शहीद कनकलता बरुआ विश्वविद्यालय का भूमिपूजन किया सीतारमण ने

गोहपुर (असम), 08 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के दौर में 2014 से पूर्वोत्तर में बुनियादी ढाँचे और परिवहन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और क्षेत्र में 10 नये हवाईअड्डों का विकास हुआ है तथा रेल मार्गों का नयी जगहों तक विस्तार हुआ है।श्रीमती सीतारमण ने असम के गोहपुर में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ शहीद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय के लिए भूमि पूजन किया। भूमिपूजन में असम के सभी गांवों से कलशों में लायी गयी पवित्र मिट्टी का उपयोग किया गया।शहीद कनकलता बरुआ एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी थीं जिन्होंने किशोरावस्था में ही देश की आजादी के लिए अपने प्राण की आहुति दे दी थी।यह देश का पहला प्रौद्योगिकी-आधारित व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विश्वविद्यालय है। यह आधुनिक, कौशल-उन्मुख शिक्षा के केंद्र के रूप में कार्य करेगा और भविष्य के लिए तैयार पीढ़ी को सशक्त बनाएगा। श्रीमती सीतारमण ने कहा, 'मैं स्वयं को सौभाग्यशाली और धन्य महसूस कर रही हूँ कि मुझे कनकलता बरुआ को श्रद्धांजलि देने का अवसर मिला, जिन्होंने मात्र 17 वर्ष की आयु में राष्ट्र के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उनके नाम पर एक विश्वविद्यालय समर्पित करना वास्तव में उनके साहस के लिए एक महान और उपयुक्त श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा, 'यह विश्वविद्यालय आप सभी के लिए एक शिक्षा मंदिर के समान है - एक शहीद के लिए इससे बड़ा समर्पण और कुछ नहीं हो सकता।कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और रोबोटिक्स से लेकर वैश्विक सहयोग तक - यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा को नई परिभाषा देगा।वित्तमंत्री ने मोदी सरकार के कार्यकाल में असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुनियादी ढांच के विकास की दिशा में प्राप्त उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में, पूर्वोत्तर क्षेत्र में 10 नये हवाई अड्डे विकसित किए गए हैं।

भाजपा ने सबरीमाला मंदिर पुनरुद्धार के लिए शुरू किया हस्ताक्षर अभियान

तिरुवनंतपुरम, 08 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सबरीमाला स्थित पवित्र भगवान अयप्पा मंदिर के संरक्षण और पुनरुद्धार में हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हुए दक्षिण भारत के कई राज्यों में एक व्यापक हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है।

केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि यह पहल मंदिर से जुड़ी कथित सोने की तस्करी की घटना और तीर्थयात्रियों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने में लगातार हो रही लापरवाही के परिप्रेक्ष्य में की गयी है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य मंदिर की पवित्रता को बहाल करने, इसके प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और इसके रखरखाव के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से जवाबदेही की मांग करने के लिए लाखों श्रद्धालुओं को एकजुट करना है। इसमें केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में घर-घर जाकर व्यापक हस्ताक्षर संग्रह शामिल होंगे।

उन्होंने कहा, इस अभियान का उद्देश्य सबरीमाला की रक्षा करना, इसकी पवित्रता को बहाल करना और यह सुनिश्चित करना है कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आवाज़ उच्चतम स्तर पर सुनी जाये।

श्री चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) पारदर्शिता बनाये रखने और श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के अपने कर्तव्य में विफल रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का अभियान सबरीमाला प्रशासन में लंबे समय से चल रहे कुप्रबंधन और कथित भ्रष्टाचार को उजागर करेगा, जिसने मंदिर की विश्वसनीयता को प्रभावित किया है। उन्होंने पिछले 30 वर्षों में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड की गतिविधियों और वित्तीय संचालन का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा ऑडिट कराने जाने की भी मांग की।

उन्होंने कहा, अनियमितताओं को उजागर करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक संपूर्ण सीएजी ऑडिट आवश्यक है। श्रद्धालुओं को यह जानने का हक है कि सबरीमाला के विकास के लिए निर्धारित धन का उपयोग कैसे किया गया है।भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी का हस्ताक्षर अभियान प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन सौंपने के साथ समाप्त होगा।

दस लाख से अधिक प्रवासी पक्षियों से जीवंत हो उठे हैं कश्मीर के वेटलैंड

जम्मू, 08 नवंबर। सर्दियों के आगमन के साथ, कश्मीर के वेटलैंड्स एक बार फिर लुभावने परिवर्तन का गवाह बन रहे हैं, जो यूरोप, मध्य एशिया और पूर्वी एशिया के कुछ हिस्सों के ठंडे परिदृश्यों से बचने वाले हजारों प्रवासी पक्षियों के लिए जीवंत अभयारण्यों में बदल रहे हैं।

हर साल, जैसे ही उत्तरी गोलार्ध में तापमान गिरता है, पंख वाले प्रवासी पक्षी घाटी के जलाशयों की ओर उड़ान भरते हैं, जो ठंडे महीनों में आराम करने और भोजन करने के मैदान के रूप में काम करते हैं। होकरसर से वुल्लर, हैगाम और शालबुग तक, ये वेटलैंड्स उन प्रजातियों के कलरव से गूंजने लगे हैं जो कश्मीर में अस्थायी शरण पाने के लिए हजारों मील की यात्रा करते हैं। वन्यजीव विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान प्रवासी सीजन अक्टूबर के अंत में शुरू हुआ और मार्च तक जारी रहेगा। इस साल शुरुआती आगमन में ब्लैक-हेडेड गल, टफ्टेड डक, ब्राह्मिनी डक और नार्दर्न पिंटेल शामिल हैं, ये प्रजातियां प्रवासी चक्र की पूर्ण वापसी का संकेत देती हैं।आधिकारिक रिकार्ड के अनुसार, पिछले साल दस लाख से ज्यादा पक्षियों ने कश्मीर के वेटलैंड क्षेत्रों का दौरा किया था। शुरुआती क्षेत्रीय आकलन इस मौसम में भी लगभग इतनी ही संख्या दर्शाते हैं, और सभी प्रमुख संरक्षण क्षेत्रों से पक्षियों की आवाजाही की सूचना मिली है। एक अधिकारी ने बताया कि इस साल विविधता आशाजनक है, क्योंकि स्थानीय परिस्थितियां और जल स्तर दोनों अनुकूल हैं। उन्होंने बताया कि प्रवासी पक्षियों के झुंड, जिनमें से कुछ साइबेरिया, फिलीपींस और जापान से भी आते हैं, खाद्य श्रृंखला संतुलन बनाए रखकर और प्राकृतिक पुनर्जनन प्रक्रियाओं में सहायता करके वेटलैंड के पारिस्थितिकी तंत्र को समृद्ध करते हैं।

हालांकि, उनके आगमन के साथ नई चुनौतियां भी आती हैं, खासकर अवैध शिकार और आवास क्षरण का जोखिम। वन्यजीव अधिकारियों ने शिकार को रोकने के लिए जमीनी निगरानी बढ़ा दी है, जो प्रवासी प्रजातियों के लिए एक आवर्ती खतरा है। संवेदनशील वेटलैंड क्षेत्रों के आसपास गश्ती दल तैनात किए गए हैं, और अवैध शिकार को रोकने के लिए आस-पास के गांवों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हम रात्रि गश्त और स्थानीय पुलिस इकाइयों के साथ समन्वय के माध्यम से कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

अपने पारिस्थितिक महत्व के अलावा, प्रवासी पक्षियों का आगमन फोटोग्राफरों, पक्षी प्रेमियों और पर्यावरण छात्रों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। कई उत्साही लोग दुर्लभ दृश्यों और उनके व्यवहार के पैटर्न को दर्ज करने के लिए होकरसर और शालबुग का दौरा करने लगे हैं। आने वाले हफ्तों में इन वेटलैंडों में नए पक्षियों के आने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि अंतिम पक्षी गणना अगले सप्ताह के अंत तक पूरी हो जाएगी, जिससे इस साल की जनसंख्या प्रवृत्ति की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

बडगाम विधानसभा उपचुनाव

किसी भी प्रत्याशी को सांसद रूहुल्लाह मेहदी का समर्थन नहीं

जम्मू, 08 नवंबर। बडगाम विधानसभा क्षेत्र में चुनावी मुकाबला तेज होते ही, श्रीनगर से सांसद आगा रूहुल्लाह मेहदी ने किसी भी उम्मीदवार का समर्थन न करने का फैसला किया है और लोगों पर ही अपना फैसला लेने का जिम्मा छोड़ दिया है। इस क्षेत्र में काफी प्रभाव रखने वाले रूहुल्लाह ने किसी भी उम्मीदवार का समर्थन न करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने लोगों पर भरोसा जताया है कि वे अपनी पसंद खुद चुनेंगे। वह लोगों से किसी खास उम्मीदवार को वोट देने के लिए नहीं कहेंगे। तीन बार विधायक रहे रूहुल्लाह, जो अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए सबसे मुखर आवाज बनकर उभरे हैं, कई मुद्दों पर नेशनल कांफ्रेंस से असहमत हैं और उन्होंने पार्टी के लिए प्रचार नहीं किया। नेशनल कांफ्रेंस के साथ उनका ताजा मतभेद आरक्षण को तर्कसंगत बनाने के मुद्दे पर है। 18 अक्टूबर को

रूहुल्लाह ने मांग की कि आरक्षण पर कैबिनेट उप-समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, जिसमें कहा गया था कि बडगाम उपचुनाव के संबंध में उनका भविष्य का निर्णय रिपोर्ट की सामग्री द्वारा निर्देशित होगा। उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे के बाद खाली हुई बडगाम सीट पर 11 नवंबर को चुनाव होने वाले हैं।इस निर्वाचन क्षेत्र में नेशनल कांफ्रेंस के आगा महमूद और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार आगा मुंतजिर मेहदी के बीच सीधा मुकाबला है, जबकि अवामी इत्तेहाद पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार नजीर अहमद खान बढ़त बना रहे हैं, जिससे दौड़ में जटिलता बढ़ रही है। मैदान में अन्य दावेदारों में आगा सैयद मोहसिन (भाजपा), जिबरान डार (निर्दलीय), मुंतजिर मोहिउद्दीन (निर्दलीय), दीबा खान (आम आदमी पार्टी), मुख्तार डार (अपनी पार्टी), और समीर अहमद (निर्दलीय) शामिल हैं।

एक दिसंबर से शुरू होगा संसद का शीतकालीन सत्र

जन विश्वास बिल समेत पास होंगे 15 महत्वपूर्ण बिल

नई दिल्ली, 08 नवंबर (एजेंसियां)। देश के विधायी कामकाज के लिए संसद का शीतकालीन सत्र इस साल एक दिसंबर से 19 दिसंबर 2025 तक चलेगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। रिजिजू ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्र सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह सत्र कुल 19 दिनों तक चलेगा, जिसमें 15 बैठकें आयोजित की जाएंगी। सरकार ने कहा है कि इस सत्र में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने और जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से रचनात्मक और सार्थक बहस की उम्मीद है।

इस सत्र में देश के कानून और प्रशासन में सुधार लाने के लिए कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा और निर्णय होने की संभावना है। इनमें संविधान के 129वें और 130वें संशोधन बिल, जन विश्वास बिल और इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बिल जैसे बड़े विधेयक शामिल हैं। इन विधेयकों के पारित होने से देश के प्रशासनिक ढांचे और न्याय व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह सत्र वर्ष का अंतिम सत्र होगा और आगामी चुनावों के मद्देनजर भी बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अश्विनी वैष्णव ने किया बरेका का दौरा, महिला कर्मचारियों का किया उत्साहवर्धन

वाराणसी, 08 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) का दौरा किया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार एवं बरेका के महाप्रबंधक सोमेश कुमार भी उपस्थित रहे।

रेल मंत्री ने लोको फ्रेम शॉप, लोको असेंबली शॉप और लोको टेस्ट शॉप का विस्तृत निरीक्षण किया तथा निर्माण प्रक्रिया से जुड़ी तकनीकी जानकारियां प्राप्त कीं।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों से संवाद करते हुए लोको निर्माण की बारीकियों पर चर्चा की और विशेष रूप से महिला कर्मचारियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया।

श्री वैष्णव ने कर्मचारियों से लोको निर्माण की गुणवत्ता एवं दक्षता बढ़ाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए। कर्मचारियों द्वारा दिए गए उपयोगी सुझावों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि लोको निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। बरेका की पहचान उच्च गुणवत्ता और नवाचार से बनी रहनी चाहिए।

उन्होने बरेका की उत्पादन क्षमता, स्वच्छता व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण और सामग्री प्रबंधन प्रणाली की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि बरेका भारतीय रेल की तकनीकी आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां निरंतर नवाचार और आधुनिक तकनीक का सफल समावेश किया जा रहा है।

श्री वैष्णव ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देते हुए उन्हें देश की प्रगति के इंजन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

यूपी में खाली हैं नर्सिंग के 36 प्रतिशत पद

मरीजों की देखभाल में भीषण संकट

लखनऊ, 08 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के सरकारी अस्पतालों में भर्ती मरीजों की देखभाल करने वाले नर्सिंग स्टॉफ के 36 फीसदी प्रदेश में खाली चल रहे हैं। इससे मरीजों को काफी तकलीफें पेश आ रही हैं। मुख्य नर्सिंग अधिकारी का पद भी स्वीकृत होने के 15 साल बाद भी खाली है। मरीजों से सीधे संपर्क में रहने वाले नर्सिंग अधिकारी के 40 फीसदी से ज्यादा पद खाली हैं। ऐसे में सरकारी अस्पतालों में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा के दावे पर विभाग के कर्मचारी ही सवाल उठा रहे हैं।

प्रदेश में 108 जिला, महिला, संयुक्त व अन्य चिकित्सालय हैं। 259 विशिष्ट चिकित्सालय, 972 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और 3735 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। इन अस्पतालों में हर वर्ष करीब 11 करोड़ मरीज ओपीडी में आते हैं और 32 करोड़ मरीज भर्ती होते हैं। प्रदेश के अस्पतालों में करीब ढाई लाख बेड पर मरीज भर्ती किए जाते हैं। इंडियन नर्सिंग काउंसिल के अनुसार पांच बेड पर एक नर्सिंग कर्मी होना चाहिए। मानक के अनुसार प्रदेश में नर्सिंग के कुल पद करीब 50 हजार होने चाहिए, लेकिन स्वास्थ्य विभाग में अभी प्रशासनिक पदों को मिलाकर कुल 9409 पद स्वीकृत हैं, जिसमें 3395 पद खाली हैं।

यदि मरीजों के उपचार में सीधे तौर पर जुड़ने वाले नर्सिंग अधिकारी की बात करें तो इसके 8113 पद स्वीकृत हैं, जिसमें 3257 पद खाली हैं। इसी तरह वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के 1024 पद में 76 पद, सहायक नर्सिंग अधीक्षक के 262 में 53 पद, उप नर्सिंग अधीक्षक के 6 में पांच पद खाली हैं। पदों के खाली रहने से जहां मरीजों का उपचार प्रभावित हो रहा है, वहीं नर्सिंग संवर्ग में भी आक्रोश है। राजकीय नर्सेज संघ अक्सर पदों को भरने की मांग उठाता रहा है। वह महानिदेशालय से लेकर शासन स्तर पर लगातार गुहार लगा रहा है।

प्रदेश में वर्ष 2010 में सरकार ने महानिदेशालय स्तर पर मुख्य नर्सिंग अधिकारी (सीएनओ) के एक पद और नर्सिंग अधीक्षक के तीन पद स्वीकृत किए। स्वीकृति के बाद से सीएनओ पद खाली चल रहा है, जबकि नर्सिंग अधीक्षक के तीन में सिर्फ एक पद भरा गया। बताया जाता है कि इन दोनों पदों के लिए डीपीसी शासन स्तर से होनी है, जो एक बार भी नहीं हुई। इसकी मूल वजह नीचे के पदों पर पदोन्नति नहीं होना है। सहायक नर्सिंग अधीक्षक के 262 पदों से प्रोन्नति करके उप नर्सिंग के छह पदों को नहीं भरने की वजह से भी उच्च स्तर से दोनों पद खाली चल रहे हैं।

प्रदेश में मुख्य सचिव से लेकर डीजीपी तक कार्यवाहक बनाए जा रहे हैं। जब तक डीपीसी की प्रक्रिया पूरी नहीं हो रही है तब तक सीएनओ और नर्सिंग अधीक्षक के पदों को भी कार्यवाहक के रूप में भरा जाना चाहिए। अन्य पदों को भी जल्द से जल्द भरा जाना चाहिए क्योंकि मरीजों की संख्या बढ़ रही है तो अस्पतालों में बेड भी बढ़ाए जा रहे हैं। इसके बाद भी नर्सिंग के पद नहीं बढ़ाए गए। ऐसे में जो पद स्वीकृत हैं, उन्हें ही भर दिया जाए तो मरीजों को बेहतर उपचार मिल सकेगा और नर्सिंग अधिकारियों पर काम का दबाव कम होगा।–अशोक कुमार, प्रदेश महासचिव, राजकीय नर्सिंग संघ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतनपाल सिंह सुमन ने कहा, खाली पदों पर भर्ती का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। पदोन्नति वाले पदों को भी भरने का प्रयास चल रहा है। अस्पतालों में कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए आउटसोर्स पर भी जरूरत के हिसाब से नर्सिंग स्टाफ बढ़ाए गए हैं। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के हर कैडर को भरने के लिए लगातार प्रयास चल रहा है। नर्सिंग संवर्ग के लोग मिले थे। उन्हें भरोसा दिया गया है कि उनके संवर्ग के प्रशासनिक पद भी भरे जाएंगे। नियमावली संबंधी समस्या का भी निस्तारण कराया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में एसआईआर

सिर्फ आधार से नहीं बन सकेंगे मतदाता

चुनाव आयोग ने सभी डीएम को भेजे निर्देश

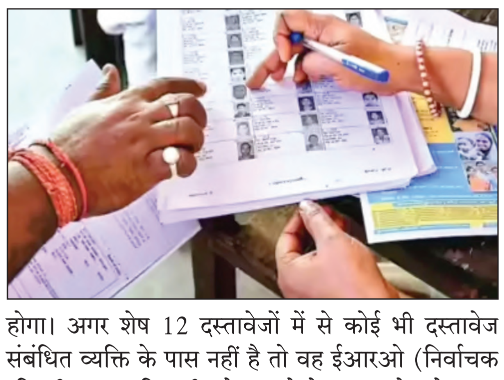

लखनऊ, 08 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट कहा है कि मतदाता बनने के लिए सिर्फ आधार कार्ड ही काफी नहीं होगा। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए सिर्फ आधार दिखाकर मतदाता नहीं बन सकेंगे। यानि, अगर आपका नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं है तो अपना नाम शामिल कराने के लिए सिर्फ आधार कार्ड का होना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए कोई और दस्तावेज भी साथ में देना होगा। इस बारे में चुनाव आयोग ने अलग से सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीएम) को उनके मोबाइल फोन पर संदेश भेजा है। इसमें कहा गया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, आधार अकेले किसी को मतदाता बनने के योग्य नहीं बनाता।

आयोग का संदेश मिलने की पुष्टि कई जिलाधिकारियों ने की। यह संदेश दो हिस्सों में है। पहला, मुख्य चुनाव आयुक्त के संदेश की वीडियो रिकॉर्डिंग और दूसरा टेक्स्ट मैसेज (शब्दों में लिखा संदेश)। वीडियो रिकॉर्डिंग में कहा गया है कि जहां तक आधार की बात है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आधार का उपयोग आधार एक्ट के अनुरूप होगा। आधार एक्ट के सेक्शन-9 में यह कहा गया है कि आधार डोमिसाइल (निवास प्रमाणपत्र) या सिटीजनशिप (नागरिकता) का प्रमाण नहीं होगा।

जहां तक जन्मतिथि की बात है, उस पर भी सुप्रीम कोर्ट के कई आदेश हैं। इनमें कहा गया कि आधार जन्मतिथि का प्रमाण नहीं है और इसका ध्यान रखते हुए आधार अथॉरिटी ने अपना नोटिफिकेशन जारी किया। आज भी अगर आप कम्प्युटर से अपना नया आधार डाउनलोड करते हैं, तो आधार कार्ड पर लिखा होता है कि आधार कार्ड न तो जन्मतिथि का प्रमाण है और न डोमिसाइल का और न नागरिकता का।

आयोग के लिखित संदेश में कहा गया है कि इसे सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को जारी कर दिया जाए, ताकि उन्हें आधार को लेकर स्पष्टता रहे। यह स्पष्ट है कि गणना फॉर्म में आधार लिया जा रहा है और कोई भी व्यक्ति 12वें मान्य दस्तावेज के रूप में आधार जमा कर सकता है। लेकिन, भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, आधार अकेले किसी को मतदाता बनने के योग्य नहीं बनाता।

इस बारे में चुनाव आयोग के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में सिर्फ आधार के आधार पर किसी व्यक्ति का नाम शामिल नहीं होगा। आयोग ने मान्य 13 दस्तावेजों की सूची जारी की है, उनमें से आधार के अलावा कोई अन्य एक दस्तावेज भी देना होगा। अगर शेष 12 दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज संबंधित व्यक्ति के पास नहीं है तो वह ईआरओ (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी) के सामने ऐसा दस्तावेज पेश कर सकता है, जो ईआरओ को संतुष्ट करता हो कि वह भारत का नागरिक है या उसकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक है या वो यहां का स्थायी निवासी है। अब यह ईआरओ पर निर्भर करेगा कि वह उस व्यक्ति की ओर से उपलब्ध कराए गए अतिरिक्त दस्तावेज से संतुष्ट होता या नहीं। अगर ईआरओ संतुष्ट नहीं होता है तो उस व्यक्ति का नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं होगा। हालांकि, एक जिला निर्वाचन अधिकारी ने पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि शायद ही कोई ऐसा ईआरओ हो, जो आयोग की परिधि के 12 दस्तावेजों के बाहर किसी अन्य दस्तावेज को स्वीकार करे। क्योंकि, तब सारी जिम्मेदारी उस ईआरओ पर ही आ जाएगी।

ऐसे सभी मतदाता जिनका नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान या लिंक नहीं हो सकेगा, उन्हें संबंधित विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ की ओर से सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया जाएगा। सुनवाई के दौरान उस व्यक्ति को 13 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। उन 13 दस्तावेजों में शामिल हैं 1. किसी भी केंद्र सरकार या राज्य सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के नियमित कर्मचारी या पेंशनभोगी को जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र या पेंशन भुगतान आदेश। 2. एक जुलाई 1987 से पहले सरकार या स्थानीय प्राधिकरणों या बैंकों या डाकघर या एलआईसी या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा भारत में जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र या प्रमाणपत्र या अभिलेख। 3. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाणपत्र। 4. पासपोर्ट। 5. मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालयों द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन या शैक्षणिक प्रमाणपत्र। 6. सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थाई निवास प्रमाणपत्र। 7. वन अधिकार प्रमाणपत्र। 8. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी अन्य पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या कोई भी जाति प्रमाणपत्र। 9. राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां भी अस्तित्व में हो)। 10. राज्य या स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा तैयार किया गया परिवार रजिस्टर। 11. सरकार द्वारा जारी कोई भी भूमि या मकान आवंटन प्रमाणपत्र। 12. आधार के लिए, आयोग के पत्र और 9 सितंबर, 2025 के संलग्नक के जारी निर्देश लागू होंगे। 13. एक जुलाई, 2025 के संदर्भ में बिहार के एसआईआर की मतदाता सूची।

कथित आईएएस गौरव ने बिहार पहुंचाने के लिए दिए थे एक करोड़

गोरखपुर, 08 नवंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर स्टेशन पर करीब एक करोड़ रुपए के साथ पकड़े गए बिहार के रामचरण टोला, मोकामा (पटना) निवासी मुकुंद माधव ने पूछताछ में जीआरपी को उलझाने की कोशिश की। पहले उसने कहा कि रकम गोरखपुर के बरगदवा के रहने वाले एक आईएएस की है। फिर उसने खुद उसे फर्जी आईएएस बता दिया। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि आ-खिरकार बरगदवा के वे शातिर कौन हैं, जो बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी रकम खपाने की कोशिश कर रहे हैं। पकड़े गए रुपए कथित तौर पर मोकामा विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ रहे बाहुबली प्रत्याशी के प्रचार-प्रसार में खर्च के लिए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस पकड़े गए मुकुंद से और पूछताछ कर फर्जी आईएएस के बारे में जानकारी जुटा रही है।

जीआरपी के अनुसार, शुक्रवार सुबह गोरखपुर स्टेशन पर संदिग्ध हालात में घूम रहे युवक को रोककर पूछताछ की गई। उसने अपना नाम मुकुंद माधव, निवासी रामचरण टोला, मोकामा (पटना) बताया। उसके पास एक बड़ा बैग था। जब जीआरपी कर्मियों ने बैग खोलने को कहा तो उसने पहले टालमटोल की। बाद में कहा कि बैग उसके नहीं बल्कि एक आईएएस अधिकारी गौरव कुमार का है और वह उसे बिहार पहुंचा रहा है। युवक का व्यवहार संदिग्ध लगने पर टीम ने दबाव बनाया तो पहले उसने बैग में 10 लाख, फिर 50 लाख रुपए होने की बात कही। जब बैग खोला गया तो उसमें बड़ी मात्रा में 500 के नोट मिले। रुपए को तत्काल जब्त कर एसबीआई की शाखा में मशीन से गिनवाया गया, जिसमें कुल 99 लाख नौ हजार रुपए पाए गए। रकम जब्त करने के बाद जीआरपी ने सूचना आयकर विभाग और स्थानीय खुफिया इकाई (एलआईयू) को दी।

जांच के दौरान आरोपी ने बताया कि रुपए गोरखपुर के बरगदवां निवासी गौरव कुमार ने दिए थे, जो खुद को आईएएस अधिकारी बताता है। उसने कहा था कि यह रकम मोकामा तक सुरक्षित पहुंचानी है। हालांकि न तो गौरव कुमार किसी सरकारी सेवा में पाया गया और न ही आरोपी के पास रकम से जुड़े कोई वैध कागजात मिले। पुलिस को शक है कि यह रकम मोकामा विधानसभा क्षेत्र में चुनावी गतिविधियों में खर्च की जानी थी, जहां इस समय कई बाहुबली प्रत्याशी आमने-सामने हैं। इधर मामला संज्ञान में आने के बाद एलआईयू ने भी फर्जी आईएएस गौरव कुमार का पता लगाने में जुट गई है। जीआरपी ने जब मुकुंद से पूछताछ की तो पता चला कि वह ठेकेदारी के नाम पर लोगों से संपर्क बनाता है। यहीं नहीं रुपए देने वाले गौरव को भी फर्जी आईएएस बताकर प्रभावशाली लोगों से मेलजोल रखने की बात कही। प्राथमिक जांच में सामने आया कि गौरव कुमार का सरकारी सेवा से कोई संबंध नहीं है। फिलहाल उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है।

आयकर विभाग की प्राथमिक जांच में यह रकम बेनामी बताई जा रही है। विभाग यह भी जांच कर रहा है कि इतने बड़े स्तर पर नकदी गोरखपुर से बिहार तक क्यों ले जाई जा रही थी और इसके पीछे कौन लोग सक्रिय हैं। वहीं एलआईयू को आशंका है कि यह रकम बिहार चुनाव में बाहुबलियों के उपयोग के लिए भेजी जा रही थी ताकि मोकामा क्षेत्र में मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके। जीआरपी इंस्पेक्टर अनुज सिंह ने बताया कि मुकुंद माधव के बयान में कई विरोधाभास हैं। शुरुआत में उसने खुद को सरकारी ठेकेदार बताया और कहा कि यह रकम किसी परियोजना से जुड़ी है, लेकिन जब उससे दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई प्रमाण पेश नहीं कर सका।

जीआरपी इंस्पेक्टर के अनुसार, बिहार पुलिस को भी मामले की जानकारी दी गई है। मोकामा और पटना पुलिस को गौरव कुमार और उसके संपर्कों की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। अधिकारियों का मानना है कि यह मामला सिर्फ नकदी बरामदगी का नहीं, बल्कि चुनावी धन के गैरकानूनी हस्तांतरण का भी हो सकता है। फिलहाल पूरी रकम आयकर विभाग को सौंप दी गई है। पुलिस ने आरोपी मुकुंद माधव को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि रुपए देने वाले फर्जी आईएएस गौरव कुमार की तलाश में टीमें जुटी हैं। बरामद रकम को एसबीआई में गिनती कराने के बाद आयकर विभाग को सुपुर्द कर दिया गया। अब आयकर विभाग बैंक ट्रेल, मोबाइल कॉल डिटेल और संभावित नेटवर्क की जांच में जुटा है। जीआरपी और स्थानीय खुफिया इकाई भी यह पता लगाने में लगी हैं कि रुपए बरगदवा से किसके निर्देश पर भेजे जा रहे थे। फिलहाल युवक से लगातार पूछताछ की जा रही है और पुलिस ने उसके मोबाइल, यात्रा टिकट व अन्य दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। जांच एजेंसियों ने कहा है कि अगर हवाला या चुनावी फंडिंग का कनेक्शन साबित होता है तो एफईएमए और पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग कानून) के तहत भी कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर में भव्य ध्वजारोहण की तैयारी

पीएम मोदी के लिए परिसर में बन रहा अस्थाई आवास

अयोध्या, 08 नवंबर (एजेंसियां)। 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम नगरी में मौजूद रहेंगे। उनके लिए मंदिर परिसर में पीएम हाउस बनाया जा रहा है। प्रभु श्रीराम की नगरी में उत्सव का आलोक फैलने लगा है। राम जन्मभूमि परिसर इन दिनों भव्यता की नई परिभाषा गढ़ रहा है। ध्वजारोहण समारोह (25 नवंबर) से पहले पूरे परिसर को संवारने का काम युद्धस्तर पर जारी है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रवास के लिए परिसर में पीएम हाउस का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है, जो 22 नवंबर तक पूरी तरह तैयार हो जाएगा।

यह अस्थायी लेकिन अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्राम गृह होगा। इसमें सुरक्षा मानकों के अनुरूप स्पेशल बुलेटप्रूफ जोन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा, और स्मार्ट मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जा रहा है। पीएम हाउस के आसपास एसपीजी और एनएसजी की विशेष टीमें मौजूद रहेंगी। मंदिर परिसर की सफाई, पॉलिश और सजावट में तीन हजार से अधिक कारीगर, अभियंता और श्रमिक जुटे हुए हैं। संगमरमर की फर्श पर पॉलिश, स्तंभों की कलात्मक सफाई और गर्भगृह के आसपास की सजावट पूरी की जा रही है। परकोटा परिसर के कोर्ट यार्ड को संगमरमर के पत्थरों से सज्जित करने का काम अंतिम चरण में पहुंच चुका है। परिसर से मलबा हटाने का काम भी अंतिम चरण में है।

20 क्विंटल से अधिक फूल मंगाए जा रहे हैं, जिनसे पूरे परिसर सजाया जाएगा। इसके अलावा शुभता के प्रतीक भी आकर्षण बढ़ाएंगे। पूरे मंदिर परिसर की विशेष लाइटिंग की जाएगी। पीएम व सीएम के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हैं। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे और राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ने शनिवार को पूरे परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों पर चर्चा की।

राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। 25 नवंबर को ध्वजारोहण समारोह आयोजित होगा। 190 फीट ऊंचे राम मंदिर के शिखर पर पीएम नरेंद्र मोदी ध्वजारोहण करेंगे। पूरा कार्यक्रम तीन से साढ़े तीन घंटे का होगा। यह बातें शुक्रवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय कहीं।

उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण की जिम्मेदारी भारतीय सेना को दी गई है। रोजाना ध्वजारोहण का ट्रायल हो रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश से करीब छह हजार मेहमानों की सूची बनी है। इसमें व्यापारी, समाजसेवी, ग्राम प्रधान, जाति , विरादरी, उपजातियों के लोग रहेंगे।

लखनऊ में पकड़ा गया दो किलो अमेरिकन गांजा

लखनऊ, 08 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ पुलिस ने एएनटीएफ के साथ मिलकर दो किलो अमेरिकन गांजा पकड़ लिया है। गांजे की कीमत लाखों बताई जा रही है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स व मड़ियांव पुलिस की संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार देर रात यादव चौराहे के पास से दो मादक पदार्थ तस्करों प्रतापगढ़ कंधई निवासी सूरज सिंह और सत्यम को गिरफ्तार किया। उनके पास से करीब दो किलो अमेरिकन गांजा, तीन मोबाइल व एक कार मिली। बरामद गांजे की कीमत लाखों में बताई गई है।

मड़ियांव थाने के इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र ने बताया कि बृहस्पतिवार रात एएनटीएफ की टीम की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। एएनटीएफ में तैनात दरोगा कुलदीप शर्मा ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मड़ियांव थाने में केस दर्ज कराया है। पूछताछ में आरोपी सूरज व सत्यम ने बताया कि अमेरिकन गांजे की तस्करी का धंधा गोरखपुर के दाऊदपुर निवासी फर्जी दारोगा प्रनीत तिवारी अपने साथी अभिषेक यादव के साथ करता है। उसने ही उन लोगों को गांजा लखनऊ में सप्लाई करने के लिए दिया था। आरोपी प्रनीत आईआईएम रोड स्थित अपार्टमेंट में रहता है। आरोपियों ने यह भी बताया कि वह अपनी कार में दारोगा की कैप को आगे रखकर तस्करी करता है। उसका साथ अभिषेक यादव देता है। आरोपियों ने बताया कि वे लोग प्रनीत व अभिषेक से 14 से 15 बार पहले भी अमेरिकन गांजा खरीदकर बेच चुके हैं।

जंगल क्षेत्र में रहने वाली आबादी अब शहर में बसाई जाएगी

बहराइच में बन रही है 118 परिवारों की कॉलोनी

बहराइच, 08 नवंबर (एजेंसियां)। भरथापुर नौका हादसे के पीड़ित परिवारों के पुनर्वास की कवायद शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा एक माह के भीतर विस्थापितों को बसाने की घोषणा के बाद प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए सेमरहना गांव में 1.704 हेक्टेयर भूमि का चयन किया है। इसी भूमि पर 118 परिवारों के लिए सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त कॉलोनी बसाई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोतीपुर की सिंचाई कॉलोनी में पीड़ित परिवारों से मुलाकात के दौरान स्पष्ट कहा था कि सभी प्रभावितों को एक सुरक्षित और सुविधायुक्त स्थान पर बसाया जाएगा। इसी दिशा में बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने स्वयं स्थल का निरीक्षण किया था। साथ ही राजस्व एवं तहसील प्रशासन की टीम को कई संभावित स्थलों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए थे। तहसील प्रशासन ने निरीक्षण के बाद सेमरहना गांव की भूमि को सबसे उपयुक्त मानते हुए शुक्रवार को अपनी मुहर लगा दी, जिलाधिकारी ने भी अंतिम स्वीकृति दे दी है। निरीक्षण के तुरंत बाद प्रशासन ने भूमि के समतलीकरण और सफाई का कार्य प्रारंभ कर दिया है।

सेमरहना गांव की यह भूमि नानपारा-लखीमपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित है, जिससे बाजार, विद्यालय और स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था होगी। प्रशासन की योजना के अनुसार कॉलोनी में सड़क, बिजली, जलापूर्ति, शौचालय, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक भवन जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। हर प्रभावित परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर, बिजली कनेक्शन और भूमि का पट्टा प्रदान किया जाएगा। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा, एक माह के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने सीडीओ, एसडीएम और राजस्व विभाग की टीमों को नियमित मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी है। डीएम ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि सभी 118 परिवारों को शीघ्र आवास और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

भरथापुर के विस्थापित परिवारों में इस निर्णय के बाद राहत और उम्मीद की लहर है। लंबे समय से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे ग्रामीण अब अपने स्थायी घर के सपने को साकार होने की आशा संजोए हुए हैं। सेमरहना गांव में जो जमीन चयनित हुई है उस जमीन के दायरे में बाबूराम, राधाकृष्ण, रामजतन, जगदीश, कैलाश के मकान बसे हुए हैं, तहसील के अधिकारियों ने बताया कि चयनित जमीन में जिन लोगों के कच्चे व पक्के घर बने हैं वह इसी जमीन पर बसे रहेंगे।

सौंदर्य और फिटनेस की जिम्मेदारी

दिन भर के तनाव के बाद स्पा ट्रीटमेंट मिल जाए तो यकीनन बहुत अच्छा महसूस होगा। स्पा सेंटर्स आसानी से मिल तो जाते हैं पर सही ट्रीटमेंट के लिए जरूरी होता है कि आपके थेरेपिस्ट ने उचित ट्रेनिंग हासिल की हो।

लोगों में फिटनेस और स्पा के क्रेज को देखते हुए स्पा सेंटर्स में इजाफा होता जा रहा है। हेयर एंड बॉडी स्पा से न सिर्फ आपकी थकान दूर होती है, बल्कि मानसिक तौर पर भी वह आपको स्वस्थ रखता है। एक स्पा थेरेपिस्ट के तौर पर इस फील्ड में काफी स्कोप है।

क्या है स्पा मैनेजमेंट व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में रिलैक्स होने के लिए स्पा थेरेपी का चलन बढता जा रहा है। स्पा सेंटर्स को व्यवस्थित रखने और एंप्लॉइज को उचित ट्रेनिंग देने के लिए वहां स्पा मैनेजर्स की नियुक्ति की जाती है। ये कस्टमर सर्विस से जुडे हर काम के लिए उत्तरदायी होते हैं। प्रोफेशनल स्पा मैनेजर्स को हर तरह के बॉडी केयर ट्रीटमेंट, जैसे कि मसाज, बॉडी रैप्स, बॉडी स्क्रब्स आदि की ट्रेनिंग दी जाती है। मसाज करने के साथ ही ये फेशियल, मेनिक्योर, पेडिक्योर, वैक्सिंग, मेकअप, नेल ट्रीटमेंट, अरोमाथेरेपी, इलेक्ट्रोथेरेपी, रिफ्लेक्सोलॉजी, हाइड्रोथेरेपी आदि में भी कुशल होते हैं।

जरूरी हैं ये गुण धैर्य, निष्ठा और एकाग्रता लोगों की मदद करने और उन्हें समझने का स्वभाव कुशल संवाद शैली और समय प्रबंधन आना विविध प्रकार की मसाज तकनीकों का ज्ञान मसाज ऑयल्स, बॉडी एनाटॉमी, सामाजिक व्यवहार, मसल्स और जॉइंट्स की जानकारी होना

कोर्स का महत्व स्पा मैनेजर बनने के लिए कोई निर्धारित डिग्री लेने की जरूरत नहीं होती है पर हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में डिग्री या डिप्लोमा लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। स्कूली शिक्षा खत्म करने के बाद इसमें सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स कर स्पा थेरेपिस्ट बना जा सकता है। विभिन्न संस्थानों में 1 महीने से 6 महीने तक की अवधि वाले कोर्स करवाए जाते हैं। कुछ संस्थानों में 15 दिनों की अवधि वाले कोर्स करने का विकल्प भी होता है। इन कोर्सेज के द्वारा व्यक्ति को उचित प्रोफेशनल ट्रेनिंग देने के साथ ही स्पा सेंटर स्थापित और व्यवस्थित करने की जानकारी भी दी जाती है।

संस्थान नियमित या ऑनलाइन कोर्स कर इस क्षेत्र में ट्रेनिंग हासिल की जा सकती है। ग्रेजुएट या डिप्लोमा धारक भी स्पा थेरेपी में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स या स्पा मैनेजमेंट में मास्टर डिप्लोमा कर सकते हैं। इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एस्थेटिक्स एंड स्पा, पुणे इस्पा स्पा अकेडमी, कोच्चि प्योरटच स्पा अकेडमी, केरल आनंदा स्पा इंस्टीट्यूट, हैदराबाद

सर्दियों में जैकेट से बनायें अपना लुक कुछ हटके

सर्दियों का मौसम आने वाला है। सर्दियों का फैशन यानी जैकेट्स और वुलेन्स का फैशन। इस मौसम में फैशन का तड़का लगाने के लिए अपने वॉर्डरोब में स्टाइलिश लेदर जैकेट्स से आप स्टाइल स्टेटमेंट बयां करने के लिए एकदम तैयार होंगे। जैकेट को कैसे स्टाइल करें, इस बारे में फैशन विशेषज्ञ कहते हैं कि लेदर जैकेट को डेनिम्स या फॉर्मल ट्राउजर के साथ टीमअप करें। ऐसे ही कई टिप्स लेकर आये हैं आज हम ताकि आप इन सर्दियों में खुद को अच्छे से पेश कर सकें। तो आइये जानते हैं इन टिप्स के बारे में।

- ☐ काली बाइकर जैकेट को डेनिम्स और सादी टीशर्ट के साथ पहनें। इसके साथ अपने राइडिंग ग्लोव्ज पहनें और आप सड़क पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं।
- ☐ वेलवेट अब सिर्फ रोमांटिक और शाम को गोथिक शैली की पार्टी में पहने जाने तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अब यह जीवंतता का प्रतीक बन गया है। दिन में भी इसे पहना जा सकता है। इस कपड़े से बने ट्राउजर, बूट, ब्लेजर आदि पहनने पर शाम की पार्टी में सबकी निगाहें आप पर टिकी रहेंगी।
- ☐ सिंपल, स्टाइलिश और रफ एंड टफ लुक के लिए डेनिम जैकेट से अच्छा क्या ऑप्शन हो सकता है। डेनिम में ब्लू, ब्लैक और ऑफ व्हाइट शेड्स आप ट्राइ कर सकते हैं। लड़कियां डेनिम जैकेट्स के साथ चेरी, ब्राउन, पिंक, ग्रीन आदि रंगों का कांबिनेशन ट्राइ कर सकती हैं।
- ☐ अगर आपकी लेदर जैकेट में फर है तो इसे ज्यादा स्टाइल न करें और इसे काली टीशर्ट और डेनिम के साथ टीमअप करें।
- ☐ शेल जैकेट सर्दियों के लिए परफेक्ट जैकेट है। यह आपको स्पोर्टी लुक देगी। ब्लू डेनिम जीन्स के साथ इसका कांबिनेशन बेहद स्मार्ट है। चूंकि इसमें आप जिप को गले तक चढ़ाकर खुद को पूरी तरह कवर कर सकते हैं इसलिए आप ट्रैवलिंग के दौरान बेझिझक होकर इसे ट्राइ करें।
- ☐ मकीले फिसलन वाली स्लिप ड्रेस शानदार डिजाइनों से सजी होने पर और भी ज्यादा खूबसूरत लगती हैं। इन्हें ढीले स्वेटर या लेदर जैकेट पर पहना जा सकता है।

एसिमिट्रिकल ड्रेसेज, जो बनाएं स्टाइलिशस्टाइलिशस लुक

एसिमिट्रिकल ड्रेसेज इन दिनों डिमांड में हैं। वेस्टर्न के साथ ही इंडियन वेयर्स में यह पैटर्न, खासतौर से कुर्ती के डिजाइन और टॉप्स वॉर्डरोब में शामिल हो रहे हैं। इन्हें लेगिंग्स और जैगिंग्स के अलावा सिगरेट पैंट्स के साथ भी पहना जा सकता है। स्टाइलिश दिखने वाली ये ड्रेसेज ऑफिस से लेकर किटी पार्टी तक कहीं भी पहनी जा सकती हैं। बस मौके की नजाकत को देखते हुए इनकी स्टाइलिंग का खयाल रखें।

ड्रेस का चुनाव

इन ड्रेसेज को जो बात खास बनाती है, वह है उसकी हेमलाइन। हाई-लो हेमलाइन वाली यह ड्रेस लुक को बैलेंस तो करती ही है, यह स्टाइलिश भी लगती है। इस ड्रेस के साथ जयादा एक्सेसरीज, मेकअप और ब्राइट कलर्स की पेयरिंग से बचना चाहिए। अगर ड्रेस के साथ बेल्ट भी पहनने की सोच रही हैं तो उसमें भी लाइट शेड ही चुनें। कलरफुल, वाइड और प्रिंटेड बेल्ट लुक को खराब कर सकती हैं।

शर्ट या ब्लाउज

इस हेमलाइन का इस्तेमाल कॉलेज और आउटिंग के लिए किया जा सकता है। शर्ट के साथ वाइड लेग पैंट्स बेहद अच्छी लगती हैं।साड़ी को मॉडर्न टच देना चाहती हैं तो ब्लाउज के रूप में इस हेमलाइन का इस्तेमाल करें और उसे बेल्ट के साथ पहनें। आप अपने लुक में खुद ही बदलाव महसूस करेंगी।

सही फुटवेयर्स चुनें

आपकी ड्रेस कितनी भी खूबसूरत क्यों न हो, अगर उसके साथ फुटवेयर सही नहीं हैं तो इससे आपका पूरा लुक बिगड़ सकता है। अलग-अलग तरह की ड्रेसेजके साथ फुटवेयर्स में भी वरायटी नजर आनी चाहिए। अगर आपकी ड्रेस की हेमलाइन शीयर है तो प्लेटफॉर्म हील्स इसके लिए अच्छा विकल्प साबित हो सकती हैं। यह एलीगेंट और क्लासी लुक देता है। कुछ अलग ट्राई करने के लिए ड्रेस के साथ बूट्स भी पहन सकती हैं।

पैरों को करें हाइलाइट

शॉर्ट ड्रेसेज की तरह ऐसी ड्रेसेज में भी टोन्ड लेग्स शो कर सकती हैं। फ्रंट हाइ हेमलाइन वाली ड्रेसेज लुक को ही नहीं, पैरों को भी हाइलाइट करेंगी। कैजुअल लुक के लिए इनके साथ शूज पहनने का आइडिया अच्छा रहेगा। पार्टी लुक के लिए स्टिलेटोस अच्छे लगेंगे।

लेयर्स करें ट्राई

इन ड्रेसेज को श्रग या ब्लेर के साथ भी टीमअप किया जा सकता है। इस बात का ध्यान रखें कि ड्रेस के साथ पहने जाने वाले ब्लेजर या श्रग का फैब्रिक ड्रेस से अलग हो, वरना ये आपस में मिक्स हो जाएंगे। कंट्रास्ट कलर्स का कॉम्बिनेशन अच्छा लगता है।

सर्दियों में पाएं 15 मिनट में निखार

सनस्क्रीन का चुनाव

इस सीज़न में त्वचा को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उसे कोमल बनाए रखने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद ज़रूरी है। अलाना की ब्यूटी एक्सपर्ट राशी बहेल मेहरा के मुताबिक, खूबसूरत और स्वस्थ त्वचा पाने के लिए रोज़ाना सुबह उठने के बाद खुद को 15 मिनट दें। इस प्रक्रिया में सबसे पहले स्टीम लें, शरीर की मसाज के बाद त्वचा की मृत कोशिकाएं हटाने के लिए इसे एक्सफोलिएट करें और फिर मॉयस्चराइज़ करें, जिससे त्वचा में कुदरती निखार आएगा।

निखार बढ़ाए स्टीम

खूबसूरत व मुलायम त्वचा पाने के लिए स्टीमिंग ज़रूरी है। इससे रोमछिद्र खुल जाते हैं और त्वचा भीतर से साफ हो जाती है। इसके लिए एक बर्तन में गुनगुना पानी डालें। इसमें दो टेबलस्पून गुलाब की पंखुडि?ां और दो टेबलस्पून रोज़मेरी की पत्तियां डालें। अब टॉवल को इस पानी में भिगोकर हलका निचोड़ लें। फिर इसे अपने चेहरे की त्वचा पर हलके हाथ से थपथपाते हुए दबाएं। ऐसा लगभग तीन मिनट तक करें। सप्ताह में इसे दो बार ज़रूर अपनाएं।

मसाज करें

स्टीम लेने के बाद अच्छे रिज़ल्ट के लिए 5 मिनट तक मसाज ज़रूरी है पर ध्यान रहे कि जयादा देर तक मालिश करने से शरीर में दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कसावट लाने के लिए त्वचा की मसाज करना ज़रूरी है। चेहरे की खूबसूरती बनाए रखने के लिए नियमित तौर पर मसाज करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और गंदगी बाहर निकलती है। इससे त्वचा में ग्लो बना रहता है, साथ ही उसे पोषण भी मिलता है। अपनी उंगलियों के पोर पर मसाज ऑयल की कुछ बूंदें लगा लें।

कच्छ अद्भुत सांस्कृतिक विभिन्नता और कच्छ के रण के अनोखे भौगोलिक परिदृश्य का अनुभव के लिये आपको इस जगह जरूर घूमना चाहिये। महान कच्छ का रण गुजरात प्रांत में कच्छ जिले के उत्तर तथा पूर्व में फैला हुआ एक नमकीन दलदल का वीरान प्रदेश है। यह विश्व का सबसे बड़ा लवणीय मरुस्थल है। दीर्घ रण 7505 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है और यह कच्छ के लघु रण की तुलना में थोड़ा बड़ा है। यह विभिन्न प्रकार जन्तु तथा पौधों की प्रजातियों के लिये घर है। विभिन्नता वाले मौसम के कारण यह कई प्रवासी पक्षियों के आराम करने का स्थान भी है।

सियोट गुफायें

सियोट गुफायें पहली शताब्दी ईसा पूर्व की हैं और इनका गर्भगृह और रास्ता पूरबमुखी है। इसे 7 वीं शताब्दी के चीनी यात्री द्वारा सिन्धु नदी के मुहाने पर बताई गई 80 बौद्ध धार्मिक स्थलों में से एक माना जाता है।

मथा नो मध

मथा नो मध वह स्थान है जहाँ कच्छ की प्रमुख देवी आशापुरा माता का प्रसिद्ध मन्दिर स्थित है। ब्रह्म मन्दिर की बहुत मान्यता है और गुजरात के कई इलाकों से भारी संख्या में भक्त इस मन्दिर तक पैदल आते हैं। इस मन्दिर का निर्माण लखो फुलानी, अजो और अनागोर के पिता के शासनकाल के दो मन्त्रियों ने 14वीं शताब्दी मेंकरवाया था।

भुजियो डूँगर पहाड़ियाँ

भुजियो डूँगर की पहाड़ियाँ यहाँ की बहुत ही फेमस जगह है यह पहाड़िया 160 मीटर ऊँची हैं जहाँ से भुज शहर पूरा दिखता है यही आप पूरा भुज एक साथ देखने की इक्छा रखते है तो इन पहाड़ियों पर जरूर आये और इन्ही पहाड़ियों की वजह से इस शहर का नाम भुज पड़ा।

कच्छ मे कुछ अन्य घूमने के स्थान

नारायण सरोवर अभ्यारण्य

नारायण सरोवर वन्यजीव अभ्यारण्य उन अभ्यारणों में शामिल है जिनमें विभिन्न प्रजातियों के साथ-साथ 15 लुप्तप्राय प्रजातियाँ भी पाई जाती हैं। यहाँ केवल कठोर वातावरण के अभ्यस्त जीव ही रह सकते हैं इसलिये इस अभ्यारण्य में कुछ ऐसे जन्तु पाये जाते हैं जो कहीं और नहीं पाये जाते। यहाँ तरह तरह के जानवर पाए जाते है। आप यहाँ दुर्लभ स्तनपाइयों जैसे कि जंगली बिल्ली से लेकर मरूस्थलीय लोमड़ी तक और चित्तीदार हिरण से लेकर जंगली भालू तक देख सकते हैं। गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सबसे निडर जानवर के रूप में दर्ज शहद वाले बिज्जू भी यहाँ रहते हैं। ये स्थान बच्चों को बहुत ही पसंद आता है।

कच्छ बस्टर्ड अभयारण्य

कच्छ बस्टर्ड अभयारण्य, जिसे लाला परजन अभ्यारण्य के रूप में भी जाना जाता है, को वर्ष 1992 में कच्छ के जखाऊ गाँव में ओटिडिडे पक्षी परिवार के सबसे भारी उड़ने वाले पक्षी महान भारतीय तिलोर के संरक्षण के लिये स्थापित किया गया था। महान भारतीय तिलोर एक लुप्तप्राय प्रजाति है जो अभ्यारण्य के घास के मैदानों में छिप जाता है और पर्यटकों के लिये मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करता है। चिंकारा, जंगली बिल्ली और नीलगाय यहाँ की अन्य पाई जाने वाली प्रजातियाँ हैं।

बन्नी घास के मैदान

बन्नी घास के मैदान वन क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं जिन्हें गुजरात राज्य के वन विभाग द्वारा संरक्षण प्राप्त है। पर्यटक क्षेत्र में पाये जाने वाले नीलगाय, चिंकारा, काला हिरण, जंगली भालू, सुनहरा सियार, एशियाई जंगली बिल्ली और मरूस्थलीय लोमड़ी जैसे वन्यजीवों को देखने के लिये भारी संख्या में आते हैं। पक्षियों और अकशेरुकियों की विभिन्न प्रजातियाँ भी यहाँ पाई जाती हैं।

लघु रण जंगली गधा अभ्यारण्य

गुजरात के कच्छ के रण में स्थित जंगली गधा अभ्यारण्य भारत का सबसे बड़ा वन्यजीव अभ्यारण्य है। यह अभ्यारण्य 4954 किमी क्षेत्र में फैला है और इसमें विभिन्न प्रजाति के जन्तु और पक्षी पाये जाते हैं जिनमें भारतीय जंगली गधे की लुप्तप्राय प्रजाति के साथ-साथ चिंकारा, कैराकल्स और ऐशिया के विशालतम नीलगाय देखे जा सकते हैं। अभ्यारण्य में इनकी संख्या लगभग 3000 है और ये जानवर अक्सर झुण्ड में देखे जा सकते हैं।

लखपत किला शहर

लखपत कच्छ का एक छोटा सा कस्बा और उप-जिला है जिसका अर्थ होता है लखपतियों का शहर। इस क्षेत्र में साफ मरूस्थलीय हवाओं के कारण रात में आसमान के नजारा अद्भुत होता है। इस सुन्दर परिदृश्य के साथ सूर्योदय और सूर्यास्त को अवश्य देखना चाहिये। यह शहर 18 वीं सदी के लखपत किले की चहारदीवारी में स्थित है। गुजरात और सिन्ध को जोड़ने के कारण यह शहर व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा है। इस शहर तक पर्यटक अभी भी आते हैं। 7 किमी लम्बी दीवारें, जिन्हें 1801 ई0 में जमादार फतेह मोहम्मद द्वारा बनावाया गया था, इतने वर्षों बाद अभी भी लगभग सलामत हैं।

कच्छ आने का सर्वोत्तम समय

अगर आप कच्छ के सौंदर्य का आनंद लेना चाहते है तो कच्छ आने का सबसे बढ़िया समय सर्दियों का मौसम होता है।

कच्छ जाने के लिए मार्ग

कच्छ पहुंचने के लिए आप रेल तथा सड़क मार्गों का सहारा ले सकते हो और यदि आप हवाई यात्रा करके यहाँ पहुंचना चाहते हो तो आपके लिए सबसे निकटतम हवाईअड्डा भुज हवाईअड्डा है।

रेसिपी

हरे प्याज का पराठा

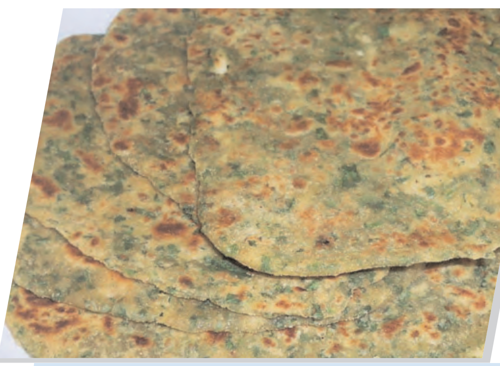

सामग्री

मैदा-280 ग्राम, नमक- 3/4 छोटा चम्मच, चीनी- 1 छोटा चम्मच, गर्म पानी-80 मिलीलीटर, शीत पानी-70 मिलीलीटर, तेल-फ्राई करने के लिए, हरा प्याज- स्वादानुसार, तेल- ब्रश करने के लिए

विधि

हरे प्याज का पराठाएक बाउल में 280 ग्राम मैदा, 3/4 छोटा चम्मच नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी, 80 मिलीलीटर गर्म पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 70 मिलीलीटर ठंडा पानी डालकर नरम आटे की तरह गूंथ लें। इसे 20 मिनट के लिए रख दें। अब आटे को बराबर भागों में विभाजित करके उन्हें गेंद की तरह रोल करें। इस पर थोड़ा सा सूखा आटा लगाकर बेलन की सहायता से रोटी की तरह बेल लें। इस पर हरा प्याज छिड़कें और गोल-गोल रोल कर लें। फिर इसे दबाकर दोबारा बेलन की सहायता से परांठे की तरह बेलें। मध्यम आंच पर एक पैन रखें और उसमें ब्रश की सहायता से थोड़ा सा तेल लगाकर गर्म करें। इसके बाद इस पर परांठा रखकर 3 मिनट तक पकाएं। फिर इसे पलटकर दूसरी तरफ से पकाएं। अब परांठे के दोनों तरफ तेल लगाकर अच्छे से सेंक लें या जब तक यह सुनहरा भूरा नहीं हो जाता। आपका हरे प्याज का पराठा तैयार है, इसे हरे प्याज के साथ गार्निश करके सर्व करें।

मुरमुरे के लड्डू

सामग्री

गुड़- 250 ग्राम
पफ्ड राइस- 100 ग्राम
पानी- जरूरत अनुसार

विधि

मुरमुरे के लड्डूएक बर्तन में 250 ग्राम गुड़ डालकर धीमी आंच पर पकाएं। एक बार जब गुड़ पिघल जाए, तो गैस को तेज करके गुड़ को उबाल लें। इसमें 100 ग्राम पफ्ड राइस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद गैस बंद कर लें। फिर अपने हाथों पर थोड़ा सा पानी लगाएं और तैयार मिश्रण की छोटी-छोटी गेदें बना लें। आपके मुरमुरे के लड्डू तैयार है, इसे ठंडा करके सर्व करें।

हाथ पर जंगल!

इस इटालियन कलाकार को प्रकृति से बेहद प्यार है, शायद यही वजह है कि इनकी सारी कलाकृतियों में प्रकृति से जुड़ा अंश नजर आ ही जाएगा। आज इन्हें आपसे मिलाने का कारण इनकी कलाकृतियां नहीं बल्कि कुछ और है। आइए, इन पर, इस खास बात पर और इनकी कुछ खास कलाकृतियों पर नजर डालते हैं...

आखों में चालाकी और चतुराई साफ नजर आ रही है। ऐसा तो सिर्फ बाज ही हो सकता है। देखिए इसकी चोंच को तर्जनी से बनाया गया है।

खूबसूरती के नजरिए से देखा जाए तो यह जेब्रा भी कम खूबसूरत नहीं है। सचमुच उंगलियां हैं या असल में जेब्रा, समझ पाना मुश्किल है।

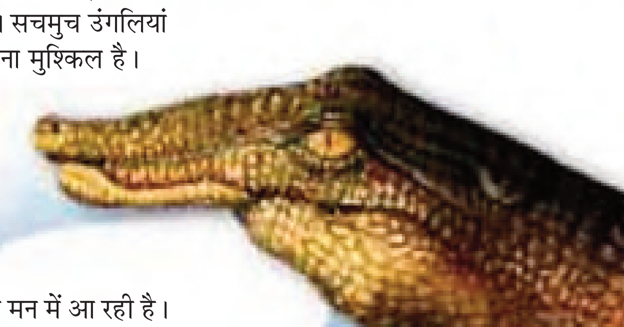

देख कर ही डर की भावना मन में आ रही है। इस कलाकृति को गाइडो ने बेहद खूबसूरती से बनाया है। लगता है जैसे सचमुच में घड़ियाल सामने हो।

ऐसा लग रहा है जैसे मछली जगमगाते समुद्र में मौजूद हो। झिलमिल होते पानी की तरह वह भी कितनी जगमगा रही है।

इस कलाकृति में पेड़ की तस्वीर बनाई गई है। पेड़ पर हरे पत्ते तो दिखाई दे ही रहे हैं साथ ही जो पत्ते झड़ गए हैं वह भी नज़र आ रहे हैं। देखिए, पेड़ के तने में आपको हाथ नजर आ रहे हैं क्या?

कौन है गाइडो

असल में गाइडो चित्रकारी के लिए किसी कैनवास या दीवार का इस्तेमाल नहीं करते, बल्कि इस कला के लिए उनका खास कैनवास होता है हाथ और शरीर। इनकी खास कलाकारी विज्ञापनों के लिए इस्तेमाल की जाती है। गाइडो का जन्म इटली के एक छोटे से शहर सोवेराते में हुआ। इन्होंने मूर्तिकला में पढ़ाई की है। 1972 से 1974 तक ये भारत में भी रहे। गाइडो 1972 से चित्रकारी करते आ रहे हैं। 1990 से इन्होंने बॉडी पेंट करना शुरू किया। और तब से अब तक इस कला में यह महारत हासिल कर चुके हैं। वर्ष 2000 से गाइडो ने अपने इस खास कलाप्रेम के बारे में जानकारियां हासिल कीं। इस खास कला को ये 'हैंडीमल' कहते हैं। यह शब्द हैंड और एनीमल से मिलकर बना है। हैंड यानी हाथ और एनीमल यानी जानवर। इन दो चीजों से मिलकर बनाई गईं ये अद्भुत कलाकृतियां। गाइडो को एक विज्ञापन एजेंसी ने इस कला के लिए नियुक्त किया। जैसे-जैसे वे इस कला को निभाने लगे, उनकी दिलचस्पी इसमें बढ़ने लगी। धीरे-धीरे उन्होंने जानवरों पर शोध करना शुरू कर दिया ताकि इस कला में और बारीकी ला सकें। गाइडो पहले इन्हें शौकिया तौर पर बनाया करते थे।

लेकिन बाद में इन खास हैंडीमल को विज्ञापनों के लिए इस्तेमाल किया जाने लगा। चलिए, हैंडीमल के कुछ खास नमूनों पर एक नजर डालते हैं। देखते है हैंडीमल और गाइडो का जादू जो सारी दुनिया पर छाया हुआ है। ध्यान से देखिएगा, आपको इन कलाकृतियों के बीच हाथों की परछाई जरूर नजर आएगी।

बूझो तो जानें!!!

1. सबसे ज्यादा तूफान किस देश में आता है?
2. ब्रीज और गेल दोनों का प्रयोग किस के मापन में किया जाता है?
3. मौसम का अध्ययन करने वाले व्यक्ति को क्या कहा जाता है?
4. सहारा, कालाहारी और अटाकामा में सबसे सूखा रेगिस्तान कौन-सा है?
5. एनमोमीटर का प्रयोग क्या है?
6. विश्व की सबसे बड़ी रीफ का नाम बताइए।
7. ग्रेट केनयन अमेरिका के किस राज्य में स्थित है?
8. अंतरिक्ष यात्री एलेन शेफर्ड ने 1971 में चंद्रमा पर गोल्फ बॉल का उछाला था, ये तथ्य सत्य है या नहीं?
9. फ्री-स्ट्रोक, बैक-स्ट्रोक, ब्रेस्ट-स्ट्रोक और बटरफ्लाई-स्ट्रोक, इनमें से कौन सी तैराकी विधि सबसे धीमी होती है?
10. मैराथन दौड़ में आधिकारिक दूरी कितनी तय की गई है?
11. शरीर के आंतरिक अंगों के क्रियाशीन होने पर ही लैक्टिक एसिड का निर्माण होता है, ये तथ्य सत्य है या मिथक है?

उत्तर-1. अमेरिका, 2. हवा, 3. मेटेरोलॉजिस्ट, 4. अटाकामा रेगिस्तान, 5. वायुगति मापन के लिए, 6. ग्रेट बैरियर रीफ, 7. एरिजोना, 8. सत्य है,9. ब्रेस्ट-स्ट्रोक,10. 42.095 किलोमीटर (26.219 मील),11. मिथक है

रंग भरो

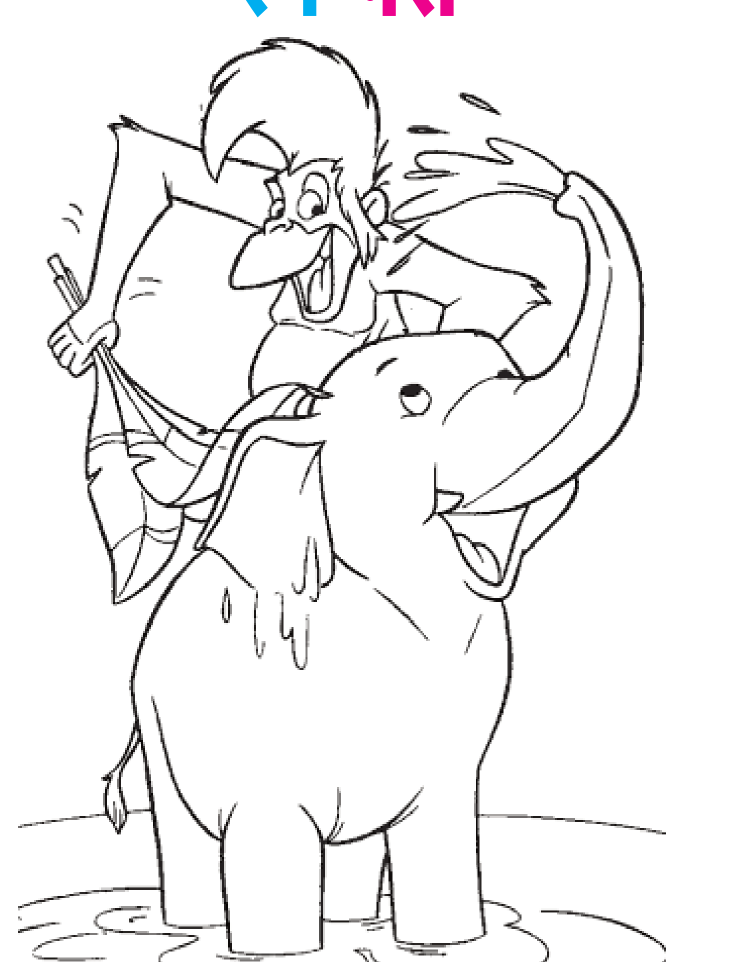

सोने की गेंद!

महाकंजूस, लालची और अक्खड़ स्वभाव के हरीश सेठ से एक दमड़ी भी नहीं निकलवाई जा सकती थी। पर उसी सेठ के साथ मोहन ने न सिर्फ पेट भर भोजन किया बल्कि इसके बाद उसे घोड़ा और उपहार भी मिला। आप भी पढ़ें...

रविवार की सुबह गांव के कुछ लोग चौपाल पर जमा होकर यहां-वहां की हांकने में जुटे थे। तभी गांव का एक धनी दुकानदार भी वहां आ पहुंचा और शेखी बघारते हुए बोला- 'तुम सब अपनी बातें छोड़ो, मेरी सुनो। मैं तो हरीश सेठ के बंगले के भीतर जाकर सब कमरे भी देख चुका हूं।'

लोगों को उसकी बात पर सहसा विश्वास न हुआ क्योंकि हरीश सेठ उस गांव का नहीं, पूरे नगर में सबसे धनवान होने के साथ-साथ लालची, अक्खड़ और महाकंजूस व्यक्ति था।

वहां बैठे बड़बोले मोहन से रहा न गया। वह बोला- 'तुमने तो हरीश सेठ का बंगला देखा भर है। मैं चाहूं तो उसके साथ बैठकर खाना भी खा सकता हूं।' 'ये मुंह और मसूर की दाल! तुझ जैसे फटीचर का यह ख़्वाब कभी पूरा नहीं हो सकता।' दुकानदार ने मोहन का मजाक उड़ाते हुए कहा।

'तो लगी शर्त! अगर मैंने हरीश सेठ के साथ बैठकर खाना खा लिया तो तुम अपनी बग्घी का घोड़ा और पालतू गाय मुझे सौंप दोगे और अगर मैं वैसा न कर पाया तो बिना वेतन के दो साल तक तुम्हारे यहां काम करूंगा।'

'मुझे मंजूर है।' दुकानदार ने वहां मौजूद लोगों के सामने मोहन से हाथ मिलाते हुए कहा।

'अब देखो मेरा कमाल!' कहने के साथ ही मोहन मन ही मन एक योजना बनाकर हरीश सेठ के बंगले पर जा पहुंचा और वहां तैनात दरबान से बोला- 'सेठजी से जाकर कहो कि मुझे उनसे कोई जरूरी बात पूछनी है।'

सेठ ने जिज्ञासावश मोहन को अपने पास बुलवाकर पूछा- 'क्या पूछना चाहते हो मुझसे?'

'सेठजी, कृपया आप मुझे यह बताएं कि लगभग आधा किलो वजनी सोने की गेंद का मूल्य कितना होगा?'

'लगता है इसके हाथ कहीं से सोने की गेंद लग गई है। इससे पहले कि यह गंवार उसे कहीं और बेचे, मुझे ही उसे हासिल कर लेना चाहिए।' सोचकर हरीश सेठ ने कहा- 'बता दूंगा, इतनी भी क्या जल्दी है। पहले कुछ खा-पी लेते हैं।'

उसने अपने तथा मोहन के लिए बढ़िया-बढ़िया पकवान बनवाए। फिर दोनों ने डटकर भोजन किया। उसके बाद हरीश सेठ ने मोहन की खातिरदारी करते हुए उसे चांदी का वरक चढ़ी पान की गिलौरी भी भेंट की।

'अब तुम दौड़कर घर जाओ और सोने की गेंद मेरे पास ले आओ। पर उसे बड़ी सावधानी के साथ और ढककर लाना।' 'लेकिन मेरे पास तो कोई गेंद नहीं है।' 'मजाक मत करो। मैं तुम्हें उस गेंद के बदले में दो बोरी आटा, दो बोरी दाल, और चांदी के कुछ सिक्के भी दूंगा।'

'मैं सच कह रहा हूं। मेरे पास ऐसी कोई गेंद नहीं है। मैं तो सोच रहा था कि अगर मुझे कहीं से वैसी कोई सोने की गेंद मिल जाए तो उसकी कीमत कितनी होगी, बस वही पूछने मैं आपके पास आया था।'

'मूर्ख...बदतमीज...जाहिल...चल फूट यहां से। जाने कहां-कहां से चले आते हैं।' हरीश सेठ का पारा सातवें आसमान पर जा पहुंचा था।

मोहन चुपचाप बंगले से बाहर आ गया और जोर-जोर से हंसने लगा। जहां वह एक अमीर किन्तु लालची और कंजूस सेठ के साथ बढ़िया भोजन करने में सफल हुआ, वहीं शर्त जीतकर एक शानदार घोड़ा तथा गाय भी हासिल कर चुका था। तो बच्चो...हर बार बल से काम नहीं चलता। कभी-कभी दिमाग से भी बात बन जाती है। जैसे मोहन ने चतुराई से काम लेकर शर्त जीत ली थी।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम में अस्थायी कटौती करने की अनुमति दी

वाशिंगटन, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन से उत्पन्न संकट के बीच उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार देररात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत प्रदान की। न्यायमूर्ति केतनजी ब्राउन जैक्सन ने ट्रंप प्रशासन को पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम में अस्थायी कटौती करने की अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति ने निचली अदालत के आदेश पर फौरी रोक लगा दी। निचली अदालत ने प्रशासन को पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम की पूरी राशि आवंटित करने का आदेश दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति ने व्हाइट हाउस के कदमों की वैधता पर कोई फैसला नहीं सुनाया। इसके बजाय उन्होंने निचली अदालत के फैसले पर रोक लगाई ताकि अपील अदालत को सरकार की दलील पर विचार करने के लिए और समय मिल सके। सरकार शटडाउन के दौरान पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम में कटौती करने की अनुमति मांगी है।

प्रशासनिक रोक के रूप में आया यह आदेश ऐसे समय में आया है जब न्यूयॉर्क, कंसास, पेंसिल्वेनिया और ओरेगन सहित कई राज्यों ने अपने निवासियों को पूर्ण लाभ जारी करना शुरू कर दिया है। कई राज्यों ने अपनी योजनाओं की घोषणा उस दिन की, जब कृषि विभाग ने अपने दिशा-निर्देशों में सुझाव दिया कि वह जल्द ही इस योजना के लिए धनराशि उपलब्ध करा सकता है।

न्यायमूर्ति जैक्सन ने आदेश में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अपील अदालत मामले का मूल्यांकन करेगी और जल्द ही संपूर्ण फैसला सुनाएगी।

उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप ने लगभग 4.2 करोड़ अमेरिकियों के सामने संकट खड़ा कर दिया है। देश में 38 दिन से जारी सरकारी शटडाउन से हर समुदाय परेशान है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम को एसएनएपी, स्नैप, फूड स्टैम्प और खाद्य टिकट के रूप में भी जाना जाता है। यह कार्यक्रम लगभग आठ अमेरिकियों में से एक को सहायता प्रदान करता है।

न्यूज ब्रीफ

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को जल प्रबंधन के लिए आगाह किया

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को जल संसाधन प्रबंधन के लिए आगाह किया है। आईएमएफ ने कहा कि ऐसा बेहद जरूरी है, क्योंकि सरकार को बड़े बांधों को जल्द पूरा करने के लिए 3.3 ट्रिलियन रुपये की जरूरत है। इस्लामाबाद में आईएमएफ के स्थानीय प्रतिनिधि माहिर बिनिसी ने शुक्रवार को यह चेतावनी सतत विकास नीति संस्थान (एसडीपीआई) के चार दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र में दी। रिपोर्ट के अनुसार, माहिर की यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब पाकिस्तान दोहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को हर साल कुछ समय तक पानी की कमी का सामना करना पड़ता है। बिनिसी ने कहा कि पाकिस्तान को अपने सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत लचीले अवसंरचना में निवेश करने की आवश्यकता है, जिससे बाढ़ आपदा के आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि आईएमएफ कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान को 2027 तक अपने टैक्स से जीडीपी अनुपात को बढ़ाकर 13.5 फीसद करना होगा। आईएमएफ के प्रतिनिधि ने अर्थव्यवस्था के सामने मौजूद कई चुनौतियों के बारे में भी बात की। बिनिसी ने कहा कि पाकिस्तान को सतत आर्थिक विकास के लिए अपने कमजोर राजस्व आधार, कमजोर शासन और अपने सीमित निर्यात आधार का विस्तार करने की जरूरत है। पाकिस्तान में विश्व बैंक के प्रतिनिधि बोलोरमा अमगाबाजार ने कहा कि 2022 की बाढ़ से 30 अरब डॉलर के आसपास का नुकसान हुआ है। पाकिस्तान प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील है और हाल ही में आई बाढ़ से भी 2.9 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। नेस्ले पाकिस्तान के प्रबंध निदेशक जेसन अवंसेना ने कहा कि उनकी कंपनी ने जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभाने के लिए तीन करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

5.5 तीव्रता वाले भूकंप से फिर हिला बलोचिस्तान

क्वेटा। पाकिस्तान में बलोचिस्तान प्रांत के कई ज़िलों में शनिवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार, स्थानीय समयानुसार तड़के 2:45 बजे आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.0 मापी गई। भूकंप का केन्द्र क्वेटा से लगभग 67 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित था। इसके झटके ज़ियारत, हरनाई, ज़र्दालू, खोस्त, शाहराग, मुस्लिम बाग, खानोज़ाई, कान मेहतरज़ई, रोड मलाज़ई और सुर्खाब सहित अन्य इलाकों में भी महसूस किए गए। प्रांतीय राजधानी क्वेटा के कुछ हिस्सों में भी इसका असर दिखा जिससे लोगों में दहशत फैल गई। हालाँकि, अभी तक किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

तेहरान में जल संकट, खाली कराना पड़ सकता है तेहरान

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने चेतावनी दी है कि सूखे की मार झेल रही देश की राजधानी तेहरान में अगर जल्द बारिश नहीं होती है तो उसे गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात बनने पर तेहरान को खाली कराना पड़ेगा। मीडिया खबरों के मुताबिक गुरुवार को पश्चिमी शहर सनंदाज की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि सरकार आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से एक साथ निपटने के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने चेताया कि तेहरान को पानी की आपूर्ति करने वाले मुख्य जलाशय में केवल दो हफ़्ते तक के लिए ही पानी बचा है। सूखे के कारण उत्पन्न जल संकट को ईरान की सबसे गंभीर प्राकृतिक चुनौतियों में से एक बताते हुए, पेजेशकियन ने आगाह किया कि अगर सूखा जारी रहा, तो अगले महीने तेहरान में जल वितरण प्रतिबंधित हो जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी, अगर यह सूखा जारी रहा, तो हमारे पास पानी खत्म हो जाएगा और शहर को खाली कराना आवश्यक हो सकता है। राष्ट्रपति ने देश के जल और ऊर्जा संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और संरक्षण की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया और वर्तमान स्थिति को बेहद चिंताजनक बताया।

इस्तांबुल में पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता समाप्त, नहीं दूर हो सके मतभेद

इस्तांबुल/इस्लामाबाद, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार देररात कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच वार्ता समाप्त हो गई है। अब अगला दौर कब शुरू होगा यह अनिश्चित है। वार्ताकार दोनों पक्षों के बीच गहरे मतभेदों को दूर करने में विफल रहे। पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता का तीसरा दौर गुरुवार को तुर्किये के इस्तांबुल में शुरू हुआ था। दोनों पक्षों ने बंद दरवाजों के पीछे बातचीत की। वार्ताकारों ने दोनों को शांति के लिए बहुत समझाया। बात नहीं बनी। पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल स्वदेश वापसी के लिए रवाना हो गया है।

पाकिस्तान के डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षामंत्री आसिफ ने जियो न्यूज के कार्यक्रम में कहा, फिलहाल, जैसा कि हम बात कर रहे हैं, बातचीत समाप्त हो चुकी है। इससे पहले, अधिकारियों और सूत्रों ने कहा था कि वार्ता बिना किसी समझौते के रुक गई। एक वरिष्ठ सुरक्षा सूत्र ने संवाददाताओं को बताया, इस्तांबुल में बातचीत गतिरोध में है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता का तीसरा दौर गुरुवार को इस्तांबुल में शुरू हुआ और इसे दो दिनों तक जारी रखने की योजना थी।

रक्षामंत्री ने कहा कि अफगान तालिबान प्रतिनिधिमंडल लिखित समझौते पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं हुआ। वह केवल मौखिक समझौते की जिद पर अड़े रहे। आसिफ ने कहा कि इस्तांबुल से खाली हाथ लौटना दुखद है। आसिफ ने स्पष्ट किया कि युद्ध विराम फिलहाल लागू है। अगर अफगानिस्तान उल्लंघन करेगा तो पाकिस्तान माकूल जवाब देगा।

उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान की मुख्य मांग है: अफगान धरती से हमलों को रोकना। तीसरे दौर की वार्ता में इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक के नेतृत्व में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ सैन्य, खुफिया और विदेश कार्यालय के अधिकारी शामिल रहे। अफगान तालिबान पक्ष का नेतृत्व जनरल डायरेक्टरेट ऑफ इंटेलिजेंस (जीडीआई) के प्रमुख अब्दुल हक वासेक ने किया। उनके साथ सुहैल शाहीन, अनस हक्कानी और उप आंतरिक मंत्री रहमतुल्लाह नजीब थे।

अक्टूबर की शुरुआत में सीमा पर हुई झड़पों के बाद वार्ता शुरू की गई थी। पहले और दूसरे दौर की वार्ता दोहा में ही। इस्तांबुल में वार्ता का मकसद निगरानी तंत्र के तौर-तरीकों को अंतिम रूप देना था। इस्तांबुल से खबर है कि वार्ता विफल होने के बाद पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गया। शुक्रवार को दोनों प्रतिनिधिमंडलों के बीच कोई सीधी मुलाकात नहीं हुई। दोनों पक्षों ने गुरुवार को कतर और तुर्किये के मध्यस्थों की उपस्थिति में आमने-सामने बैठक की थी।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने इस्लामाबाद में संवाददाताओं को बताया कि हमारे प्रतिनिधिमंडल ने अपना पक्ष व्यापक और साक्ष्य के साथ रखा। इस बीच, अफगान वार्ताकारों ने दावा किया कि उनके प्रस्ताव पाकिस्तान के लिए तार्किक और आसानी से मानने योग्य हैं। उन्होंने इस्लामाबाद की मांगों को अवास्तविक और आक्रामक बताया और कहा कि ये आगे और जटिलताएं पैदा करने का बहाना बन सकते हैं।

अफगानिस्तान के तुलूअ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, वार्ता के पहले दिन दोनों पक्षों ने तुर्किये और कतर के मध्यस्थों के साथ अपनी मांगें साझा कीं। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान ने तीसरे दौर की वार्ता में एक बार फिर ऐसी मांगें उठाईं, जिनका उनके विचार में अफगानिस्तान से कोई संबंध नहीं है।

पाकिस्तान की कथित मांगों में से एक टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) के सदस्यों को पाकिस्तान से अफगानिस्तान स्थानांतरित करना है। इसके जवाब में, अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात ने मांग की है कि पाकिस्तान अपनी धरती और हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल अन्य देशों या अफगानिस्तान के खिलाफ अभियानों के लिए न करे। राजनीतिक विश्लेषक अजीज मारेज ने कहा कि यह टिप्पणियां विरोधाभासी हैं। टीटीपी वास्तव में पाकिस्तान का आंतरिक मामला है।

शटडाउन के कारण अमेरिका में अब तक कुल 700 से ज्यादा उड़ानें कैंसिल हो चुकी

वाशिंगटन, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में शटडाउन हुए 37 दिन हो चुके हैं। इसका सबसे ज्यादा असर हवाई यात्रा पर पड़ रहा है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने 40 बड़े हवाई अड्डों पर उड़ानों में कटौती का ऐलान किया है।

इसमें न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन डीसी के बड़े एयरपोर्ट्स शामिल हैं। कुल 40 में से ज्यादातर देश के सबसे व्यस्त हब हैं। इससे थैंक्स गिविंग वीक की छुट्टियों से पहले यात्रा करने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई बड़े एयरलाइंस पहले ही उड़ानें कैंसिल कर चुके हैं। अब तक कुल 700 से ज्यादा उड़ानें कैंसिल हो चुकी हैं। इसमें रीजनल और मुख्य उड़ानें शामिल हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय उड़ानें इससे बचेंगीं। यह कदम एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की कमी को कम करने के लिए उठाया है। ये कंट्रोलर्स एक महीने से ज्यादा समय से बिना वेतन के काम कर रहे हैं।

यह कटौती धीरे-धीरे बढ़ेगी और 14 नवंबर तक यह 10 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। यह सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा। इससे घरेलू उड़ानें प्रभावित होंगी। जानकारों के मुताबिक, इससे रोजाना 1,800 उड़ानें रद्द हो सकती हैं। वहीं, करीब 2.68 लाख लोग प्रभावित होने वाले है। डेल्टा एयर लाइंस ने 170 उड़ानें रद्द कीं। यूनाइटेड एयरलाइंस ने 200 उड़ानें कैंसिल कीं। वही, अमेरिकन एयरलाइंस ने 220 उड़ानें कम कीं। साउथवेस्ट एयरलाइंस ने 100 उड़ानें रद्द कीं। एयरलाइंस फॉर अमेरिका ने कहा, हम सरकार के साथ मिलकर यात्रियों की परेशानी कम करने की कोशिश कर रहे हैं। एफएए ने कहा कि एयरलाइंस खुद तय करेंगी कि कौन सी उड़ानें रद्द करनी है।

हंगरी के लिए रूसी तेल खरीद पर ट्रंप ने दी छूट

वाशिंगटन। अमेरिका ने हंगरी को रूसी तेल और गैस के उपयोग पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों से एक वर्ष की छूट प्रदान की है। यह फैसला शुक्रवार को व्हाइट हाउस में हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मैत्रीपूर्ण बैठक के बाद आया है। व्हाईट हाउस के अधिकारी ने इस आशय की जानकारी दी। पिछले महीने ट्रंप ने रूसी तेल कंपनियों, लुकोइल और रोसनेफ्ट पर प्रतिबंध लगाए थे, और इन कंपनियों से तेल खरीदने वाले देशों को अतिरिक्त प्रतिबंधों की धमकी दी थी। हालांकि ट्रंप के लंबे समय से सहयोगी रहे ओर्बन, उन्हें इस बाबत मनाने में कामयाब रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक ओर्बन ने ट्रंप के साथ अपनी पहली द्विपक्षीय बैठक में उन्हें समझाया कि हंगरी की रूसी तेल निर्भरता क्यों जरूरी है। हालांकि ट्रंप यूरोप को ऐसा करने से रोक रहे हैं। ओर्बन ने कहा, यह हंगरी के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा है। रूस से तेल-गैस न मिलने के हंगरी के लोगों और अर्थव्यवस्था पर काफी बुरे परिणाम होंगे। ट्रंप ने ओर्बन के इस बयान पर सहानुभूति दिखाते हुए कहा, हम इसकी जांच कर रहे हैं, क्योंकि उसके लिए अन्य क्षेत्रों से तेल-गैस प्राप्त करना बहुत मुश्किल है। जैसा आप जानते हैं, उनके पास समुद्र नहीं है। यह एक महान देश है, बड़ा देश, लेकिन उनके पास बंदरगाह नहीं हैं।

रूस ने पुतिन और लावरोव के बीच मतभेद की अफवाहों को किया खारिज

मॉस्को, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

रूस ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच किसी तरह के मतभेदों को अटकलबाजी करार देते हुए इसे सिरे से खारिज कर दिया है। ये अटकलें पिछले महीने पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच होने वाले एक शिखर-सम्मेलन के रद्द होने के बाद तेज हो गई थीं। सोवियत युग के अनुभवी राजनयिक 75 वर्षीय लावरोव अपनी कठोर वार्ता शैली के लिए प्रसिद्ध हैं। वह इस सप्ताह क्रेमलिन में एक प्रमुख बैठक से भी गैरहाजिर रहे, जिसमें उनकी उपस्थिति सामान्य होती है। इसके अलावा, पुतिन ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आगामी जी20 शिखर सम्मेलन के लिए भी किसी अन्य अधिकारी को रूस का प्रतिनिधित्व करने को कहा है। यह भूमिका अब तक हमेशा लावरोव ने ही निभाई है।

लगातार दो सप्ताहों से विदेश मंत्रालय ने लावरोव के आगामी यात्रा कार्यक्रम और सार्वजनिक कार्यक्रमों की जानकारी भी नहीं दी, जिससे इस तरह की अफवाहों को और बल मिला है। ऐसा भी समझा जा रहा है कि दो दशकों से अधिक समय से रूस की विदेश नीति संभाल रहे लावरोव शायद पुतिन के करीबी लोगों के दायरे से बाहर हो चुके हैं और ऐसा खासकर बुडापेस्ट में प्रस्तावित शिखर सम्मेलन विफल होने के कारण हुआ है। इस बीच क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव से शुक्रवार को जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या पुतिन लावरोव से नाराज हैं, तो उन्होंने इसे सिरे से नकार दिया। उन्होंने कहा, मैं संक्षिप्त जवाब दूंगा। इन रिपोर्टों में कोई सच्चाई नहीं है। लावरोव की वर्तमान भूमिका की पुष्टि करते हुए उन्होंने कहा, निस्संदेह। लावरोव विदेश मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। बुडापेस्ट शिखर सम्मेलन की चर्चा 20 अक्टूबर को लावरोव की अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ फोन पर हुई बातचीत के बाद शुरू हुई। इससे पहले ट्रंप ने पुतिन के साथ वार्ता के बाद इस सम्मेलन के बारे में घोषणा कर दी थी। हालांकि, अगले ही दिन ट्रंप ने इससे पीछे हटते हुए इसे समय की बर्बादी करार दिया और बाद में कहा कि यह सिर्फ सही नहीं लग रहा था। ट्रंप रूस के साथ गर्मजोशीपूर्ण संबंधों की कोशिश कर रहे है जिसमें अगस्त में अलास्का में पुतिन के साथ शिखर सम्मेलन शामिल है। वह वर्तमान मोर्चों पर यूक्रेन में तत्काल युद्धविराम की वकालत कर रहे हैं। लेकिन रूस ने यूक्रेन से और अधिक क्षेत्रीय रियायतें मांगी हैं। इस बीच मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने लावरोव के विदेश मंत्रालय द्वारा यूक्रेन पर कोई लचीलापन न दिखाने के संकेत के बाद नया शिखर सम्मेलन रद्द कर दिया। ब्रिटेन के एक समाचारपत्र के मुताबिक लावरोव की रुबियो से बात ने अमेरिका को निराश किया, और वह थके हुए लग रहे थे।

राष्ट्रपति ट्रंप पर न्यायाधीश की कठोर टिप्पणी, पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड की तैनाती पर रोक लगाई

वाशिंगटन, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी जिला न्यायालय की न्यायाधीश करिन जे. इमरगुट ने शुक्रवार को ओरेगन के पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड की तैनाती पर प्रतिबंध लगा दिया। न्यायाधीश ने फैसले में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कठोर टिप्पणी की। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप ने पोर्टलैंड में आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) कार्यालय की सुरक्षा के लिए नेशनल गार्ड के सैनिकों को तैनात कर अपने अधिकार का अतिक्रमण किया।

रिपोर्ट के अनुसार, करिन जे. इमरगुट को ट्रंप ने ही न्यायाधीश के रूप में नामित किया था। न्यायाधीश इमरगुट ने अपने अंतिम 106 पृष्ठों के फैसले में सरकारी वकीलों की उन दलीलों को खारिज कर दिया कि आईसीई भवन में विरोध प्रदर्शनों ने संघीय अधिकारियों के लिए आव्रजन प्रवर्तन करना असंभव बना दिया। उन्होंने कहा कि ओरेगन प्रांत में नेशनल गार्ड के सैनिकों का इस्तेमाल करने के प्रयास ने अमेरिकी संविधान के 10वें संशोधन का उल्लंघन किया गया है।

उन्होंने लिखा, साक्ष्य दर्शाते हैं कि इस तैनाती पर ओरेगन के गवर्नर ने आपत्ति जताई थी और कहा था कि नेशनल गार्ड की तैनाती राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। न्यायाधीश इमरगुट ने राष्ट्रपति के इस दावे का भी खंडन किया कि एंटीफा कम से कम पोर्टलैंड में संघीय सरकार के विरुद्ध काम करने वाला एक संगठित और एकजुट समूह है।

उन्होंने कहा कि ओरेगन स्थित प्रतिष्ठान में हुए नुकसान या विरोध प्रदर्शनों की विध्वंसकारी प्रकृति के बारे में आईसीई के क्षेत्रीय निदेशक की गवाही विश्वसनीय नहीं है। उल्लेखनीय है कि इलिनोइस में नेशनल गार्ड सैनिकों के इस्तेमाल से जुड़ा एक ऐसा ही मामला वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। ओरेगन की डेमोक्रेट गवर्नर टीना कोटेक ने इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि यह जमीनी तथ्यों को पुष्ट करता है। उन्होंने कहा, ओरेगन सैन्य हस्तक्षेप नहीं चाहता। राष्ट्रपति ट्रंप का नेशनल गार्ड को संघीय बनाने का प्रयास सत्ता का घोर दुरुपयोग है।

इस फैसले पर विभाग की सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप अपने वैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए पोर्टलैंड में संघीय संपत्तियों और कर्मियों की सुरक्षा के लिए नेशनल गार्ड को निर्देश दे रहे हैं। महीनों से चल रही हिंसा में वामपंथी दंगाइयों ने अधिकारियों पर हमला किया। राष्ट्रपति पोर्टलैंड को और सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जोकोविच ने तोड़ा सेमीफाइनल का जादू, एथेंस टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

पेरिस, 08 नवंबर (एजेंसियां) ।

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अपनी सेमीफाइनल की हार का सिलसिला तोड़ते हुए शुक्रवार को एथेंस में चल रहे एटीपी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। जोकोविच ने जर्मनी के क्वालिफायर यानिक हैंफमैन को मात्र 79 मिनट में 6-3, 6-4 से हराया।

38 वर्षीय जोकोविच का यह मुकाबले में सर्विस केवल दूसरी बार टूटी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पूरे नियंत्रण में रहते हुए जीत दर्ज की। फाइनल में उनका मुकाबला अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा या इतालवी लोरेन्जो मुसेटी में से किसी एक से होगा। खास बात यह है कि मुसेटी को एटीपी फाइनल्स (ट्यूरिन) में जगह बनाने के लिए यह खिताब जीतना जरूरी है।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, यह इस टूर्नामेंट में मेरा अब तक का सबसे बेहतरीन टेनिस था, और यह सही समय पर आया। हैंफमैन एक खतरनाक खिलाड़ी है — उसकी सर्विस और ग्राउंडस्ट्रोक्स दोनों ही मजबूत हैं, इसलिए मुझे पूरे मैच में फोकस रहना पड़ा।

यह जीत जोकोविच के लिए खास रही क्योंकि उन्होंने लगातार चार सेमीफाइनल हारों का सिलसिला तोड़ा — वे पहले रोलां गैरोस, विंबलडन, यूएस ओपन और शंघाई में अंतिम-4 में हार चुके थे।

उनकी पिछली सेमीफाइनल जीत मई में जेनेवा क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में हुई थी, जहां उन्होंने फाइनल में ह्यूबर्ट हुर्काच को हराकर अपना 100वां करियर सिंगल्स खिताब जीता था। पुरुषों में उनसे अधिक खिताब केवल रोजर फेडरर (103) और जिम्मी कॉनर्स (109) के नाम हैं। मैच में जोकोविच ने पहले सेट में 3-2 पर ब्रेक हासिल किया और 6-3 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में हालांकि उन्होंने 2-1 पर सर्विस गंवाई, लेकिन तुरंत वापसी करते हुए स्कोर 3-3 किया और फिर निर्णायक ब्रेक लेकर जीत पक्की की। जीत के बाद जोकोविच ने उत्साहित दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, एक बार फिर इस शानदार स्टेडियम को भरने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मैंने दुनिया के कई खूबसूरत इनडोर एरेना में खेला है, लेकिन यह निश्चित रूप से मेरे करियर के टॉप-3 में से एक है। इस साल एथेंस टूर्नामेंट ने अब बंद हो चुके बेलग्रेड ओपन की जगह ली है और स्थानीय प्रशंसकों के लिए यह जोकोविच का प्रदर्शन किसी उत्सव से कम नहीं रहा।

न्यूज़ ब्रीफ

मुरादाबाद में 26 नवंबर से शुरु होगी चार दिवसीय प्रदेश स्तरीय घुड़सवारी प्रतियोगिता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में डा. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी के मैदान में 26 नवम्बर से चार दिवसीय घुड़सवारी प्रतियोगिता शुरू होगी। पुलिस महानिदेशक (डीजी) ट्रेनिंग राजीव सभरवाल ने शनिवार को बताया कि 26, 27 व 29 नवम्बर और 1 दिसंबर को प्रदेश पुलिस के घुड़सवार अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। चार दिन चलने वाली इस प्रतियोगिता में 12 टीमें भाग लेंगी। पुलिस अकादमी के अधिकारियों ने प्रतियोगिता की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए यूपी पुलिस टीम का चयन किया जाएगा। प्रतियोगिता के दौरान ड्रेसाज, जंपिंग, बाधा दौड़ समेत अन्य प्रतिस्पर्धाएं होंगी।

भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वी.एस. बने देश के 91वें ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वी.एस. ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छठी एशियाई

इंडिविजुअल चैम्पियनशिप एक राउंड शेष रहते ही जीत ली है। इस जीत के साथ ही उन्होंने देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल किया। 21 वर्षीय राहुल, जो पहले एशियाई जूनियर चैम्पियन भी रह चुके हैं, ने वर्ष 2021 में अपना इंटरनेशनल मास्टर खिताब हासिल किया था, जब उन्होंने चौथा और पांचवां आईएम नॉर्म पूरा किया था और 2400 की लाइव रेटिंग को पार किया था। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष नितिन नारंग ने राहुल को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, राहुल वी. एस. को हार्दिक बधाई, जिन्होंने एशियाई इंडिविजुअल चैम्पियनशिप एक राउंड शेष रहते जीत ली और इसी के साथ भारत के 91वें ग्रैंडमास्टर बने! भारत का गौरव बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं और आगे भी अनेक सफलताओं की कामना। फिलीपींस में आयोजित इस चैम्पियनशिप में राहुल के इस नवीनतम खिताबी प्रदर्शन ने उनके अंतिम जीएम (ग्रैंडमास्टर) नॉर्म की पुष्टि कर दी, जिससे उन्होंने ग्रैंडमास्टर बनने की सभी आवश्यकताएं पूरी कर लीं। गौरतलब है कि राहुल, दो हफ्तों में भारत के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने हैं। इससे पहले युवा प्रतिभा इलमपार्थी ए. आर. ने 30 अक्टूबर को यह उपलब्धि हासिल की थी ।

ईसीबी ने कूकाबुरा गेंद प्रयोग को किया समाप्त, 2026 से काउंटी चैम्पियनशिप में फिर लौटेगी ड्यूक बॉल

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने काउंटी चैम्पियनशिप में कूकाबुरा गेंद के उपयोग को 2026 सीजन से समाप्त करने का फैसला किया है। यह निर्णय काउंटी क्रिकेट निदेशकों और प्रोफेशनल गेम कमेटी से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के बाद लिया गया है। कूकाबुरा गेंद का प्रयोग तीन साल पहले शुरू किया गया था ताकि काउंटी क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप अपने कौशल विकसित करने का अवसर मिल सके। हालांकि, इस प्रयोग को असफल माना गया क्योंकि इससे मैचों में रोमांच की कमी देखी गई। इस साल ओवल में सरे और डरहम के बीच हुए मुकाबले में मेज़बान टीम ने 820 रन बनाकर पारी घोषित की, जो इस प्रयोग की विफलता का प्रमुख उदाहरण माना गया। ईसीबी के अनुसार, कूकाबुरा गेंद पहली बार 2023 सीजन में दो राउंड के लिए इस्तेमाल की गई थी, जिसके बाद 2024 और 2025 में इसे चार-चार राउंड तक बढ़ाया गया। लेकिन अक्टूबर में हुई बैठक में 18 प्रथम श्रेणी काउंटियों के क्रिकेट निदेशकों ने इस प्रयोग को बंद करने की सिफारिश की। इसके बाद ईसीबी की प्रोफेशनल गेम कमेटी ने इस सप्ताह औपचारिक रूप से इस निर्णय को मंजूरी दे दी। अब 2026 सीजन से काउंटी चैम्पियनशिप के सभी 14 राउंड पारंपरिक हैंड-स्टिच्ड ड्यूक बॉल से खेले जाएंगे, जिससे कूकाबुरा की मशीन से बनी गेंद का प्रयोग समाप्त हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया को 'पानी' पिला दिया, सूर्या सेना ने 2-1 से जीत ली टी20 सीरीज

ब्रिस्बेन,08 नवंबर (एजेंसियां) । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिस्बेन के गाबा में शनिवार को बारिश के कारण पाँचवाँ और अंतिम टी20 मैच रद्द कर दिया गया। भारत ने पाँच मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

भारत की सलामी जोड़ी, अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने शानदार शुरुआत की और मात्र 4.5 ओवर में 50 रनों की साझेदारी कर ली। इसके बाद बिजली और बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और अंततः दो घंटे की देरी के बाद खेल रद्द कर दिया गया।

खेल रोके जाने के समय, मेहमान टीम का स्कोर 4.5 ओवर में 52/0 था और शुभमन गिल (29*) और अभिषेक शर्मा (23*) नाबाद थे। पहला टी20 मैच बारिश के कारण धुल जाने के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मैच जीता और भारतीय टीम ने अगले दो मैच जीते। शर्मा ने अपनी नाबाद 23 रनों की पारी के दौरान एक विश्व रिकॉर्ड बनाया और गेंदों का सामना करके सबसे तेज़ 1,000 टी20ख रन बनाने वाले बल्लेबाज़ बन गए। उन्होंने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ते हुए पूर्ण सदस्य देशों के बीच सबसे तेज़ 1000 टी20ख रन बनाने वाले बल्लेबाज़ बन गए, उन्होंने यह उपलब्धि 528 गेंदों में हासिल की।

सूर्यकुमार यादव ने यह उपलब्धि 573 गेंदों में हासिल की थी। इंग्लैंड के फिल साल्ट इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं और उन्होंने 1000 टी20ख रन तक पहुँचने के लिए 599 गेंदें खेली थीं। शर्मा ने 29 टी20ख मैच खेले हैं, जिनकी 28 पारियों में उन्होंने बल्लेबाजी की है और एक बार नाबाद रहे हैं।

उन्होंने 37.48 की प्रभावशाली औसत और 189.51 के ज़बरदस्त स्ट्राइक रेट से कुल 1,012 रन बनाए हैं।

इस प्रारूप में उनका सर्वोच्च स्कोर 135 है, और उनके नाम दो शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं।

अभिषेक 1000 टी20आई रन तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय बनकर एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गए, उन्होंने यह उपलब्धि केवल 28 पारियों में हासिल की, केवल विराट कोहली से पीछे, जिन्होंने 27 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। इस श्रृंखला जीत के साथ, मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारत का टी20आई श्रृंखला में अपराजित अभियान जारी है, जिसमें लगातार पांच द्विपक्षीय टी20आई श्रृंखला जीत दर्ज की गई है।

दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चोटिल होकर रिटायर हर्ट हुए रिषभ पंत

बेंगलूरू,08 नवंबर (एजेंसियां) ।

बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच मुकाबले में भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज रिषभ पंत चोटिल होकर रिटायर हर्ट हो गए। उन्हें दक्षिण अफ्रीका ए के तेज गेंदबाज त्सेपो मोरेकी की गेंदों से तीन बार चोट लगी, एक बार हेलमेट पर और दो बार शरीर पर – दाहिनी कोहनी और पेट पर। लगातार चोट लगने के बाद पंत को मैदान छोड़ना पड़ा।

यह घटना टीम इंडिया के लिए एक चोट की चिंता लेकर आई है, क्योंकि सीनियर टीम को अगले शुक्रवार (14 नवंबर) से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। हालांकि पंत चोट लगने के बाद भी बल्लेबाजी जारी रखना चाहते थे, लेकिन एहतियातन उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया।

पहली चोट तब लगी जब उन्होंने मोरेकी की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद मिस हो गई और सीधे हेलमेट पर लगी। इसके बाद फिजियो ने कंकशन टेस्ट किया और उन्हें खेलने की अनुमति दी। कुछ ही देर बाद उनकी दाहिनी कोहनी पर गेंद लगी, जिसके लिए पेन-स्प्रे और टेपिंग की गई। तीसरी बार मोरेकी की एक गेंद लंबाई से अंदर की ओर आई और उनके पेट पर लगी, जिसके बाद पंत ने दर्द के कारण 17 रन (22 गेंद) पर पारी छोड़ दी। पंत की जगह ध्रुव जुरेल मैदान पर उतरे और दूसरे सत्र में शानदार अर्धशतक लगाया।

रिषभ पंत हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल टेस्ट में पैर की चोट के कारण टीम से बाहर हो गए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें दोबारा टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच की दूसरी पारी में 90 रन की पारी खेलकर शानदार वापसी की थी और विकेटकीपिंग में भी सहज नजर आए थे।

सीएसके ने संजू सैमसन ट्रेड की अफवाहों पर लगाई विराम

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ कासी विश्वनाथन ने आईपीएल 2025 रिटेंशन डेडलाइन से पहले फैल रही अफवाहों पर आखिरकार विराम लगा दिया है। सोशल मीडिया और रिपोर्टों में दावा किया जा रहा था कि फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को ट्रेड करने की कोशिश कर रही है, लेकिन विश्वनाथन ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं, यानी सीएसके किसी भी तरह की ट्रेड डील में संजू सैमसन को शामिल नहीं कर रही है। आईपीएल 2025 की 15 नवंबर रिटेंशन डेडलाइन नज़दीक आने के साथ ही सभी टीमों में खिलाड़ियों के चयन और ट्रेड को लेकर हलचल तेज हो गई है। संजू सैमसन का नाम दिल्ली कैपिटल्स और सीएसके दोनों से जोड़ा गया था, लेकिन अब स्थिति साफ हो चुकी है कि वह राजस्थान रॉयल्स के साथ ही बने रहेंगे। पिछला आईपीएल सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए निराशाजनक रहा था। टीम ने 14 में से केवल चार मुकाबले जीते और पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे रही। हालांकि, धोनी की वापसी को लेकर अब फ्रेंचाइजी नए सिरे से तैयारी कर रही है। वहीं सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने आईपीएल 2025 के लिए महेंद्र सिंह धोनी की उपलब्धता के लिए कहा कि वे 2008 से सीएसके के अभिन्न हिस्सा रहे हैं। वे इस सीजन में सीएसके के लिए खेलेगें।

राइबाकिना ने पेगुला को हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में बनाई जगह

रियाद, 08 नवंबर (एजेंसियां) ।

कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से मात देकर शुक्रवार को डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली। अब फाइनल में राइबाकिना का सामना विश्व नंबर एक आर्यना साबालेंका या अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से होगा।

किंग सऊद यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एरिना में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में साबालेंका और अनिसिमोवा आमने-सामने होंगी। यह दोनों खिलाड़ियों के बीच सितंबर में हुए यूएस ओपन फाइनल का रीमैच होगा, जिसमें बेलारूस की साबालेंका ने सीधे सेटों में जीत दर्ज कर अपना चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था।

मैच की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन उसके बाद पेगुला ने अपनी लय पकड़ ली और 4-2 की बढ़त बना ली। राइबाकिना को वार्म-अप के दौरान हुई कंधे की चोट से जूझते देखा गया, जिससे उनकी सटीकता पर असर पड़ा।

पेगुला ने पहला सेट राइबाकिना की 25वीं अनफोर्स्ड एरर (ग़लती) के चलते 6-4 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में राइबाकिना ने शानदार वापसी की और शुरुआती बढ़त हासिल की। पेगुला ने वापसी की कोशिश की, लेकिन राइबाकिना ने 10वें गेम में जोरदार प्रदर्शन करते हुए सेट 6-4 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक सेट तक खींच दिया।

निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन आठवें गेम में पेगुला की फोरहैंड नेट में जाने से राइबाकिना को निर्णायक बढ़त मिली। इसके बाद उन्होंने शांत रहकर अगला गेम जीता और मैच अपने नाम किया।

इस जीत के साथ राइबाकिना टूर्नामेंट में अब तक अपराजित बनी हुई हैं और अपने करियर का पहला सीज़न-एंडिंग खिताब जीतने से सिर्फ एक कदम दूर हैं।

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान हांगकांग सिक्सेस 2025 के सेमीफाइनल में पहुंचे

हांगकांग,08 नवंबर (एजेंसियां) ।

टिन क्वॉन्ग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेले जा रहे हांगकांग सिक्सेस 2025 टूर्नामेंट में एक बार फिर रोमांचक और तेज-तर्रार मुकाबले देखने को मिले। इस टूर्नामेंट के दौरान ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने अपने-अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। हालांकि, भारतीय टीम के लिए दिन निराशाजनक रहा। टीम इंडिया को लगातार तीन मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा।

भारत की हार से निराशा

पूल 'सी' के अहम मुकाबले में भारत को कुवैत के खिलाफ जीत की सख्त जरूरत थी, लेकिन टीम 27 रनों से हार गई। कुवैत ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 107 रन बनाए, जिसके जवाब में भारत 79/6 पर ही सिमट गया। कुवैत के यासिन पटेल ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 3/23 के आंकड़े दर्ज किए। इस हार के साथ पाकिस्तान

और कुवैत क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, जबकि भारत को बाउल स्टेज में जाना पड़ा।

बाउल स्टेज में भी जारी रही भारत की मुश्किलें

यूएई के खिलाफ भारत ने अच्छी शुरुआत की थी। अभिमन्यु मिथुन (16 गेंदों में 50 रन) और दिनेश कार्तिक (14 गेंदों में 42 रन) ने तेज पारियां खेलीं, लेकिन टीम 108 रन का स्कोर बचाने में नाकाम रही। यूएई के खालिद शाह ने 14 गेंदों में 50 रन ठोककर अपनी टीम को चार विकेट से जीत दिला दी। नेपाल के खिलाफ भारत की स्थिति और भी खराब रही। नेपाल ने छह ओवर में 137/0 का विशाल स्कोर बनाया, जबकि भारत मात्र 45/6 पर ढेर हो गया। नेपाल के राशिद खान ने 17 गेंदों में 55 रन बनाए और साथ ही गेंदबाज़ी में 3/7 के आंकड़े लेकर शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया।

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

क्वार्टरफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 54 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। बेन मैकडरमॉट (14 गेंदों में 51 रन) और कप्तान एलेक्स रॉस (11 गेंदों में 50 रन) ने आतिशी अर्धशतक जड़े, जबकि क्रिस ग्रीन ने 3/32 लेकर गेंदबाज़ी में कमाल दिखाया। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से मात दी। दक्षिण अफ्रीका ने 102/3 का स्कोर बनाया, जिसे पाकिस्तान ने मात्र 3.5 ओवर में हासिल कर लिया। अब्दुल समद ने केवल 10 गेंदों में ताबड़तोड़ 50 रन ठोककर टीम को शानदार जीत दिलाई। सेमीफाइनल मुकाबला 9 नवम्बर को अब 9 नवम्बर को पहला सेमीफाइनल मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा। वहीं, भारत अपना अंतिम बाउल मुकाबला श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा।

एसबीआई और बड़े निजी बैंक 2030 तक वैश्विक शीर्ष-10 में शामिल होने के लक्ष्य पर

नई दिल्ली,08 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि आने वाले वर्षों में एसबीआई और दो बड़े निजी क्षेत्र के बैंक 2030 तक बाजार पूंजीकरण के आधार पर दुनिया के शीर्ष-10 बैंक बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि एसबीआई का बाजार पूंजीकरण वर्तमान में 100 अरब डॉलर से ऊपर पहुंच चुका है। हालांकि अधिकारी ने निजी क्षेत्र के दो बैंकों के नाम नहीं बताए, लेकिन वर्तमान में एचडीएफसी बैंक बैंक 15.11 लाख करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 9.59 लाख करोड़ रुपये के बाजार मूल्यांकन के साथ देश के सबसे मूल्यवान निजी बैंक हैं। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन फिलहाल 8.82 लाख करोड़ रुपये है। संपत्तियों के आधार पर एसबीआई अभी भी भारत का सबसे बड़ा बैंक है और वैश्विक स्तर पर यह 43वें स्थान पर है। एसबीआई का यह बयान ऐसे समय आया है जब केंद्र सरकार बड़े और विश्वस्तरीय बैंक बनाने के लिए विलय की प्रक्रिया पर जोर दे रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि भारत को मजबूत वैश्विक बैंक की आवश्यकता है। एसबीआई 25,000 करोड़ रुपये की पूंजी जुटा रहा है। अधिकारी ने बताया कि यह पूंजी जुटाना विस्तार के लिए नहीं बल्कि बैंक की पूंजी स्थिति मजबूत करने के लिए है। वर्ष के अंत तक बैंक का कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो 15 फीसदी से ऊपर और टियर-1 कैपिटल 12 फीसदी से अधिक रखने का लक्ष्य है। एसबीआई में इंजीनियरिंग स्नातकों में नौकरी के प्रति बढ़ती रुचि ने बैंक को नई तकनीक अपनाने और डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने में मदद की है।

भारत की 30 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय सुधार जरूरी : वर्ल्ड बैंक

मुंबई। वर्ल्ड बैंक की ताज़ा फाइनेंस सेक्टर असेसमेंट (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि भारत अगले 20 वर्षों में 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना चाहता है, तो उसे वित्तीय क्षेत्र में सुधारों की गति तेज करनी होगी। रिपोर्ट ने निजी पूंजी जुटाने और वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत का वर्ल्ड क्लास डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सरकारी कार्यक्रमों ने महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच में सुधार किया है। हालांकि महिलाओं के बैंक खातों के वास्तविक उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता बताई गई है। 2017 के बाद से भारत का वित्तीय तंत्र अधिक मजबूत, विविध और समावेशी बन गया है। कैपिटल मार्केट तेजी से बढ़ा, और जीडीपी के 144 फीसदी से बढ़कर लगभग 175 फीसदी तक पहुंच गया।

न्यूज ब्रीफ

यूग्रो कैपिटल का दूसरी तिमाही में मुनाफा 19 फीसदी बढ़कर 43 करोड़ पहुंचा

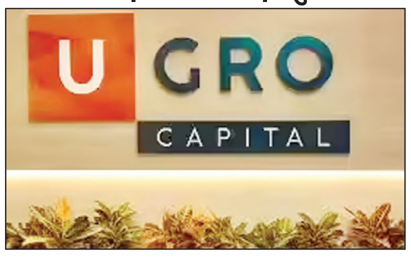

मुंबई। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी यूग्रो कैपिटल का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा 19 प्रतिशत बढ़कर 43 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 36 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। यूग्रो कैपिटल ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 461 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 343 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी ने 322 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 208 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के संबंध में, सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मामूली रूप से बढ़कर 2.4 प्रतिशत हो गईं, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2.1 प्रतिशत थी।

आरबीआई ने चांदी पर भी लोन की अनुमति दी, सुविधा 1 अप्रैल 2026 से लागू

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चांदी पर लोन लेने की अनुमति दे दी है। अब लोग अपने पास रखी चांदी के गहने और सिक्के गिरवी रखकर कर्ज ले सकते हैं। इससे आर्थिक आपातकालीन जरूरतों को पूरा करना आसान होगा। यह सुविधा 1 अप्रैल 2026 से सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों में लागू होगी। कमर्शियल बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, रीजनल रूरल बैंक (आरआरबी), शहरी और ग्रामीण सहकारी बैंक, नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियां (एनबीएफसी) और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां यह सुविधा उपलब्ध कराएंगी। गिरवी रखने की सीमा और लोन राशि इस प्रकार रहेगी- चांदी के गहने: अधिकतम 10 किलोग्राम और चांदी के सिक्के अधिकतम 500 ग्राम। लोन राशि लोन टू वैल्य रेशो के आधार पर तय होगी, यानी चांदी के मूल्य के अनुपात में कितनी रकम मिल सकती है।

श्नाइडर इलेक्ट्रिक का मुनाफा दूसरी तिमाही में घटकर 52 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। श्नाइडर इलेक्ट्रिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 52.32 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले साल की समान तिमाही के 54.27 करोड़ रुपए के मुकाबले 3.54 फीसदी कम है। कंपनी की कुल आय इस तिमाही में बढ़कर 654.58 करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले वर्ष यह 608.64 करोड़ रुपए थी। आय में यह 7.48 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाती है कि कंपनी के कारोबार में वृद्धि जारी है।

आईजीएआई पर सामान्य हो रहा उड़ान परिचालन : डायल

नई दिल्ली,08 नवंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित देश के सबसे व्यस्ततम एयरपोर्ट इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीएआई) पर विमानों का परिचालन शनिवार सुबह से धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। इससे एक दिन पहले हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में गड़बड़ी के कारण इस एयरपोर्ट पर 800 से अधिक उड़ानों में देरी हुई थी।

आईजीएआई एयरपोर्ट की संचालक कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा है कि एएमएसएस को प्रभावित करने वाली तकनीकी समस्या में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। डायल के मुताबिक ''दिल्ली हवाई अड्डे पर विमानों का संचालन अब सामान्य हो रहा है। इससे संबंधित सभी अधिकारी हर प्रकार की असुविधा को कम करने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं।''

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने बताया कि शुक्रवार को 800 से अधिक उड़ानों में देरी के अलावा कुछ सेवाएं रद्द भी कर दी गई हैं जिससे सैकड़ों यात्री प्रभावित हुए।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की तरफ से 11:55 बजे जारी यात्री एडवाइजरी के अनुसार दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी उड़ान परिचालन सामान्य है। जानकारी के मुताबिक हवाई यातायात नियंत्रण की उड़ान योजना प्रक्रिया में सहयोग करने वाले 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में तकनीकी समस्या शुक्रवार सुबह लगभग पौने 6 बजे से 15 घंटे से अधिक समय तक जारी रही। वहीं, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने शुक्रवार रात लगभग नौ बजे जारी बयान में कहा कि समस्या का समाधान कर लिया गया है।

इस बीच देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी 'इंडिगो' ने शनिवार सुबह जारी बयान में कहा कि हवाई अड्डा संचालक और वायु यातायात नियंत्रण (एटीसी) के दल प्रणाली को पूरी तरह से बहाल करने और संचालन को स्थिर करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर काम कर रही हैं। उसने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''अगले कुछ घंटों में स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। इस दौरान प्रस्थान और आगमन समय में कुछ समायोजन जारी रह सकता है।''

एयरलाइनों की उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडारडॉटकॉम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह हवाई अड्डे पर आगमन और प्रस्थान सहित 200 से अधिक उड़ानों के परिचालन में देरी हुई। हालांकि, यह अभी पता नहीं चल सका है कि क्या उड़ानों में देरी केवल एएमएसएस की समस्या के कारण हुई।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में चार रनवे हैं। ये प्रतिदिन 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन करता है। यह देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है।

भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए निवेश दर बढ़ाना जरूरीः नीति आयोग सीईओ

मुंबई,08 नवंबर (एजेंसियां)।

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता महीने के अंत तक सफल हो सकती है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में बताया कि वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि जल्द ही इसमें ठोस परिणाम सामने आएंगे। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत को 8-9 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखने के लिए अपनी निवेश दर को जीडीपी के 35-36 प्रतिशत तक बढ़ाना होगा, जो वर्तमान में लगभग 30-31 प्रतिशत है। निवेश दर बढ़ाने से देश की आर्थिक वृद्धि में स्थिरता आएगी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी। उन्होंने नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि यह नवंबर तक चालू होगा। मिशन के तहत 15 प्रमुख सेक्टर्स पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और 75 स्थानों पर सेक्टोरल क्लस्टर बनाकर भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धी मैन्युफैक्चरिंग हब बनाया जाएगा। सुब्रह्मण्यम ने मानव पूंजी को आर्थिक विकास का आधार बताया।

गोल्डमैन सैक्स ने भारत से रिकॉर्ड 49 प्रबंध निदेशक बनाए

नई दिल्ली। गोल्डमैन सैक्स ने भारत से 49 लोगों को प्रबंध निदेशक (एमडी) पद पर पदोन्नत किया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस कदम से बेंगलूरु के प्रौद्योगिकी केंद्र की वैश्विक महत्वता और बैंक के भारतीय संचालन में उसकी प्राथमिकता का संकेत मिलता है। पदोन्नति में बेंगलूरु से 38, मुंबई से 6 और हैदराबाद से 5 लोग शामिल हैं। 2023 में यह संख्या 35 थी। मुंबई कार्यालय बैंक के भारतीय व्यवसाय का संचालन करता है, जबकि बेंगलूरु कार्यालय फर्म का प्रमुख वैश्विक तकनीकी केंद्र है। गोल्डमैन सैक्स ने दुनिया भर के 638 लोगों को एमडी बनाया। अमेरिका के कर्मचारियों की हिस्सेदारी 56 फीसदी (358 लोग) और ईएमईए क्षेत्र की 25 फीसदी (159 लोग) है। भारत से 94 नागरिक एमडी बने हैं। गोल्डमैन भारत के तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में कदम रखने वाली शुरुआती कंपनियों में से एक रही है।

खाद्य एवं कृषि उत्पाद प्रदर्शनी क्षेत्र में सर्बिया से आई वाइन की बोतलों का प्रदर्शन किया गया

पूर्वी चीन के शंघाई में आठवें चीन अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्सपो के दौरान खाद्य एवं कृषि उत्पाद प्रदर्शनी क्षेत्र में सर्बिया से आई वाइन की बोतलों का प्रदर्शन किया गया।

असम को मिला पहला टेक्निकल और वोकेशनल विश्वविद्यालय, वित्त मंत्री ने रखी नींव

गुवाहाटी,08 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को असम के पहले तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर केंद्रित विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। इस विश्वविद्यालय का नाम शहीद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय रखा गया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि वित्त मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ गोहपुर में शहीद कनकलता बरुआ स्टेट यूनिवर्सिटी के भूमि पूजन समारोह में भाग लिया।

निर्मला सीतारमण ने इसका शिलान्यास भी किया। असम के गोहपुर में शहीद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह विश्वविद्यालय असम के युवाओं को रोजगारमुखी शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सीतारमण शुक्रवार से असम के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, ब्लॉकचेन, ड्रोन और नेविगेशन टेक्नोलॉजी, क्वांटम कंप्यूटिंग, ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, स्मार्ट सिटीज और स्मार्ट एनवायरनमेंट्स जैसे अत्याधुनिक विषयों पर पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वंदे भारत ट्रेन...

पहले मरीजों को इलाज के लिए मुंबई जाना पड़ता था, लेकिन अब शहर में ही अत्याधुनिक अस्पताल, कैंसर सेंटर, आयुष्मान भारत और जन औषधि केंद्रों से लोगों को राहत मिल रही है। उन्होंने कहा कि काशी में रहना, काशी आना और यहां जीना अब सबके लिए विशेष अनुभव बन गया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि शहर में सड़कों, गैस पाइपलाइन, स्टेडियम, और रोपवे जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट तेजी से पूरे हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के दौरान काशी के बच्चों की प्रतिभा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों के उद्घाटन के दौरान विद्यार्थियों ने विकसित भारत पर सुंदर कविताएं और चित्र प्रस्तुत किए। काशी के सांसद के रूप में मुझे गर्व है कि मेरे शहर के बच्चे इतने प्रतिभाशाली हैं। मैं चाहता हूं कि इन बच्चों का कवि सम्मेलन काशी में कराया जाए और कुछ बच्चों को पूरे देश में ले जाया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में काशी की भूमिका अग्रणी रहेगी। हमें काशी की ऊर्जा और गति बनाए रखनी है, ताकि भव्य काशी, समृद्ध काशी का सपना साकार हो सके।

जंगलराज वालों ...

मुझे बिहार की बेटियों की ताकत पर गर्व है। मैं चाहता हूं कि आपकी कला और आपका कौशल दुनिया भर में पहुंचे। पीएम मोदी ने मछली पालन के क्षेत्र में बिहार ने कमाल कर दिया है। इसी तरह हमलोग मखाना को हर कोने में पहुंचाना चाहते हैं। बिहार का मखाना दुनिया में पहुंचेगा तो फायदा छोटे किसानों को होगा।पीएम मोदी ने कहा कि अगर राजद-कांग्रेस की सरकार रहती तो आपके हक का पैसा लूट लिया जाता। यह मैं नहीं बल्कि कांग्रेस के नामदार के पिताजी कहते थे। वह कहते थे कि दिल्ली से एक रुपया निकलता है तो गांव में जाते-जाते 15 पैसा हो जाता है। जरा बताओ यह कौन सा पंजा था? जो एक रुपए को घिस-घिस कर 15 पैसा कर देता था। आज पटना या दिल्ली से एक रुपया निकलता है तो 100 के 100 पैसे आपके खाते में जमा होते हैं। कांग्रेस और राजद आपका पैसा लूटने की फिराक में है। यह लोग इतने साल तक सत्ता में रहे लेकिन केवल लोगों को लूटने का काम करते रहे। देश के 100 से अधिक जिलों को कांग्रेस ने पिछड़ा घोषित कर दिया। इसमें सीतामढ़ी भी था। हमने इन पिछड़े जिलों को आकांक्षी जिला घोषित किया। आज सीतामढ़ी दूसरे विकसित जिलों को टक्कर दे रहा।पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद सिर्फ अपमान और गाली-गलौज की राजनीति करते हैं। इन लोगों को हमारे पर्व और त्योहारों से भी चिढ़ है। कांग्रेस के नामदार छठ महापर्व को नौटंकी और ड्रामा करते हैं। उन्होंने महान तपस्या का अपमान किया। अयोध्या की प्राण प्रतिष्ठा का इनलोगों ने अपमान किया। महाकुंभ का अपमान किया। राजद और कांग्रेस वाले अपने वोट बैंक के कारण रामजी, निषाद राज, शबरी माता का बहिष्कार करते हैं। यह लोग तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। यह लोग घुसपैठियों को बचाने के लिए पूरी शक्ति से लगे हुए हैं। जिनका भारत से कोई लेना देना नहीं, वो लोग उनको बचा रहे हैं। यह लोग आपके हक पर डाका डालते हैं। यह आपके संतानों के हक की चोरी करते हैं। हमारे बेटियों और देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन जाते हैं। आप लोग इस चुनाव में उन्हें सजा जरूर देना है। लोकतंत्र में सजा देने का तरीका है, आपका एक वोट। वोट से आपलोग इन्हें सजा देना।

घुसपैठियों का...

इस चुनाव में दो खेमे लगे हैं। एक ओर बिखरा हुआ ठगबंधन और दूसरे ओर पांच पांडवों वाला एनडीए है। आधे बिहार ने वोट डाल दिए हैं। पहले चरण में लालू-राहुल की पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया। बिहार में एनडीए सरकार बनने वाली है। मोदी-नीतीश के नेतृत्व में बिहार आगे बढ़कर एक विकसित राज्य बनने जा रहा है। अगले पांच साल में सीमांचल में एक-एक अवैध गतिविधि को भाजपा और एनडीए की सरकार उखाड़ फेकेंगी। हमारी मतदाता सूची से घुसपैठिए निकालने चाहिए या नहीं निकालने चाहिए। यह राहुल गांधी और लालू प्रसाद घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं। लेकिन, आप दोनों कान खोलकर सुन लें कि हम लोग उन्हें सीमांचल की धरती से निकाल कर उनके देश भेज कर रहेंगे।अमित शाह ने कहा कि थोड़ी सी गलती हुई तो जंगलराज वापस आ जाएगा। अमित शाह ने कहा कि दिनदहाड़े यहां पर एमएलए की हत्या हुई थी। नीतीश कुमार ने जंगलराज समाप्त कर दिया है। अब यह जंगलराज नए चेहरे के साथ, नए भेष बदलकर वापस आ रहा है। इसलिए कमल छाप पर बटन दबाइए और एनडीए को जिताने का काम कीजिए। गृह मंत्री ने कहा कि लालू की पार्टी शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट दिया और शहाबुद्दीन के लिए अमर रहे का नारा लगाया। तेजस्वी यादव कान खोलकर सुन लो अब बिहार की धरती पर शहाबुद्दीन और ओसामा की जगह नहीं रही।

प. अफ्रीकी देश ...

जो आए दिन हमले और अपहरण की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। विशेष रूप से अल-कायदा से जुड़ा संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल मुस्लिमीन (जेएनआईएम) देश में हिंसा फैला रहा है। हाल ही में इस संगठन ने ईंधन पर नाकेबंदी लगा दी थी, जिससे पहले से जूझ रही माली की अर्थव्यवस्था और बिगड़ गई है।2012 से अब तक देश में कई बार सैन्य तख्तापलट और गृहयुद्ध जैसे हालात बन चुके हैं। सितंबर में इसी संगठन ने दो अमीराती नागरिकों और एक ईरानी नागरिक का अपहरण किया था। इन तीनों को पिछले हफ्ते कम से कम 50 मिलियन डॉलर (करीब 415 करोड़ रुपए) की फिरौती मिलने के बाद रिहा किया गया। फिलहाल भारतीय विदेश मंत्रालय और माली सरकार इस ताजा घटना की जांच कर रहे हैं। अपहरण किए गए भारतीयों की सुरक्षित वापसी के प्रयास तेज किए जा रहे हैं।

भाजपा को मिलेगा...

प्रशांत किशोर के बिहार की राजनीति में एंट्री करने पर राजनाथ सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी जन सुराज को एक भी सीट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, प्रशांत किशोर एक महत्वहीन फैक्टर हैं और इस पर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। लोग जानते हैं कि कौन वोट काटने के लिए लड़ रहा है और कौन सरकार बनाने के लिए। किशोर की पार्टी शायद एक भी सीट न जीत पाए।राजनाथ सिंह ने बिहार में एनडीए के चुनाव जीतने पर नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही सरकार बनने की बात दोहराई। साथ ही, उन्होंने वोट चोरी के राहुल गांधी के अनर्गल आरोपों पर भी कटाक्ष किया। राजनाथ सिंह ने कहा, नीतीश कुमार और उनकी सरकार के बारे में जनसामान्य में सकारात्मक माहौल है। लोग जब 2005 के पहले की राजद-कांग्रेस की सरकारों के कामकाज की तुलना करते हैं और इस सरकार के कामकाज को देखते हैं, तो सहज रूप से इस नतीजे पर पहुंचते हैं कि यदि सुशासन कोई दे सकता है, तो वह नीतीश कुमार के नेतृत्व की एनडीए सरकार ही दे सकती है, कोई दूसरा नहीं दे सकता। इसलिए आम जनता का समर्थन एनडीए को प्राप्त होगा। ऐसा मेरा पक्का विश्वास है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सेना में आरक्षण की बात कहे जाने पर राजनाथ सिंह ने कहा, सेना में सभी वर्गों के लोग हैं। सेना की न कोई जाति होती है, न कोई पंथ है, न कोई धर्म है। उसका एक ही धर्म है। वह है सैन्य धर्म। मैं समझता हूं कि इस प्रकार की बेतुकी बातें कोई देशहित सोचने वाला व्यक्ति नहीं कर सकता। राहुल गांधी के वोट-चोरी के घिसे-पिटे डायलॉग के बारे में राजनाथ सिंह ने कहा, यदि वोट चोरी हो रही है तो कहां-कहां चोरी हुई? किस-किस वोट की चोरी हुई? इसकी शिकायत लिखित रूप से चुनाव आयोग को क्यों नहीं करते राहुल गांधी? यह केवल देश की जनता को बोल-बोलकर गुमराह करने की कोशिश है। राजनीति ऐसे नहीं होती है। आंखें चुराकर राजनीति नहीं होती। आंखों में आंखें डालकर राजनीति होती है। वशर्ते आरोप लगाने वाले में नैतिक दम हो।

अधि योग से मेष, मिथुन सहित अन्य राशियों का चमकेगा करियर

आज यानी 9 नवंबर 2025, रविवार के दिन चंद्रमा से छठे भाव में बुध के होने से अधि योग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष में इसे मजबूत और शक्तिशाली राजयोग के समान माना जाता है। अधि योग के परिणामस्वरूप जातक को जीवन में सफलता, मान-सम्मान और धन की प्राप्ति होती है। इसके प्रभाव से मेष राशि के जातकों को व्यापार में प्रगति देखने को मिलेगी और वैवाहिक जीवन आनन्द दायक रहेगा। मिथुन राशि वालों को हर काम में सफलता मिलेगी और सभी कार्य आसानी से पूरे हो जाएंगे। वहीं, धनु राशि वालों की कार्यक्षेत्र में स्थिति मजबूत बनेगी और राजनीतिक संबंधों से लाभ प्राप्त होगा। जबकि कुंभ राशि के जातकों की कार्यक्षेत्र में सराहना होगी और लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मेष राशि : व्यापार में प्रगति देखने को मिलेगी

मेष राशि के जातकों का आज का दिन शानदार रहने वाला है। दिन की शुरुआत में ही शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। व्यापार में प्रगति से आपको काफी खुशी होगी। वैवाहिक जीवन भी आपका आज आनन्द दायक गुजरने वाला है। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा महसूस होगा। शाम से रात के समय तक पत्नी व बच्चों के साथ आस-पास की यात्रा का योग बन रहा है। घूमने-फिरने के दौरान भी कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

वृष राशि : रुका हुआ काम आज पूरा होगा

राशि स्वामी शुक्र का षष्ठम भाव में होना और चंद्रमा का मिथुन राशि में गोचर आज आपके जीवन में सुखद अनुभव लेकर आ रहा है। लंबे समय से रुके हुए किसी कार्य के पूरा होने का शुभ समाचार आज सुनने को मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलने से आत्म संतोष का अनुभव होगा। शाम का समय परिवार या प्रियजनों के साथ हंसी-मजाक में बीतेगा, जिससे मानसिक तनाव कम होगा।

मिथुन राशि : हर काम में सफलता प्राप्त होगी

राशि अधिपति बुध के षष्ठक भाव में होने और चंद्रमा के मिथुन राशि के फलस्वरूप आज आपको हर काम में सफलता प्राप्त होगी। जो भी काम आप करेंगे वह आसानी से पूरा हो जाएगा। इस दौरान आपको व्यर्थ के कार्यों में अपना समय बर्बाद करने से बचना होगा। खर्चों में थोड़ी सी कटौती आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है। जायदाद या किसी अन्य मूल्यवान वस्तु की सौदेबाजी करने से पहले उसके सारे वैधानिक दस्तावेजों का अच्छी तरह अध्ययन कर लें।

कर्क राशि : आपके शत्रुओं का मनोबल गिरेगा

राशि से द्वादश भाव में स्थित गुरु और चंद्रमा आज आपके लिए अत्यंत शुभ संयोग बना रहे हैं। यह योग सर्वत्र विजय, सम्मान और सफलता का प्रतीक है। आर्थिक दृष्टि से भी दिन लाभदायक रहेगा। आपके शत्रुओं का मनोबल गिरेगा। इस दौरान बच्चे खेल कूद में बिजी रहेंगे तो पत्नी हास्य रस में विभोर रहेगी। दूसरों की मदद करने से आपको सुकून मिलेगा। शाम के समय किसी विद्वान व्यक्ति से मिलने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

सिंह राशि : कामकाज में नए अवसर मिलेंगे

सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन करियर के लिए शुभ संकेत दे रहा है। राशि स्वामी सूर्य का तुला राशि के तृतीय भाव में और चंद्रमा का एकादश भाव .में होना आपके भाग्य और सम्मान में वृद्धि का संकेत है। आपको कामकाज में नए अवसर मिल सकते हैं। पुराने दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। इस दौरान नई योजनाओं पर बात हो सकती है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है।

कन्या राशि : कार्यक्षेत्र में भार का अनुभव होगा

कन्या राशि के जातक आज किसी प्रिय व्यक्ति के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहेंगे। कार्यक्षेत्र में काम का भार भी आज कुछ ज्यादा अनुभव हो सकता है। इस दौरान आपको थोड़ा सोच-समझकर काम करना होगा। अपने जूनियर्स से काम निकालने के लिए प्यार से काम लेना होगा। घर में भी खुशी का वातावरण बना रहेगा। घर की समस्याएं अपने आप हल हो जाएंगी।

तुला राशि : नुकसान झेलना पड़ सकता है

तुला राशि वालों के लिए आज के दिन मिलाजुला प्रभाव देखने को मिलेगा। हालांकि इस दौरान किसी भी मामले में फैसला जल्दबाजी में न करें। व्यक्तिगत मतभेदों को व्यावसायिक मामलों के बीच में लाने से आपको नुकसान झेलना पड़ सकता है। प्रेमी या किसी अन्य निकट के व्यक्ति से कोई कहासुनी के आसार दिख रहा हैं। ऐसे में बातचीत से मामले को सुलझाना आपके लिए बेहतर होगा।

वृश्चिक राशि : साथियों के बीच लोकप्रियता बढ़ेगी

आज के दिन आपकी अपने साथियों के बीच लोकप्रियता बढ़ेगी। किसी राजनयिक से निकटता व दोस्ती होगी। ऐसे में उसके अनुभव का लाभ आपको प्राप्त होगा और भविष्य में फायदा होगा। विद्यार्थियों को सलाह है कि अपना अधिक से अधिक समय अध्ययन में लगाएं। शाम से लेकर रात्रि का समय पाठ पूजा व किसी धार्मिक अनुष्ठान में व्यतीत होगा।

धनु राशि : राजनीतिक संबंधों से लाभ मिलेगा

धनु राशि वालों के लिए आज का दिन करियर के लिहाज से अनुकूल रहने वाला है। आपके विरोधी आज आपके आगे टिक नहीं पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत बनेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और राजनीतिक संबंधों से लाभ मिलेगा। हालांकि, आज अपनी वाणी पर संयम रखना आपके लिए जरूरी है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और किसी को उधार देने से बचें। शाम के बाद प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी। यात्रा के दौरान सतर्क रहें।

मकर राशि : अकस्मात् धन लाभ के अवसर

मकर राशि के जातकों का आज का दिन बेहद शुभ रहने वाला है। आज आपको कोई उपहार या सम्मान प्राप्त हो सकता है। इस दौरान कोई पुरानी महिला मित्र से अकस्मात् धन लाभ होने से मन प्रसन्न हो जाएगा। रोजगार की दिशा में भी आपको सफलता मिलती हुई दिख रही है। शाम से लेकर रात के समय तक अनचाही यात्रा का योग बन रहा है। ये यात्रा आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। प्रियजनों से दिन के खत्म होने तक भेंट भी हो सकती है।

कुंभ राशि : धन में वृद्धि की प्रबल संभावना

राशि का स्वामी शनि उदय हो चुका है। पंचम प्रमुख त्रिकोण में चंद्रमा संतान पक्ष से खुशी और लक्ष्मी की बड़ी मात्रा में प्राप्ति के संकेत दे रहा है। इससे आपके धन में वृद्धि की प्रबल संभावना बन रही है ।आज आपकी उत्कृष्ट कार्यशैली और मृदु व्यवहार आपको विशेष पहचान दिलाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना होगी और लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल होंगे। हालांकि इस दौरान पास या दूर की यात्रा प्रबल होकर स्थगित हो जाएगी।

मीन राशि : आपका भाग्य प्रबल रहेगा

राशि स्वामी देव गुरु बृहस्पति के मिथुन राशि में स्थित होने से आज आपका भाग्य प्रबल रहेगा। यह स्थिति आपके जीवन में प्रगति, सम्मान और आत्मविश्वास की वृद्धि का संकेत दे रही है। आज सुबह से ही आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है। आज के दिन आप किसी धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाओं में व्यस्त रहेंगे। पिता व उच्चाधिकारियों से शाबासी मिलेगी। वही, शाम से लेकर रात्रि देर तक जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। हालांकि, थकान से थोड़ी परेशानी जरूर हो सकती है।

ज्ञान तभी फल देता है जब उसे पाने वाला श्रद्धा से उसे ग्रहण करे

एक बार एक युवक ज्ञान की खोज में एक विख्यात गुरु के पास पहुंचा। वह बोला, 'गुरुदेव! मुझे ज्ञान दीजिए, मैं संसार की सच्चाई जानना चाहता हूं।' गुरु मुस्कराए, 'ज्ञान अवश्य मिलेगा, लेकिन पहले इसका मूल्य देना होगा।' युवक हैरान हुआ, 'क्या ज्ञान भी बिकता है, गुरुदेव?' गुरु ने शांत स्वर में कहा, 'हां पुत्र, जो चीज़ बिना मूल्य के मिलती है, वह मन में नहीं बसती, वह स्मृति में नहीं टिकती। ज्ञान को धारण करने के लिए त्याग, विनम्रता और समर्पण का मूल्य देना पड़ता है।'

जब हम किसी चीज़ के लिए परिश्रम या मूल्य चुकाते हैं, तो हमारा मन उसमें निवेश कर देता है। जैसे आपने किसी पुस्तक को मेहनत से खरीदा, तो आप उसे ध्यान से पढ़ेंगे, उसकी बातें याद रखेंगे, क्योंकि उसमें आपका योगदान है। लेकिन वही पुस्तक अगर किसी ने मुफ्त में दे दी, तो अक्सर वह घर के किसी कोने में पड़ी रहती है। जब व्यक्ति अपने श्रम या धन से कुछ प्राप्त करता है, तो उसका मन कहता है, 'यह मेरा है, मुझे इसे सार्थक बनाना है।' इसलिए ज्ञानीजन कहते हैं कि, 'जब तक तुम अपने मन, श्रम या धन से कुछ दोगे नहीं, तब तक ज्ञान तुम्हारे जीवन में जड़ नहीं पकड़ेगा।'

ज्ञान तभी फल देता है जब उसे पाने वाला श्रद्धा से ग्रहण करता है। जो व्यक्ति बिना आदर या समर्पण के ज्ञान सुनता है, वह उसे केवल सूचना समझकर भूल जाता है। कहा जाता है कि जो चीज मुफ्त में मिलती है, वह आपके हृदय में नहीं उतरती, क्योंकि आपने उसके लिए अपने भीतर कोई जगह नहीं बनाई। मुफ्त में मिलने वाला भोजन कई बार आधा छोड़ दिया जाता है। लेकिन जब वही भोजन हम अपनी मेहनत से खरीदते हैं, तो उसे व्यर्थ नहीं जाने देते। ज्योतिषी ग्रहों की गणना के माध्यम से कर्मों का दर्शन कराकर उपाय बताते हैं। ग्रह हमारे कर्मों की दिशा बताते हैं पर परिवर्तन तभी आता है जब व्यक्ति स्वेच्छा से उपाय को अपनाए। मुफ्त सलाह सुनने वाला व्यक्ति प्रायः उसे जांचने के भाव से सुनता है, उस पर श्रद्धा, ध्यान और अनुपालन नहीं करता और इसलिए ग्रहों की शुभ शक्ति उसके भीतर सक्रिय नहीं हो पाती।

रावण के आते ही माता सीता क्यों उठा लेती थीं घास का तिनका, जानें क्या है इस तिनके का रहस्य

लंकापति रावण देवी सीता का हरण करके उन्हें लंका ले तो गया था। लेकिन वहां सीता मईया को स्पर्श करने का साहस तक नहीं कर पाता था। जब भी रावण माता के पास जाता तो वो घास एक तिनका उठा लेती थीं और यही तिनका रावण के न छू पाने का कारण भी था। लेकिन उस तिनके में ऐसा क्या था जो महाशक्तिशाली राक्षस, जिसने इंद्र को भी हरा दिया वह सीता माता को स्पर्श तक नहीं कर पाया।

माता सीता और तिनके की कथा

रामायण के अनुसार रावण ने लंका में सीता माता को अशोक वाटिका में रखा था। रावण सीता माता को जबरन ले तो आया था लेकिन कभी भी उन्हें स्पर्श नहीं कर पाया। जब भी रावण सीता मां के नजदीक जाता तो माता घास का एक तिनका उठा लेती थीं। इस तिनके के पीछे माता सीता का एक चमत्कार और राजा दशरथ जी को दिया गया वचन छिपा हुआ है। एक बार अयोध्या के राजभवन में सभी को भोजन परोसा जा रहा था। उस समय माता कौशल्या प्रेम पूर्वक सभी को भोजन खिला रही थीं। इसके पश्चात, माता सीता सभी को खीर परोसने लगीं और फिर, जब सब भोजन शुरू करने वाले थे तभी बहुत से जोर से हवा चली। उस समय सभी ने अपने भोजन के पत्तलों को संभाला। तब सीता जी उस दृश्य को बहुत ध्यान से देख रही थीं।

माता सीता का चमत्कार और तिनके का रहस्य

माता सीता ने देखा की राजा दशरथजी की खीर पर एक छोटा सा घास का तिनका आ गिरा है। लेकिन उनके लिए दुविधा की स्थिति यह थी की उस घास के तिनके को वो खीर में हाथ डालकर नहीं निकाल सकती थीं। ऐसे में सीता माता ने उस तिनके को दूर से ही एकटक देखना शुरू कर दिया। सीताजी उस तिनके को बिना पलक झपकाए तब तक देखती रहीं जब तक की वह तिनका एक राख में नहीं बदल गया। राख बनकर एक बिंदु समान रह जाने पर सीताजी ने अपने नजरें हटा लीं और सभी को देखकर मन में इस बात की तसल्ली की उनको किसी ऐसा करते हुए नहीं देखा। लेकिन तिनके को राख बनाते हुए राजा दशरथजी ने माता सीता को देख लिया था। हालांकि, उन्होंने उस समय किसी से कुछ नहीं कहा और भोजन करने लगे।

राजा दशरथ को दिया माता सीता ने ये वचन

भोजन करके बाद राजा दशरथ जब अपने कक्ष में वापस गए तो उन्होंने वहां माता सीता को बुलवाया और उन्हें बताया की मैंने आज भोजन के समय आपके चमत्कार को स्वयं देखा है। आप साक्षा जगत जननी स्वरूपा हैं। यह कहकर दशरथ जी माता सीता से एक वचन लेते हैं और उनसे कहते हैं कि मेरी इस बात को याद रखना कि जिस प्रकार तुमने उस तिनके को देखा उस तरह कभी अपने शत्रु को भी मत देखना। तब सीता ने राजा दशरथजी को यह वचन दे दिया।

तृण धर ओट कहत वैदेही
सुमिरि अवधपति परम सनेही

राजा दशरथ के दिए वचन को ही ध्यान में रखते हुए सीता ने कभी भी रावण को उस नजर से नहीं देखा। अगर माता सीता चाहती तो रावण को उस घास के तिनके के समान देखकर उन्हें राख कर सकती थीं। लेकिन राजा दशरथजी को दिए वचन और प्रभु श्रीराम को रावण से विजय दिलाने के लिए माता सीता शांत रहीं। ऐसे में जब भी रावण सीताजी के सामने आता था तो वो घास के तिनके को उठाकर राजा दशरथजी को दिए हुए वचन को याद कर लेती थीं। रावण और सीता माता के बीच वही तिनका था, जिसे राख होते देख रावण भी सीताजी को स्पर्श करने का साहस न कर सका। दूसरी बात यह यह है कि, रावण को तिनके की शक्ति का भी अंदाजा था, उसे पता था कि कैसे प्रभु श्रीराम ने तिनके से बह्माशास्त्र बना दिया और फिर इंद्र पुत्र जयंत को त्रिलोक में कहीं शरण नहीं मिल पाया। ऐसे ही कहीं देवी सीता ने ब्रह्माशास्त्र चला दिया तो फिर उसकी क्या गति होगी।

खूनी नीलम होता है अशुभ शनि का रत्न नीलम धारण करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

नीलम यदि दोषयुक्त हो तो उसे धारण करने पर शुभ के स्थान पर अशुभ फल ही प्राप्त होता है, अतरू ज्योतिष शास्त्र की दृष्टि से दोषी नीलम धारण करना वर्जित है, अतरू नीलम धारण करते समय हमेशा ध्यान रखें कि उसका आकार सुडौल हो, बेडौल न हो, कोने आड़े-तिरछे न हों, छूने पर कोमलता मिले।

शनि रत्न नीलम के दोष

नीलम के रंग संबंधी दोष

नीलम एक वर्णीय अर्थात् नीलम में एक से अधिक रंग नहीं होने चाहिए। नीलम में अन्य रंग के धब्बे एवं लकीर नहीं होने चाहिए। श्याम और रक्तिम आभा युक्त नीलम दोषपूर्ण माना गया है। सामान्य रूप इसे धारण नहीं करना चाहिए। सम्पूर्ण नीलम रत्न में एक समान रंग होना चाहिए। कहीं कम कहीं ज्यादा रंग न हो, जिस नीलम में दो रंग दिखाई दें, वह सन्तान एवं पत्नी के लिए कष्टदायक होता है और शत्रुओं की वृद्धि करता है। यदि नीलम में कहीं हल्का कहीं गहरा रंग हो तो उसे भूलकर भी न खरीदें क्योंकि ऐसा नीलम बुद्धि-विवेक को नष्ट करता है, ऐसे दोषपूर्ण नीलम को धारण नहीं करना चाहिए।

बिना चमक का नीलम

जो नीलम कान्तिहीन हो एवं उसमें से रश्मियां ना फूटें, ऐसे नीलम को धारण न करें क्योंकि आभा (चमक) रहित नीलम प्रभावहीन व मित्र-बन्धु नाशक होता है। ऐसा नीलम 'सुन्न' कहलाता है।

दूधिया नीलम

जो नीलम दूधिया रंग लिए होता है, वह दरिद्रता कारक एंव कुल की लक्ष्मी का नाशक होता है। ऐसा नीलम अगर मुफ्त में भी मिले तो नहीं लेना चाहिए।

जाल एवं गड्ढेदार नीलम

नीलम खरीदते समय उस पर पड़े जाल एवं गड्ढों पर भी ध्यान देना चाहिए। जाल जैसे चिन्ह वाला नीलम, धारण करने वाले को रोगी बनाता है और गड्ढेदार नीलम शत्रुभय बढ़ाता है। इसी प्रकार चीरा या क्रॉस युक्त नीलम दरिद्रता बढ़ाता है। यदि नीलम में सफेद लाइन या धारी-सी दिखाई पड़े तो ऐसा नीलम शारीरिक पीड़ा व मृत्यु तुल्य कष्ट देता है।

खूनी नीलम

नीलम में लाल रंग का बिन्दु, छींट या धब्बा होने पर वह दोषी नीलम, खूनी नीलम कहलाता है। ऐसा नीलम प्राण घातक होता है, हत्या करवाता है या आत्महत्या की ओर प्रेरित करता है। केवल जन्म कुण्डली में एक विशेष योग एवं परिस्थिति में यह नीलम लाखों में से एक व्यक्ति को पहनाया जाता है, अतरू भूलकर भी खूनी नीलम धारण नहीं करना चाहिए।

इसी प्रकार नीलम में अन्य रंगों की छींटें, बिन्दु या धब्बे दोषपूर्ण होते हैं। ऐसा पत्थर चोट-चपेट की आशंका बढ़ाता है, एक्सीडेन्ट आदि करवाता है, इसलिए नीलम खरीदते समय हमेशा ध्यान देना चाहिए और कभी भी चटका, खुरदुरा, कटा, टूटा, घिसा हुआ नीलम नहीं धारण करना चाहिए। शुद्ध नीलम में नीली किरणें निकलती नजर आयेंगी। जो रत्न चिकनाई युक्त, पारदर्शी, साफ, चमकीली नीली किरण लिए हुए एवं सुडौल होता है, वह रत्न शुभ रत्नों मे गिना जाता है, मोर (मयूर) पंख के रंग वाला नीलम सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

अच्छी कमाई होने के बाद भी घर में नहीं टिकता पैसा, वास्तु के ये उपाय दूर कर सकते हैं गरीबी

घर में खुशहाली, सकारात्मकता, शांति और समृद्धि बनाए रखने के कई नियम व उपाय बताए गए हैं। अगर किसी व्यक्ति के घर में अच्छी कमाई होने के बाद भी पैसा न टिकता हो, एक बाद एक परेशानियों आ रही हों, फिजूलखर्ची रहती हो और बाधाओं का सामना करना पड़े तो यह घर में वास्तुदोष के चलते हो सकता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में अगर वास्तुदोष हो तो जातक को जीवन में कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे छुटकारा पाने के लिए वास्तु के कुछ विशेष उपाय आजमाए जा सकते हैं। इनसे आपके घर से गरीबी और वास्तुदोष दूर हो सकता है। साथ ही, पैसा टिकना भी शुरु हो जाता है और धन-धान्य में वृद्धि होती है।

वास्तुदोष दूर करने का उपाय

अगर आप घर में एक के बाद एक समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो इसका कारण वास्तुदोष हो सकता है। इससे मुक्ति पाने के लिए अपने घर के मेन गेट पर एक साइड केले का पेड़ और एक साइड पर तुलसी का पौधा लगाएं। इस उपाय को करने से वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है। ऐसे में घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है और परिवार के सदस्यों के बीच भी आपसी प्रेम बना रहता है। इस उपाय से आपको तरक्की प्राप्त हो सकती है।

धन-धान्य में वृद्धि का उपाय

इसके लिए शिवरात्रि, दिवाली, होली आदि शुभ अवसरों पर रात के समय तांबे के तीन सिक्कों की पूजा करनी चाहिए। इसके बाद, इन्हें अपनी तिजोरी या धन व गहने रखने वाले स्थान पर रख लें। ऐसा करने से आपको फिजूलखर्ची से छुटकारा मिल सकता है और घर में पैसे टिकने भी शुरू हो जाते हैं। वास्तु के इस आसान उपाय को आजमाने से धन-धान्य में वृद्धि होती है और कमाई में भी वृद्धि हो सकती है।

घर में सुख-समृद्धि बढ़ाने के उपाय

अपने घर के मंदिर में स्फटिक के शिवलिंग लाकर रखें और नियमित रूप से उनकी पूजा करें। साथ ही, पूजा स्थल को हमेशा साफ रखना चाहिए। वहां गंदगी रखने से जातक को वास्तु दोष का सामना करना पड़ सकता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में स्फटिक का शिवलिंग होने से हर प्रकार के नकारात्मक प्रभाव समाप्त होते हैं और घर में सुख-समृद्धि को बढ़ावा मिलता है।

तरक्की और भगवान की कृपा पाने का उपाय

पूजा घर में प्रतिदिन नियमित रूप से एक दीपक जरूर जलाना चाहिए। साथ ही, घर में दो समय पूजा करते वक्त शंख की ध्वनि जरूर करनी चाहिए। ऐसा करने से घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। वास्तु के अनुसार, प्रतिदिन घर में पूजा करने और शंख की ध्वनि से देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही, आपको आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है और धन में वृद्धि के योग बनते हैं।

इन गलतियों से लगता है वास्तुदोष

घर में झाड़ू के ऊपर कभी भी कोई वजन वाली वस्तु नहीं रखनी चाहिए। साथ ही, झाड़ू को पटककर भी नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से वास्तुदोष लग सकता है और घर में पैसा टिकना बंद हो जाता है।

वास्तुशास्त्र में टूटे हुए बर्तन, पलंग या फर्नीचर का इस्तेमाल करना अच्छा नहीं माना जाता है। घर में रखी टूटी-फूटी चीजें वास्तुदोष का कारण बन सकती है। साथ ही, इससे धन की हानि होती है और पैसा टिकना बंद हो जाता है।

माना जाता है कि कभी भी सूर्योदय के बाद तक नहीं सोते रहना चाहिए। ऐसा करने से वास्तुदोष उत्पन्न हो सकता है और धन हानि की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में हमेशा सूर्योदय से पहला उठ जाना चाहिए।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर के मंदिर में कभी भी सूखे हुए फूल-माला आदि नहीं रखने चाहिए। ऐसा करने से अशुभ फल की प्राप्ति होती है। ऐसे में देवी-देवताओं को चढ़ाए फूल और माला अगले दिन मंदिर से हटा देने चाहिए।

कमल हासन: सात फिल्मों को मिला ऑस्कर के लिए नामांकन, दुनिया में मनवाया अपना लोहा

दक्षिण भारतीय सिनेमा के वरिष्ठ कलाकार कमल हासन अपने अभिनय और बहुमुखी प्रतिभा के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में 60 साल से ज्यादा का सफर तय करने वाले कमल हासन ने सिनेमा को सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि कला का मंच बना दिया। उनकी फिल्मों में अभिनय, निर्देशन, पटकथा, संगीत और डांस का ऐसा मिश्रण देखने को मिलता है, जो बहुत कम कलाकारों में होता है। अभिनेता की खासियत यह भी है कि उनकी सात फिल्मों को ऑस्कर के लिए नामांकित किया गया, जो किसी भी कलाकार के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। कमल हासन का जन्म 7 नवंबर 1954 को तमिलनाडु में हुआ था। उन्होंने बहुत ही छोटी उम्र में सिनेमा में कदम रखा। सिर्फ पांच साल की उम्र में ही उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'कलाथुर कन्नम्मा' में बतौर बाल कलाकार काम किया। उस समय उनकी मासूमियत और अभिनय की क्षमता ने दर्शकों और फिल्म क्रिटिक्स दोनों का दिल जीत लिया। उनकी इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट का प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल भी मिला। यह उनके करियर की शुरुआती बड़ी सफलता थी, जिसने आगे आने वाले वर्षों के लिए रास्ता तैयार किया। आगे चलकर कमल हासन ने कई बड़े स्टार्स के साथ काम करना शुरू किया। उन्होंने एम.जी.आर., शिवाजी गणेशन और जेमिनी गणेशन जैसी तमिल सिनेमा की दिग्गज हस्तियों के साथ स्क्रीन साझा किया, जिनमें उनकी प्रतिभा साफ नजर आई और धीरे-धीरे उन्होंने खुद को एक प्रमुख अभिनेता के रूप में स्थापित किया। इसके बाद उन्होंने मलयालम, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी काम किया। उनकी बहुभाषी फिल्मों ने उन्हें पूरे देश में लोकप्रिय बना दिया।

कमल हासन का करियर सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने फिल्मों में निर्देशन, पटकथा लेखन, गाने, संगीत निर्देशन और कोरियोग्राफी जैसे कई क्षेत्रों में भी अपना नाम बनाया। उनकी मेहनत और प्रतिभा का परिणाम यह रहा कि उनकी कई फिल्में न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल हुईं बल्कि आलोचकों ने भी उनकी तारीफ की। उनकी कुछ फिल्में, जैसे 'स्वाति मुत्यम', 'सागर', 'नायागन', 'थेवर मगन', 'कुरुथिपुनल', 'इंडियन' और 'हे राम', ने उन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाई और ऑस्कर तक का रास्ता खोल दिया। किसी भी साउथ सुपरस्टार के लिए सात फिल्मों का ऑस्कर तक नामांकित होना बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। उनकी फिल्मों में सामाजिक मुद्दों, प्यार, भ्रष्टाचार और मानवीय संवेदनाओं की झलक देखने को मिलती है।

कमल हासन को अब तक चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, कई फिल्मफेयर अवॉर्ड और सरकार की तरफ से पद्मश्री और पद्मभूषण जैसे सम्मान मिल चुके हैं। उनकी अदाकारी, बहुमुखी प्रतिभा और मेहनत ने उन्हें सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में पहचान दिलाई। आज भी वह फिल्मों में सक्रिय हैं।

विजय देवरकोंडा ने की द गर्लफ्रेंड की तारीफ, रश्मिका मंदाना ने हार्ट इमोजी से दिया जवाब

रश्मिका मंदाना और धीक्षित शेट्टी स्टारर फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। कई भाषाओं में रिलीज की गई फिल्म एक टॉक्सिक रिश्ते को दिखाती है। एक्टर विजय देवरकोंडा ने फिल्म की जमकर तारीफ की, जिससे खुश रश्मिका ने उन्हें एक प्यारा रिप्लाई किया। विजय देवरकोंडा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' की तारीफ में एक पोस्ट डाला था, जिसका जवाब देते हुए रश्मिका ने बहुत सारे हार्ट इमोजी पोस्ट किए। उन्होंने लिखा, ये शब्द बहुत ही पावरफुल हैं, ये मेरे लिए बहुत जरूरी हैं, हालांकि इतनी अच्छी बातों को पचाना मेरे लिए मुश्किल होगा, लेकिन बहुत अच्छी बात कही है आपने। ये फिल्म धीमी गति से जलने वाली कहानी है जो लंबे समय तक चलती रहेगी। उन्होंने आगे लिखा, विजय देवरकोंडा, आप शुरू से ही इस फिल्म का इनडायरेक्ट तरीके से हिस्सा रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि आपको इस फिल्म के लिए मुझ पर गर्व होगा। रश्मिका ने चार लाइनों के पोस्ट में चार बार हार्ट इमोजी पोस्ट किया है।

दरअसल विजय देवरकोंडा ने फिल्म की तारीफ कर लिखा, मुझे पता है उन्होंने कुछ जबरदस्त बनाया है, कुछ खास बनाया है, कुछ ऐसा जिसे पचाना मुश्किल होगा। मुझे पता है कि सभी कलाकारों का अभिनय बेहतरीन है और हम पर्दे पर फिल्म को देखने के लिए बेताब हैं। आप सभी ने बहुत सारी मेहनत की है।ये पोस्ट इसलिए भी खास है, क्योंकि बीते साल से ही रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के डेटिंग की खबरें लगातार आ रही हैं। दोनों के वेकेशन पोस्ट भी सामने आ चुके हैं। खबरें तो यहां तक हैं कि दोनों स्टार्स बीते साल ही गुपचुप तरीके से सगाई कर चुके हैं।मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अगले साल फरवरी में वे सात फेरों के बंधन में बंध सकते हैं। दोनों की शादी 26 फरवरी, 2026 को राजस्थान के उदयपुर पैलेस में होने वाली है।रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा दोनों एक साथ कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं और मीडिया के सामने भी बहुत एलिगेंट तरीके से पेश होते हैं, हालांकि दोनों ने आज तक अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात नहीं की है।

भद्दा नहीं, ग्लैमरस है, हनी सिंह के गीत चिलगम पर बुरी तरह ट्रोल हुईं मलाइका

सिंगर और रैपर हनी सिंह इस वक्त अपने नए म्यूजिक वीडियो 'चिलगम' को लेकर चर्चा में हैं। जिसमें वो ब्यूटीफुल एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के साथ नजर आए हैं। एक तरफ जहां दोनों के फैंस गाने पर बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। वहीं कुछ लोग इसे मलाइका और हनी के डांस मूव्स की वजह से अश्लील कहते दिखे। गाने का टीजर आउट होने के बाद मलाइका को यूजर्स ने बुरी तरह से ट्रोल भी किया। जिनको अब एक्ट्रेस ने करारा जवाब दिया।

मलाइका अरोड़ा ने अपने नए गाने 'चिलगम' को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने 'चिलगम में काम करना काफी मजेदार था। ये बोल्ड है और एटीट्यूड से भरा हुआ है। यो यो हनी सिंह की एनर्जी बहुत हाई है। जब आप सेट पर होते हैं तो आप उनकी वाइब से मैच नहीं खा सकते। मुझे लगता है कि दर्शक भी उस एनर्जी को महसूस करेंगे।ये गाना भद्दा नहीं है बल्कि ग्लैमर और मेडनेस से भरा हुआ है।'

बता दें कि जब मलाइका और हनी सिंह के गाने का टीजर रिलीज हुआ था। तो सोशल मीडिया यूजर्स काफी भड़के हुए नजर आए थे। उन्होंने गाने को और मलाइका के डांस को अश्लील कहा था। कुछ यूजर्स ने तो मलाइका से गाना हटाने की भी मांग की थी। अभी तक हनी सिंह ने इन बातों पर कोई जवाब नहीं दिया है। मलाइका की बात करें तो एक्ट्रेस इससे पहले आयुष्मान खुराना की हालिया रिलीज फिल्म 'थामा' में भी 'पॉइजन बेबी' नाम का आइटम नंबर कर चुकी हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस के 'छैय्या छैय्या', 'मुन्नी बदनाम हुई', 'अनारकली डिस्को चली' और 'माही वे' जैसे गानें भी बहुत ज्यादा पॉपुलर हैं। बता दें एक्ट्रेस अपने डांस के साथ लव लाइफ को लेकर भी चर्चा में बनी रहती हैं।

मोटापे पर पूछे गए सवाल पर भड़की साउथ अभिनेत्री गौरी जी. किशन

साउथ फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस गौरी जी. किशन सुर्खियों में हैं। उनकी फिल्म 'अदर्स' सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसके चलते वह फिल्म के प्रमोशन में काफी बिजी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं, जहां पर उनसे एक यूट्यूबर ने कुछ ऐसा पूछ लिया, जिसे सुन वह आगबबूला हो गईं और करारा जवाब दिया। इस मामले में फैंस और स्टार्स उनके सपोर्ट में उतर आए हैं और ऐसे सवाल पूछे जाने की निंदा कर रहे हैं। दरअसल, विवाद तब खड़ा हो गया जब एक यूट्यूबर ने गौरी के सह-कलाकार आदित्य माधवन से उनके वजन का हवाला देते हुए पूछा कि क्या किसी सीन के दौरान उन्हें उठाना मुश्किल था।

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए आईएएनएस से गौरी जी. किशन ने कहा, मेरे खिलाफ की गई यह एक बेहद घटिया टिप्पणी थी, जिसका फिल्म या मेरे प्रमोशन से कोई लेना-देना नहीं था। यह सिर्फ मेरा आत्मविश्वास कम करने और मेरे आत्म-सम्मान को कम करने के लिए किया गया था। यह एक मजाक के तौर पर किया गया था, और पिछले हफ्ते हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी ने इस पर हंसी उड़ाई थी। इस मामले में गौरी के सपोर्ट में खुशबू सुंदर, ऋचा चड्ढा और चिन्मयी श्रीपदा जैसे कलाकार सामने आए और ऐसे सवालों की निंदा की।

एक्ट्रेस की बात करें तो गौरी जी. किशन लंबे वक्त से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, हालांकि उन्होंने अभी कोई भी हिंदी फिल्म नहीं की है। उन्होंने 2018 में तमिल फिल्म '96' से फिल्मी दुनिया में एंट्री की। इस फिल्म में उन्होंने एक्ट्रेस त्रिशा के किरदार जानू के बचपन का रोल निभाया था। यह रोल छोटा जरूर था, लेकिन उनके अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

फिल्म जूटोपिया 2 के ट्रेलर में छाईं श्रद्धा कपूर! जूडी हॉप्स के किरदार को हिंदी में दी आवाज

फिल्म जूटोपिया 2 के ट्रेलर का लंबे समय से इंतजार था, जो अब आखिरकार रिलीज हो गया है। इसने तुरंत सबका दिल जीत लिया। खासकर श्रद्धा कपूर ने। वो इस फिल्म में सबसे प्यारे किरदार 'जूडी हॉप्स' की हिंदी में आवाज बनी हैं। वीडियो में उनका जोश देखते ही बन रहा है। फैंस का कहना है कि वो इस किरदार की आवाज के लिए परफेक्ट हैं।

'जूटोपिया 2' के ट्रेलर से पता चलता है कि जूडी और निक की कहानी एक बार फिर रोमांचक, मजेदार और दिल को छू लेने वाली होगी। जूटोपिया की इस रंगीन दुनिया में इस बार नए चैलेंज, समझदारी भरा ह्यूमर और वही खास इमोशनल गहराई है, जिसने पहली फिल्म को दुनिया भर में हिट बनाया था।

फिल्म में हिंदी में श्रद्धा कपूर ने जूडो को आवाज दी है। फैंस ने कहा कि एक्ट्रेस की आवाज जूडी हॉप्स के किरदार में बिल्कुल सही बैठती है। मस्ती भरी, दिल को छू लेने वाली, भावनाओं से भरी और जब मिशन में हिम्मत दिखानी हो तो दमदार भी। उनकी जोशीली आवाज और प्यार भरे अंदाज को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

फैंस का कहना है कि श्रद्धा की आवाज से जूडी में एक नई जान आ गई है, जिससे 'जूटोपिया 2' का हिंदी वर्जन हर उम्र के दर्शकों के लिए मजेदार और दिलचस्प अनुभव बनने वाला है। एक फैन ने कहा, 'जूडी हॉप्स के लिए परफेक्ट च्वॉइस।' दूसरे ने कहा, 'शानदार।' आप इस फिल्म को इसी महीने थिएटर्स में देख सकते हैं। ये 28 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

टीवी का रावण, जिसे लोगों ने सचमुच मान लिया था खलनायक

19 1987 में रामानंद सागर का सीरियल 'रामायण' लोगों के लिए न सिर्फ मनोरंजन का साधन था, बल्कि आस्था का एक हिस्सा भी बन गया था। इस सीरियल के हर एक पात्र ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी, लेकिन एक ऐसा चेहरा था, जिसने लोगों को डराया भी और अपने अभिनय से प्रभावित भी किया, और ये चेहरा था अभिनेता अरविंद त्रिवेदी का। उस दौर में जब टीवी स्क्रीन पर रावण की गूंजती आवाज सुनाई देती थी, तो लोग एक पल के लिए ठहर जाते थे। अरविंद त्रिवेदी ने रावण के किरदार को अपने अभिनय से इतना प्रभावशाली बनाया कि लोग उन्हें असल में रावण ही समझ बैठते थे। वह जहां भी जाते, लोग उन्हें 'रावण' कहकर ही बुलाते थे। इस किस्से से साफ है कि उनका अभिनय कितना शक्तिशाली था। 8 नवंबर 1938 को मध्य प्रदेश के इंदौर में जन्मे अरविंद त्रिवेदी बचपन से ही अभिनय में रुचि रखते थे। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने थिएटर से अभिनय की शुरुआत की। उस दौर में गुजराती रंगमंच बेहद सक्रिय था, और अरविंद के साथ उनके बड़े भाई उपेंद्र त्रिवेदी भी अभिनय की दुनिया में नाम कमा रहे थे। दोनों भाइयों ने मिलकर गुजराती थिएटर और सिनेमा को नई पहचान दी।

जानें अरविंद त्रिवेदी की कहानी

अरविंद त्रिवेदी ने लगभग 300 फिल्मों में अभिनय किया, जिनमें हिंदी और गुजराती दोनों भाषाओं की फिल्में शामिल थीं। 'जेसल तोरल', 'कुंवरबाई नु मामेरू', 'वीर मंगदा वाला', और 'देश रे जोया दादा परदेश जोया' जैसी गुजराती फिल्मों में उनके किरदार दर्शकों को आज भी याद हैं।

1987 में रामानंद सागर की 'रामायण' के लिए अरविंद त्रिवेदी एक साधु का किरदार निभाने की उम्मीद लेकर ऑडिशन देने गए थे। लेकिन जैसे ही उन्होंने डायलॉग बोले, उनकी आवाज, चेहरा और हावभाव देखकर रामानंद सागर ने उन्हें रावण का रोल ऑफर कर दिया। यही वो पल था, जिसने अरविंद त्रिवेदी के जीवन को बदल दिया।

'रामायण' में काम करने से जहां एक तरफ वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ रहे थे, वहीं दूसरी ओर घर-घर में रावण के किरदार से पहचाने जाने के कारण लोग उन्हें अलग निगाहों से देख रहे थे। लोगों ने उन्हें असली का रावण समझ लिया था। कई तो उन्हें अपने घर बुलाने से भी कतराते थे। ये बात खुद अरविंद ने एक इंटरव्यू में बताई थी। उन्होंने हंसते हुए कहा था, लोग मुझे खलनायक समझते हैं, लेकिन मैं असल जिंदगी में बहुत धार्मिक इंसान हूं।

रामायण की अपार सफलता के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा। 1991 में वे गुजरात के साबरकांठा से लोकसभा सांसद चुने गए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में पांच साल तक संसद में काम किया। इसके बाद 2002 में उन्हें सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने भारतीय फिल्मों के लिए नीतिगत काम किया।

अरविंद त्रिवेदी को अपने अभिनय के लिए गुजरात सरकार से सात बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। 6 अक्टूबर 2021 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। उनके निधन की खबर सुनकर रामायण के उनके सह-कलाकार, राम बने अरुण गोविल और सीता बनी दीपिका चिखलिया ने भावुक श्रद्धांजलि दी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। घर में शांति और सुकून का माहौल बनाए रखने के लिए तालमेल से काम करें। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। आज का दिन उन चन्द दिनों जैसा है जब घड़ी की सुईयाँ बहुत धीरे–धीरे हिलती हैं और आप लंबे समय तक बिस्तर में पड़े रहते हैं। लेकिन इसके बाद ख़ुद को तरोताज़ा भी महसूस करेंगे और इसकी आपको काफ़ी ज़रूरत भी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। अपने दोस्तों के मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे । ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूस इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। आपके जीवन–साथी की सेहत तनाव और चिंता का कारण बन सकती है। सिर्फ़ स्पष्ट समझ के माध्यम से आप अपनी पत्नी/पति को भावनात्मक सहारा दे सकते हैं। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपको अपने जीवन में आज किसी खास इंसान की कमी खल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी ज़िंदगी और सेहत का सम्मान करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। दोस्तों से गपशप करना एक अच्छा टाइमपास हो सकता है ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

मौज–मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो धुंध आपके चारों तरफ़ छायी हुई है और आपकी प्रगति को बाधित कर रही है, उससे बाहर निकलने का समय है। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज आपका मन पहाड़ों में जाने का कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

मनोवैज्ञानिक डर आपको बेचैन कर सकता है। सकारात्मक सोच और हालात के उजले पहलू को देखना आपको इससे बचा सकता है। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। आप कुछ समय अपने व्यक्तित्व को निखारने में लगा सकते हैं, क्योंकि आकर्षक व्यक्तित्व का आत्म–निर्माण में अहम योगदान होता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गाड़ी चलाते समय सावधान रहें। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं। योग ध्यान का सहारा लेना आज आपको मानसिक रुप से प्रबल बनाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। नयी गतिविधियाँ और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी के साथ हँसते–खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। सुबह की ताजी धूप आज आपको नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 नवंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 01:56 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 08:05 तक
योग : सिद्ध सायं 03:01 तक
करण : कौलव सायं 03:07 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 12:08 से रात्रि 12:50

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री सिंह सैनी ने गुरुग्राम में आयोजित

18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का किया अवलोकन

चंडीगढ़, 08 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अर्बन डेवलपमेंट व मोबिलिटी कार्यक्रम शहरी विकास का एक समेकित मॉडल तैयार करता है। समेकित मॉडल ही एक मजबूत शहर का निर्माण करता है जिसके साथ ही मजबूत राष्ट्र निर्माण की दिशा में हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। इस प्रकार के सम्मेलन जहां नवाचार पद्धति के साथ बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की योजनाओं के क्रियान्वयन में कारगर हैं वहीं विजन 2047 में विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर बनाने में भी अहम है। मुख्यमंत्री शनिवार को गुरूग्राम में आयोजित 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधिगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने परिसर में लगी शहरी विकास और गतिशीलता को दर्शाती विकासात्मक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने देश भर से आए प्रतिनिधिगण का स्वागत करते हुए कहा कि यह गर्व और गौरव का विषय है कि हरियाणा को पहली बार इस राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करने का अवसर मिला है। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हैं जिनके कुशल मार्गदर्शन और समर्थन से ही यह तीन दिवसीय आयोजन संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि भारत का भविष्य अब केवल मेगा सिटीज में नहीं है। वर्तमान मांग के अनुरूप टियर–टू और टियर–थ्री शहर भी तेजी से विकसित हो रहे हैं। ऐसे में समावेशी विकास के लिए टियर–टू और टियर–थ्री शहरों के अनुसार मोबिलिटी विकल्पों पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहरों की योजना में स्थायी गतिशीलता और ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट को प्राथमिकता दी जा रही है। ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट को शहर की योजना का मुख्य आधार बनाने की दिशा में केंद्र व प्रदेश सरकार तेजी से कार्य कर रही है।

अनिल विज ने अंबाला में नई वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

अंबाला, 08 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज और राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर उसके गंतव्य की ओर से रवाना किया। इस मौके पर मंत्री अनिल विज ने प्रधानमंत्री मोदी की जमकर सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार सुबह वार–णसी से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह नई वंदे भारत ट्रेन दिल्ली से फिरोजपुर के बीच शुरू की गई है। इसका ठहराव हरियाणा के अंबाला में भी है, जहां से मंत्री अनिल विज ने ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत के विकास को नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते हुए पहिए लगे हैं। आज प्रधानमंत्री मोदी ने 4 वंदे भारत ट्रेनें शुरू की हैं, जिसमें एक ट्रेन दिल्ली से फिरोजपुर तक चलाई गई है। इससे लोग समय पर अपने गंतव्य पर पहुंच सकेंगे। प्रधानमंत्री मोदी को देश की जनता दिल की गहराइयों से मुबारकबाद देती है।

हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने कहा, मैं अंबाला स्टेशन पर खेल कर ही बड़ा हुआ हूं। मैंने उसको पूरी तरह बदलते हुए देखा है। एक समय था, जब पानीपत से लुधियाना ट्रेन चला करती थी। उस समय गाड़ी में जाते थे तो अपना चेहरा भी पहचान में नहीं आता था। कपड़े भी काले हो जाते थे। वंदे भारत की बात करते हुए उन्होंने कहा, इसकी गति 160-170 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। जिस दिन पहली वंदे भारत ट्रेन चली थी, मैं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ अंबाला से दिल्ली तक गया था। हमने गाड़ी में खड़े होकर चाय पी थी। वंदे भारत की विशेषता यह है कि उस समय एक बूंद भी चाय नहीं गिरी थी।

शिक्षा के साथ–साथ नैतिक मूल्यों को भी जीवन में धारण करें विद्यार्थी: राज्यपाल घोष

चंडीगढ़, 08 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा हरियाणा जैसे प्रगतिशील राज्य में द टेक्नोलॉजिकल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्सटाइल एंड साइंसेज जैसी संस्थाएं राज्य की औद्योगिक क्षमता और मानव संसाधन को सशक्त बना रही हैं। भविष्य के भारत को ऐसे ही संस्थानों की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षण के साथ–साथ नैतिक मूल्यों को भी जीवन में धारण करें और समाज व राष्ट्र की समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। डिग्री केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह एक जिम्मेदारी का प्रतीक और समाज के प्रति एक वचन है। राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष स्थानीय द टेक्नोलॉजिकल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्सटाइल एंड साइंसेज के दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में उनकी धर्मपत्नी मित्रा घोष भी मौजूद रहीं। समारोह में संस्थान की तरफ से राज्यपाल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान राज्यपाल प्रो.घोष ने विभिन्न विषयों से पास आउट लगभग 300 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की। उन्होंने कहा कि टीआईटीएंडएस जैसी संस्थाएं तकनीकी और औद्योगिक शिक्षा के भविष्य की दिशा निर्धारित कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी केवल रोजगार के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भावना से कार्य करें। यह दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्ति नहीं, बल्कि 'ज्ञान को कर्म में रूपांतरित करने' का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज का यह दिन केवल डिग्रियां प्रदान करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह बुद्धिमत्ता, परिश्रम और ज्ञान की साधना का उत्सव है। यह दिन जीवन का एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अंत दीक्षांत के साथ नहीं होता, बल्कि यह हर नए चुनौती के साथ पुन: प्रारंभ होती है।

इस तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में, हमारी सच्ची विजय मशीनों को अधिक बुद्धिमान बनाने में नहीं, बल्कि स्वयं को अधिक मानवीय बनाने में निहित है।राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है। विकसित भारत 2047 के आह्वान के साथ, भारत का सपना है, एक ऐसे भविष्य का, जो युवा शक्ति, वैज्ञानिक प्रगति और नैतिक नेतृत्व से प्रेरित हो।

हरियाणा को विकसित राज्य बनाने में जुटी है नायब सैनी सरकार : बड़ौली

चंडीगढ़, 08 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा की पानीपत में शनिवार को भाजपा कार्यालय श्याम कमल में बीएलए–1 की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में मंत्री कृष्ण बेदी, मंत्री कृष्ण लाल पंवार, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, डा. अर्चना गुप्ता सहित तमाम नेता मौजूद रहे। सभी नेताओं की उपस्थिति में बीएलए–1 को प्रजेंटेशन के माध्यम से कार्यों के बारे में समझाया गया। वंदे मातरम, आत्मनिर्भर भारत, रन फॉर यूनिटी कार्यक्रमों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यशाला में डा. अर्चना गुप्ता ने प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। बैठक में प्रदेश के सभी संगठनात्मक 27 जिलों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, प्रदेश पदाधिकारी सभी विधानसभाओं के बीएलए–1 मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने चल रहे कार्यक्रमों में मोर्चों की भूमिका पर भी चर्चा की। आत्मनिर्भर भारत व रन फॉर यूनिटी तथा वंदे मातरम कार्यक्रमों के तहत होने वाले सेमिनारों के बारे में पदाधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने आईटी, सोशल मीडिया के कार्यकर्ताओं को भी जरूरी दिशा निर्देश दिए। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने आगामी कार्यक्रमों के विषय में सभी कार्यकर्ताओं को रूपरेखा समझाई। वंदे मातरम कार्यक्रम के राज्य संयोजक मदन लाल गोयल ने कार्यशाला में प्रदेश में हुए कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली सहित सभी नेताओं ने सभी कार्यक्रमों को अच्छे से करने पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी और जमकर तारीफ की।

प्रधानमंत्री विकसित भारत के सपने को पूरा करने में अग्रसर : ओम बिरला

टोंक, 08 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शनिवार को टोंक आगमन पर शहर सहित जिले भर में भव्य स्वागत किया गया। भाजपा एवं सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत अभिनंदन किया। भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक अजीतसिंह मेहता के नेतृत्व में पुरानी टोंक काला बाबा चौराहा क्षैत्र में सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के टोंक आगमन पर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज दुनिया में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए और कठिन मेहनत करने की जरूरत है।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक व सामाजिक परिवर्तन हो रहा है। पूरे विश्व की नजर भारत पर है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कठिन परिश्रम एवं नीतियों से भारत प्रगति के पथ पर आर्थिक सामाजिक परिवर्तन के कारण मोदी के नेतृत्व में परिकल्पना कर दुनिया देश का नाम रोशन हो रहा है। इस अवसर पर पूर्व प्रधान जगदीश गुर्जर, पूर्व जिलाध्यक्ष श्यामलाल जैन, सतीश चन्देल, महेन्द्र चौधरी, मनीष बंसल, पांचू लाल माली, रमेश गढ़वाल, सत्यनारायण सैन, लेख–राज महावर सहित सैकड़ों की तादाद में कार्यकर्ता मौजूद थे।

इस अवसर पर कला पर्व पर रूस से आये 18 कलाकारों जिसमें रसिया, भारत, नेपाल सहित 15 राज्यों से आये चित्रकारों ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला का अपने–अपने अंदाज में बनाये चित्र भेंट किये, वही विभिन्न समाजों के पंच पटेलों व कार्यकर्ताओं ने 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर उने साथ काबिना मंत्री हीरालाल नागर भी उपस्थित थे।

भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर ढोल नगाड़ों के साथ गर्मजोशी से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत किया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। भारत आज नई–नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। भारत में सभी व्यक्तियों को अभिव्यक्ति की आजादी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत और अधिक प्रगति करेगा। दुनिया की समस्याओं का समाधान भारत कर रहा है। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश चंदेल, राजस्थान वक्फ बोर्ड के पूर्व चैयरमेन अबूबकर नकवी, सत्यनारायण चौधरी, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, ओम पांडे, जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी, प्रधान काबरा, जिला मंत्री नीलिमा आमेरा, रामकिशन गुर्जर, कमलेश यादव, लोकेश गुप्ता, गणेश सैनी, रत्तिराम पहाडिय़ा, विजय मालवानी, शम्भू शर्मा, नन्दलाल छान, धर्मराज गुर्जर, भगवान सैनी, हनुमान बैरवा, देवराज गुर्जर सहित अन्य मौजूद रहे।

राजस्थान में 3 बच्चों वाले सरकारी कर्मचारियों को मिलने लगा प्रमोशन

जयपुर, 08 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार की बदली हुई नीति का लाभ अब तीन बच्चों वाले सरकारी अधिकारियों–कर्मचारियों को मिलने लगा है। वर्ष 2002 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि तीन बच्चों वाले अधिकारी को पदोन्नति दी गई है। इसका पहला बड़ा उदाहरण तहसीलदार सत्य प्रकाश खत्री का है, जिन्हें राजस्थान प्रशासनिक सेवा में प्रमोट कर दिया गया है। कार्मिक विभाग द्वारा जारी सूची के अनुसार कुल 42 तहसीलदारों को आरएस में पदोन्नत किया गया है। इनमें से 6 अधिकारियों के पद नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच खाली होंगे। इसलिए इन्हें उसी तारीख से पद ग्रहण करने की अनुमति दी जाएगी जब पद रिक्त होंगे। शेष 36 अधिकारियों को जल्द ही पोस्टिंग आदेश जारी होंगे।

तहसीलदार से आरएस बने सत्य प्रकाश खत्री के तीन बच्चे हैं। पुराने नियमों के तहत 2002 के बाद तीन बच्चों वाले कर्मचारियों को प्रमोशन का लाभ नहीं मिल पाता था।लेकिन 16 मार्च 2023 को कार्मिक विभाग द्वारा जारी सर्कुलर में ऐसे कर्मचारियों को राहत देने का प्रावधान किया गया। अब इसी नीति का वास्तविक लाभ सामने आया है।खत्री को ठड की जूनियर पे स्केल में पद खाली होने की तारीख से वेतन तय कर तीन साल तक के काल्पनिक इंक्रीमेंट भी मिलेंगे। हालांकि इनका कोई बकाया भुगतान नहीं किया जाएगा। प्रमोशन सूची में शामिल तहसीलदार महेपाल सिंह भी चर्चा में हैं।

वंदे मातरम के नाम पर विरासत चुराने की कोशिश: अशोक गहलोत

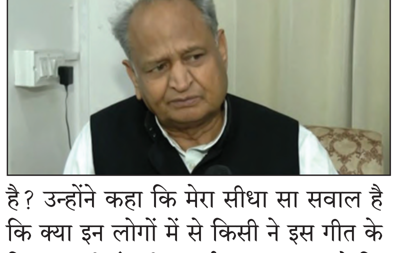

जयपुर, 08 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर केंद्र सरकार की तरफ से विभिन्न जगहों पर आयोजित कार्यक्रम को लेकर कहा कि यह हमारी विरासत को चुराने की कोशिश है। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि अतीत खुद इस बात की तस्दीक करता है कि वंदे मातरम का भाजपा से कोई सरोकार नहीं है। कभी इन लोगों ने इसे वरीयता नहीं दी। हमारे कांग्रेस के वरिष्ठ और दिग्गज नेत–ाओं ने जितना सम्मान इस गीत को दिया, उतना यह लोग कभी नहीं दे पाएंगे। इस गीत को सबसे पहले बंकिमचंद्र चटर्जी ने लिखा और रविंद्रनाथ टैगोर ने गाया था। ऐसी स्थिति में इस गीत का इन लोगों से तो कोई सरोकार नहीं बनता है। ऐसी स्थिति में मुझे समझ नहीं आ रहा है कि आखिर केंद्र सरकार इस गीत के 150 साल पूरे होने के मौके पर विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम क्यों आयोजित कर रही है? उन्होंने कहा कि मेरा सीधा सा सवाल है कि क्या इन लोगों में से किसी ने इस गीत के लिए अपनी उंगली कटाई। जवाब स्पष्ट है कि कभी नहीं कटाई, तो ऐसी स्थिति में इस संबंध में किसी भी प्रकार की बात कहना पूरी तरह से गलत है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ये लोग बेवजह से ही वंदे मातरम गीत का जिक्र कर रहे हैं। इनका इससे कोई सरोकार नहीं है। ये लोग बेकार की बातें करते रहते हैं। इन लोगों ने हमेशा संविधान का तिरस्कार किया। यहां तक की संविधान की प्रतियां भी जलाईं। इन लोगों ने कभी भी राष्ट्र का सम्मान नहीं किया। अब ये लोग राजनीतिक फायदा अर्जित करने के लिए नई–नई बातों का जिक्र कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि केंद्र सरकार नई–नई थ्योरी लेकर आ रही है। अब हाल ही में सरदार पटेल की बात कर रही है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने सरदार पटेल की अस्मिता को संरक्षित करने के लिए क्या किया। सरदार पटेल की विशाल प्रतिमा बना दी, जिसका हम स्वागत करते हैं, लेकिन जरा इनसे पूछिए कि आखिर इन्होंने क्यों सरदार पटेल के नाम से निर्मित स्टेडियम का नाम बदल दिया। मैं पूछना चाहता हूं कि आखिर इन्होंने किसकी सलाह पर सरदार पटेल के नाम से बने स्टेडियम का नाम नरेंद्र मोदी स्टेडियम कर दिया। आखिर उन्हें यह सलाह किसने दी?

कांग्रेस नेता ने कहा कि वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत को रचित 150 साल पूरे हो चुके हैं। केंद्र सरकार को इस खास मौके पर किसी भी प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन करने से पहले विपक्षी दलों के नेताओं को आमंत्रित करना चाहिए था, लेकिन इन्होंने ऐसा नहीं किया।

कर्नाटक ने गन्ने का एफआरपी 100 बढ़ाया, किसानों ने हड़ताल खत्म की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में किसान नेताओं और चीनी मिलों के प्रतिनिधियों के साथ मैराथन बैठकों के बाद, कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को गन्ने के लिए उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में 100 रुपये प्रति टन की बढ़ोतरी की घोषणा की। इसके बाद किसानों ने शुक्रवार को अपना विरोध वापस ले लिया। किसानों को अब केंद्र द्वारा तय की गई 3,200 प्रति टन की एफआरपी के मुकाबले 3,300 प्रति टन (कटाई और परिवहन लागत को छोड़कर) मिलेंगे। बढ़ी हुई राशि में राज्य सरकार और चीनी मिलें 50-50 रुपये का योगदान देंगी। राज्य सरकार ने चीनी के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), गन्ने के लिए एफआरपी, चीनी के निर्यात की सीमा और इथेनॉल उत्पादन और वितरण को बढ़ाने के लिए दबाव डालने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें किसान और चीनी मिल प्रतिनिधि भी शामिल होंगे, को केंद्र में ले जाने का फैसला किया। मिलों के प्रतिनिधियों और किसान नेताओं के साथ लगभग सात घंटे

की बैठक के बाद यह निर्णय आया। मुख्यमंत्री पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उन प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाल चुके हैं जिन पर किसान विरोध कर रहे हैं। बेल-गावी, विजयपुरा, बागलकोट, हावेरी और कलबुर्गी के गन्ना उत्पादक जिलों में एफआरपी में वृद्धि की मांग को लेकर किसान 30 अक्टूबर से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मई में, केंद्र ने 10.5 प्रतिशत की चीनी रिकवरी दर पर 3,550 प्रति टन की एफआरपी की घोषणा की। कर्नाटक में 81 मिलें संचालित हैं, जिनमें से एक सार्वजनिक क्षेत्र में है, जबकि 11 सहकारी क्षेत्र में हैं, और बाकी निजी क्षेत्र में हैं। राज्य सरकार का अनुमान है कि पिछले साल के 5.6 करोड़ टन के मुकाबले इस साल लगभग 6 करोड़ टन गन्ने की पेराई की जाएगी। किसान नेताओं और चीनी मिल प्रतिनिधियों दोनों ने केंद्र की नीति के कारण अपनी समस्या बताई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि किसान चीनी रिकवरी दर के लिए 10.25 प्रतिशत की दर पर 3,100 और 11.25 प्रतिशत की दर पर 3,200 की एफआरपी का विरोध कर रहे हैं। हमने इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए केंद्र में एक प्रतिनिधिमंडल ले जाने का फैसला किया है। हालांकि गन्ने की उपज जिले से जिले में भिन्न होती है, प्रति टन 100 की बढ़ोतरी समान रूप से लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि चीनी मिलें एफआरपी के रूप में 3,250 प्रति टन का भुगतान करने पर सहमत हो गई हैं, और सरकार प्रति टन 50 का अतिरिक्त यो-गदान देगी। रिकवरी दर के आधार पर, विभिन्न जिलों में एफआरपी तय की जाएगी। चीनी मिलों ने सरकार से उनके द्वारा बेची जा रही बिजली पर प्रति यूनिट 60 पैसे टैक्स लगाने के प्रस्ताव पर फिर से विचार करने को कहा है और इस पर विचार किया जाएगा। किसानों ने चीनी मिलों पर वजन में धोखाधड़ी करने और कम रिकवरी दर दिखाने का आरोप लगाया है। किसानों ने सरकार से चीनी मिलों के सामने रिकवरी दर की जांच के लिए एक प्रयोगशाला खोलने का आग्रह किया है। उन्होंने कुछ मिलों द्वारा किसानों पर बकाया राशि के बारे में भी बताया है। चीनी मिल प्रतिनिधियों और किसानों के साथ अलग-अलग बैठकें की जाएंगी। उनकी संबंधित समस्याओं पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई। किसानों के साथ अपनी बैठक में सिद्धरामैया ने किसानों से पूछा कि क्या राज्य सरकार से मुआवजा मांगना उचित है जब केंद्र ने चीनी पर एमएसपी, गन्ने पर एफआरपी और इथेनॉल की सीमित आपूर्ति तय की है। जब चीनी मिलों के प्रतिनिधियों ने - एक अन्य बैठक में - अपनी फैक्टरियां चलाने में अत्यधिक कठिनाई व्यक्त की और सरकार को इसे संभालने की पेशकश की, तो सिद्धरामैया ने पूछा आप किसानों को कैसे जवाब देंगे, जिन्होंने आपसे सवाल किया है कि अगर एक फैक्टरी चलाना इतना मुश्किल है तो जिनके पास एक फैक्टरी है, वे दूसरी और तीसरी फैक्टरी कैसे शुरू कर रहे हैं?

कांग्रेस विधायक सतीश सैल की जमानत अर्जी खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक मामले में कारवार विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक सतीश सैल की अंतरिम जमानत याचिका खारिज होने के कारण उन पर फिर से गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है। सतीश सैल ने खराब स्वास्थ्य के कारण कोर्ट में उपस्थित न होकर वकील से छूट की गुहार लगाई थी। हालांकि, जन प्रतिनिधि विशेष अदालत के न्यायाधीश गजानन भट्ट ने उपस्थिति से छूट देने की जमानत याचिका खारिज कर दी। पीपुल्स कोर्ट ने अवैध अयस्क तस्करी मामले में दोषी ठहराए गए सतीश सैल की जमानत 7 नवंबर तक बढ़ा दी है। चूंकि उनके खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है, इसलिए कहा जा रहा है कि उन्हें फिर से जेल जाना पड़ सकता है। कारवार विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक सतीश सैल अवैध अयस्क तस्करी मामले में मुख्य आरोपी हैं। इसके अलावा उनके घर पर ईडी का हमला हुआ और करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की गई। बहुमूल्य सोने के आभूषण और नकदी जब्त कर ली गई। स्वास्थ्य समस्याओं के चलते दिल्ली में इलाज करा रहे सतीश सैल को ईडी मामले में जमानत

मिल गई है। हाई कोर्ट ने 25 अक्टूबर तक जमानत दी थी। हालांकि, स्वास्थ्य समस्याओं और इलाज के कारण सैल द्वारा जमानत बढ़ाने की मांग की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए जन प्रतिनिधि अदालत ने जमानत को 7 नवंबर तक बढ़ाने का आदेश दिया। अब विधायक की अंतरिम जमानत रद्द कर दी गई है। 2010 में बेलकेरी बंदरगाह में लौह अयस्क के अवैध परिवहन के मामले में पैसे का अवैध हस्तांतरण हुआ था। इस मामले में 200 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मामले की जांच शुरू कर दी है। 13 और 14 अगस्त को ई.डी. अधिकारियों ने विधायक सतीश सैल के घर, दफ्तर, दिल्ली और गोवा समेत कई जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान करोड़ों रुपये नकद और सोने के आभूषण जब्त किये गये। अवैध खनन के जरिए विदेश ले जाने के लिए कारवार के बेलकेरी बंदरगाह पर 11,312 मीट्रिक टन अयस्क भंडारित किया गया था। इसे अधिकारियों ने जब्त कर लिया। कहा गया कि मल्लिकार्जुन शिपिंग कॉरपोरेशन के मालिक सतीश सैल ने इसे बिना अनुमति के विदेश पहुंचाया था। इस आरोप में 6 अलग-अलग मामले दर्ज किये गये थे। लोकायुक्त और सीबीआई ने जांच की और अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया। सीबीआई ने कहा कि वन अधिकारियों द्वारा जब्त किए गए 5,00,000 मीट्रिक टन अयस्क में से 1,29,553.54 मीट्रिक टन अयस्क चोरी हो गया था। 9 तारीख को विधायक सतीश सैल को ई.डी. ने गिरफ्तार कर लिया था। हालाँकि, हिरासत में रहने के दौरान सैल बीमार पड़ गए। ऐसे में कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी। अब उस जमानत की अवधि को बढ़ा दिया गया।

सहरसा सदर अस्पताल में गार्ड की दरिंदगी

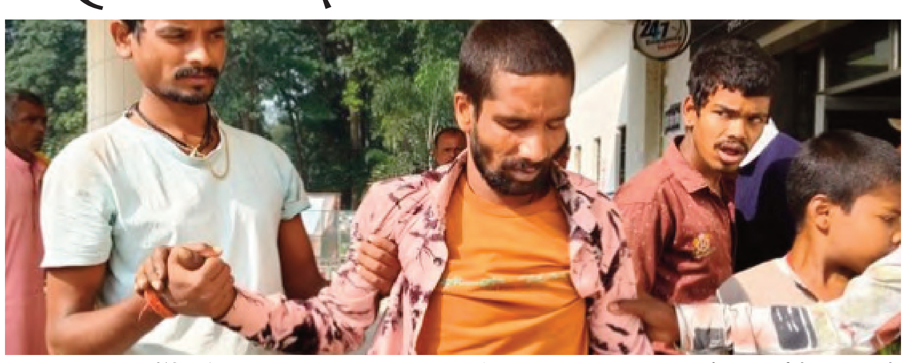

सहरसा/एजेंसियां।

बिहार के सहरसा सदर अस्प-ताल में सुरक्षा गार्डों की हैवानियत का मामला सामने आया है। यहां एक नशे में धुत व्यक्ति को चोर समझकर गार्ड ने बेरहमी से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। बाद में जब पुलिस जांच के लिए पहुंची, तो चोरी का कोई सबूत नहीं मिला। इससे गार्डों की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं। जख्मी व्यक्ति की पहचान 40 वर्षीय बिजली राउत के रूप में हुई है। वह सहरसा के वार्ड नंबर 13, संजय पार्क के पास रहता है और पिछले एक साल से अपने ससुराल में ही रह रहा था। पीड़ित के ससुर राजू राउत ने बताया कि बिजली राउत गुरुवार शाम चाय पीने के लिए घर से निकला था। इस दौरान वह नशे की हालत में था और घूमते-घूमते सदर अस्पताल के बच्चा वार्ड के एक कमरे में जा पहुंचा। ड्यूटी पर तैनात नर्स ने जब कमरे में एक अजनबी को देखा, तो उसने सुरक्षा गार्डों को बुला लिया। गार्ड ने बिना पूछताछ किए उस व्यक्ति को चोर समझ लिया और लाठी-डंडों से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। पिटाई के बाद अस्पताल प्रशासन ने खुद ही पुलिस को फोन कर बताया कि एक चोर को पकड़ा गया है। सूचना मिलते ही सदर थाना के सब-इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बच्चा वार्ड के कमरों की बारीकी से जांच की, लेकिन चोरी या तोड़फोड़ का कोई निशान नहीं मिला। पुलिस ने पुष्टि की कि व्यक्ति को नशे की हालत में गलतफहमी के कारण चोर समझकर पीटा गया। जख्मी बिजली राउत का इलाज फिलहाल सदर अस्पताल में ही चल रहा है। पुलिस अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित अभी भी नशे की हालत में है। उन्होंने कहा कि यदि पीड़ित पक्ष की ओर से इस घटना को लेकर कोई लिखित आवेदन दिया जाता है, तो संबंधित गार्डों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना से पीड़ित के परिजनों में गहरा आक्रोश है। वे अस्पताल के गार्डों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

भारतीय तटरक्षक बल कर्नाटक, केरल में दो दिनों के लिए सागर कवच अभ्यास आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक और केरल में तटीय सुरक्षा की मानक संचालन प्रक्रियाओं को मान्य करने के लिए विभिन्न समुद्री और तटीय सुरक्षा हितधारकों के सहयोग से भारतीय तट रक्षक द्वारा आयोजित दो दिवसीय तटीय सुरक्षा अभ्यास सागर कवच शुक्रवार को संपन्न हुआ। इस अभ्यास का उद्देश्य अंतर-एजेंसी समन्वय को मजबूत करना और कर्नाटक और केरल तट पर समुद्री रक्षा तंत्र की समग्र तैयारियों को बढ़ाना था। यहां तटरक्षक बल की एक विज्ञप्ति के अनुसार सुरक्षा अभ्यास में कई केंद्रीय और राज्य सरकार एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। यह अभ्यास वास्तविक समय परिदृश्य

में आयोजित किया गया था, जिसमें मानक संचालन प्रक्रियाओं के परीक्षण और सुधार के प्राथमिक उद्देश्य के साथ समुद्र से उत्पन्न होने वाले संभावित खतरों का अनुकरण किया गया था। इसने महत्वपूर्ण बंदरगाहों और प्रतिष्ठानों सहित कर्नाटक की 320 किमी लंबी तटरेखा और केरल की 580 किमी लंबी तटरेखा को कवर किया। एक नकली परिदृश्य में, राष्ट्र विरोधी तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली 'रेड फोर्स' टीम को मुख्य भूमि में घुसपैठ करने का काम सौंपा गया था, जबकि 'ब्लू फोर्स' ने बचाव किया और खतरे को बेअसर कर दिया। इस परिदृश्य ने संदिग्ध जहाजों की पहचान करने से लेकर आपात स्थिति के प्रबंधन और सहयोग, अंतर एजेंसियों के संचार और समन्वय के लिए वास्तविक समय परिदृश्य में कई एजेंसियों के समन्वय तक विभिन्न स्थितियों को संबोधित करने में प्रत्येक एजेंसी की क्षमताओं का परीक्षण किया। ब्लू फोर्स ने इलेक्ट्रॉनिक छाता, अत्याधुनिक एंटी ड्रोन जैमर और फोन ट्रैकिंग का उपयोग कर रेड फोर्स की घुसपैठ को विफल कर दिया। तटरक्षक बल ने कहा सागर कवच का सफल समापन समुद्र तट और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारतीय तट रक्षक, तटीय सुरक्षा पुलिस, सीआईएसएफ, राज्य पुलिस, आईटीबीपी, नौसेना, मत्स्य पालन और सीमा शुल्क विभागों और अन्य संबंधित एजेंसियों की प्रतिबद्धता और संकल्प की पुष्टि करता है।

बीज वितरण में गड़बड़ी को लेकर किसानों ने किया हंगामा

पटना/एजेंसियां।

जिले के मनेर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत टाटा कॉलोनी स्थित ई-किसान भवन परिसर में शनिवार को सैकड़ों किसानों ने बीज वितरण में अनियमितता को लेकर जमकर हंगामा किया। कई दिनों से चना, मसूर और मटर का बीज नहीं मिलने से नाराज किसानों ने कृषि पदाधिकारी और किसान सलाहकार पर मनमानी करने का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और किसानों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। जानकारी के अनुसार, पिछले तीन-चार दिनों से मनेर प्रखंड के किसान ई-किसान भवन पहुंचकर मटर, मसूर और चना बीज के लिए घंटों लाइन में लग रहे हैं। लेकिन बीज वितरण के दौरान ओटीपी (जढझ) नहीं आने की समस्या के कारण किसानों को बार-बार वापस लौटना पड़ रहा है। रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी नहीं आने से किसानों को बीज नहीं मिल पा रहा है। किसानों ने बताया कि ओटीपी की समस्या लगातार बनी हुई है। किसान राकेश कुमार, बेबी मुनी देवी और

सत्य राय ने बताया कि वे कई दिनों से बीज के लिए आ रहे हैं, लेकिन हर बार यह कहकर लौटा दिया जाता है कि मोबाइल पर ओटीपी नहीं आया है। इससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि सरकारी योजना के तहत किसानों को बाजार दर से कम कीमत पर बीज ई-किसान भवन में उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी वजह से बड़ी संख्या में किसान वहां पहुंच रहे हैं। शनिवार को भी सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष किसान बीज लेने पहुंचे, लेकिन ओटीपी न आने के कारण उन्हें बीज नहीं मिल पाया। इससे नाराज किसानों ने ई-किसान भवन परिसर में जमकर हंगामा शुरू कर दिया। हालात बिगड़ते देख कृषि पदाधिकारी और किसान सलाहकार को भवन का मुख्य द्वार बंद करना पड़ा। इस संबंध में कृषि पदाधिकारी ने बताया कि बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, लेकिन किसान एक साथ चना, मसूर और मटर का बीज लेना चाह रहे हैं। ओटीपी सत्यापन की तकनीकी समस्या के कारण वितरण में विलंब हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस की मदद से किसानों को समझाया गया है।

भोजपुर में चुनाव के बाद बवाल, पुलिस और ग्रामीणों की भिड़ंत

भोजपुर/एजेंसियां।

जिले के चौरी थाना क्षेत्र के दुल्लमचक गांव में शुक्रवार की सुबह पुलिस और ग्रामीणों के बीच बड़ा विवाद हो गया। घटना के दौरान ग्रामीणों ने पुलिस दल पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। जिसमें आधा दर्जन से अधिक पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं पथराव में एक दारोगा और एक चौकीदार घायल हो गए। स्थिति बिगड़ने के बाद मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना मतदान के अगले दिन तब हुई जब ग्रामीणों ने गुलजारपुर निवासी दो संदिग्ध हथियारबंद युवकों को पकड़ लिया और उनकी पिटाई करने लगे। सूचना मिलते ही चौरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्धों को भीड़ से छुड़ाने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने संदिग्धों को भागने का मौका दिया, जिससे भीड़ भड़क गई। वहीं देखते ही देखते सैकड़ों लोग जुट गए और उन्होंने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। हमले में पुलिस की कई वाहनों के कांच टूट गए और कुछ निजी वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना के बाद एसडीपीओ केके सिंह तथा अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित किया। पथराव की अफरातफरी में दोनों संदिग्ध मौके से फरार हो गए। बाद में तलाशी अभियान के दौरान उनके पास से एक देसी पिस्तौल बरामद की गई। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि गुरुवार को मतदान के दौरान गांव में चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों में झड़प हुई थी, जिसके कारण पहले से तनाव था। इसी तनाव में यह घटना भड़क गई। पुलिस ने अज्ञात ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है और फ्लैग मार्च भी किया गया है। स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। प्रशासन ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

घर में संदिग्ध हालात में मिला पति-पत्नी का शव

नालंदा/एजेंसियां।

नालंदा के हिलसा थाना क्षेत्र के काजी बाजार मोहल्ले में शुक्रवार की रात एक बुजुर्ग दंपत्ति की संदिग्ध हालत में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों में 75 वर्षीय मनोहर प्रसाद और उनकी 70 वर्षीय पत्नी सुशीला देवी शामिल हैं। मृतकों के परिवार और पड़ोसी घटना के बारे में किसी भी तरह की जानकारी देने को तैयार नहीं हैं। पड़ोसियों ने बताया कि दंपत्ति पिछले चार-पांच दिनों से घर के अंदर ही थे। घटना का पता तब चला जब पटना में रहने वाले बेटे ने पड़ोसी से संपर्क किया और बताया कि उनके माता-पिता फोन नहीं उठा रहे हैं। पड़ोसियों ने घर के अंदर देखा तो पत्नी अर्धनग्न अवस्था में पति के साथ लिपटी हुई थीं। मनोहर प्रसाद और सुशीला देवी कपड़े की फेरी का काम करते थे। करीब एक साल पहले मनोहर प्रसाद एक दुर्घटना में गिरने के बाद चलने-फिरने में असमर्थ हो गए थे और तब से घर पर ही रह रहे थे। उनके पांच बच्चे हैं, जिनमें चार बेटे और एक बेटी शामिल है। आरोप है कि बेटे संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद में थे और चारों में से किसी ने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल नहीं की।

जेल में सोना तस्करी मामले के आर-ोपी उमेश रेड्डी और तरूणराज को शाही आतिथ्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आरोप सुनने में आया है कि परप्पाना की अग्रहारा जेल में सोना तस्करी मामले के आरोपी विक्रातकामी उमेश रेड्डी और तरूणराज को शाही आतिथ्य दिया जा रहा है।

वीडियो में इस जेल में लश्कर आतंकी के हाथ में एंड्रा यिड का मोबाइल भी है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता दर्शन को शाही आतिथ्य को लेकर कार्रवाई का आदेश जारी किया था। फिर भी, ऐसे आरोप लगे हैं कि इस जेल में कैदियों और रिमांड कैदियों को विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनमें मोबाइल फोन और सेल टीवी सिस्टम शामिल हैं, और इस पर भारी बहस हुई है। जहां अभिनेता दर्शन को जेल में बिस्तर और तकिया मिलना मुश्किल हो रहा है, वहीं विक्रातकामी उमेश रेड्डी का जेल के अंदर मोबाइल फोन पर बात करते और टीवी देखते हुए एक वीडियो मिला है। दोषी बलात्कारी उमेश रेड्डी का टीवी देखते समय कीपैड पर बात करते हुए एक वीडियो वायरल हो गया है। गोल्ड तस्करी मामले में गिरफ्तार रान्या राव के दोस्त आरोपी तरूणराज के जेल के अंदर टीवी देखने और बिंदास जिंदगी जीने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने जेल में कैदियों को विशेष सुविधाएं न देने का स्पष्ट निर्देश दिया है, लेकिन ऐसी शिकायतें आ रही हैं कि परप्पाना अग्रहारा जेल में इस आदेश का उल्लंघन किया जा रहा है और अब उन्हें सुविधाएं देने वाले जेल अधिकारियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसे गंभीरता से लेते हुए एडीजीपी जेल दयानंद ने जांच के आदेश दिये हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com